THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 126 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.8 2082 शुक्रवार, 1 अगस्त-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अमरनाथ यात्रा : श्रद्धालुओं की संख्या 4 लाख के पार

श्रीनगर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या 4 लाख के पार पहुंच गई है। गुरुवार को बालटाल आधार शिविर से श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति मिलने के बाद यह आंकड़ा पार हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस उपलब्धि की जानकारी दी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, बाबा अमरनाथ असंभव को भी संभव बनाते हैं। उनके आशीर्वाद से गुरुवार को पवित्र यात्रा ने 4 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। मैं इस चमत्कार के लिए भगवान शिव को नमन करता हूं और पवित्र यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य अनुभव बनाने में शामिल सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

मालेगांव ब्लास्ट केस के सभी आरोपी बरी

> यूएपीए के प्रावधान इस मामले पर लागू नहीं होते

कोर्ट से कौन-कौन हुआ बरी?

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में गुरुवार को एक विशेष एनआईए अदालत ने 2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया।

जिन लोगों को बरी किया गया है, उनमें भाजपा की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा से लेकर भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय के नाम भी शामिल हैं। बता दें कि 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित मालेगांव में रमजान के महीने में एक जबरदस्त धमाका हुआ था। इस ब्लास्ट में छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हालांकि, आरोपियों की गिरफ्तारी के 17 साल बाद अब एनआईए कोर्ट ने इस मामले में महाराष्ट्र के आतंक-रोधी दस्ते (एटीएस) की जांच में कई खामियां मिलने की बात कही। साथ ही इन आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत भी न पेश किए जाने का मामला उठा। इसके बाद अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया। गौरतलब है कि मालेगांव ब्लास्ट केस में फैसला करीब 17 साल बाद आया है।

इस मामले में एक आरोपी को तो 2011 में जमानत मिल गई थी, लेकिन छह आरोपी आठ साल तक जेल में बंद रहे और उन्हें 2017 में जमानत मिली। कोर्ट ने कहा कि यह साबित करने के लिए भी कोई सबूत नहीं है कि लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने अपने घर में विस्फोटक पदार्थ ले जाए या रखे थे या उन्होंने बम बनाया था। जज ने यह भी माना कि कठोर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान इस मामले पर लागू नहीं होते, क्योंकि इसके लिए अनुमति देने से पहले उचित विचार-विमर्श नहीं किया गया था।

'संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता, दोषसिद्धि के लिए कोई साक्ष्य नहीं'

सिर्फ शक वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकताएक विशेष कोर्ट ने गुरुवार को 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि केवल संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता और मामले में दोषसिद्धि के लिए कोई ठोस या विश्वसनीय सबूत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता।

अदालत केवल धारणा के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती। अभियोजन पक्ष का तर्क था कि नासिक जिले के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मालेगांव शहर में मुस्लिम समुदाय को डराने के इरादे से दक्षिणपंथी उग्रवादियों ने यह विस्फोट किया था। अदालत ने अपने फैसले में अभियोजन पक्ष के मामले और की गई जांच में कई खामियों को उजागर किया और कहा कि आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।

ट्रम्प ने इंडिया को डेड इकोनॉमी बताया

> भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें
> मुझे क्या, आज से 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा

वॉशिंगटन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया। उन्होंने कहा- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। एक दिन पहले ट्रम्प ने 1 अगस्त 2025 से भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। अभी भारत पर अमेरिका का टैरिफ सामान के हिसाब से औसतन 10 प्रतिशत के आसपास है।

डेड इकोनॉमी उस स्थिति को कहते हैं जब किसी देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या बिल्कुल सुस्त पड़ जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कमाई लगभग रुक सी जाती है। विकास रुक जाता है और लोग आर्थिक तंगी में फंस जाते हैं। डेड इकोनॉमी कोई आधिकारिक आर्थिक टर्म नहीं है। ये एक बोलचाल का शब्द है, इसलिए इसे मापने का कोई सटीक पैमाना भी नहीं है। हालांकि इसे समझने के लिए कुछ आर्थिक संकेतकों का इस्तेमाल किया जा सकता है- जैसे जीडीपी, महंगाई, बेरोजगारी दर और व्यापार घाटा। डोनाल्ड ट्रम्प ने 30 जुलाई को ऐलान किया कि भारतीय सामानों पर अमेरिका में 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। उन्होंने रूस से व्यापार के चलते भारत पर पेनल्टी लगाने की बात भी कही। अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर उन्होंने यह बात लिखी।

ट्रम्प ने सही कहा कि इंडियन इकोनॉमी मर चुकी : राहुल

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने गुरुवार को कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अदाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है। राहुल का यह बयान ट्रम्प के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि रूस और भारत अपनी डेड इकोनॉमी को कैसे संभालते हैं। दरअसल बुधवार को अमेरिकी ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की। इसके बाद से ही कांग्रेस समेत कई पार्टियों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

पन्नीरसेल्वम ने तोड़ा एनडीए से नाता

चेन्नई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इससे पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। साथ ही सियासी समीकरण में बड़े बदलाव होने की संभावना भी बढ़ गई है। कारण है कि तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके कैडर राइट्स रिट्रीवल कमेटी ने गुरुवार को भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। इस फैसले की घोषणा समिति के वरिष्ठ नेता और सलाहकार पनरुट्टी एस रामचंद्रन ने की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि अब से यह समिति एनडीए का हिस्सा नहीं रहेगी। बता दें कि इस बात की जानकारी के देने के लिए हो रही प्रेस वार्ता में पूर्व सीएम ओपीएस खुद भी मौजूद थे। समिति की ओर से यह भी बताया गया कि ओ. पन्नीरसेल्वम राज्य के कई हिस्सों का दौरा करेंगे और राजनीतिक हालात को देखते हुए भविष्य के गठबंधन पर फैसला किया जाएगा।

'सरकार अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ के प्रभावों का आकलन कर रही'

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लोकसभा में अमेरिका की ओर लगाए गए टैरिफ पर सरकार का रुख साझा किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मार्च 2025 में, भारत और अमेरिका ने एक न्यायसंगत, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए बातचीत शुरू की। इसका लक्ष्य अक्तूबर-नवंबर 2025 तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना था। दोनों पक्षों ने 29 मार्च 2025 नई दिल्ली में आयोजित पहली डिजिटल मीटिंग में चर्चा के दौरान व्यापार वार्ता शुरू करने के लिए विस्तृत टर्म्स ऑफ रिफरेंस (टीओआर) को अंतिम रूप दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इसके इसके बाद, दोनों पक्षों के बीच नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी में चार दौर की भौतिक वार्ताएं हो चुकी हैं। इसका मकसद टीओआर के अनुसार द्वपक्षीय व्यापार वार्ता (बीटीए) को अंतिम रूप देना था। इसके अलावा, दोनों पक्षों के बीच कई वर्चुअल बैठकें भी हुई हैं। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, सरकार हाल की घटनाओं के प्रभावों की जांच कर रही है... हम अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

'अब चीन, अमेरिका, पाकिस्तान की राजनीतिक चुनौती से निपटना होगा'

टैरिफ के मुद्दे पर कांग्रेस हमलावर

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के एलान पर कांग्रेस ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि एक बार पीएम मोदी ने कीमतों में टॉप (टमाटर, प्याज, आलू) चुनौतियों की बात की थी, लेकिन देश को अब सीएपी (चीन, अमेरिका, पाकिस्तान) की राजनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ट्रंप भारत पर दबाव डाल रहे हैं।

रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि 10 मई से अब तक ट्रंप ने 30 बार दावा किया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोक दिया था। ये दावे चार अलग-अलग देशों में किए गए। 18 जून को उन्होंने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख और पहलगाम आतंकी हमलों के सूत्रधार को दोपहर के भोजन पर बुलाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि 30 जुलाई को उन्होंने भारत से अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया और साथ ही रूस से भारत की तेल और रक्षा खरीद पर जुर्माना भी लगाया। इसके अलावा ईरान के साथ संबंध रखने के कारण कम से कम छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए। रमेश ने कहा कि 30 जुलाई को ट्रंप ने यह भी घोषणा की थी कि अमेरिका पाकिस्तान को उसके तेल और गैस भंडारों की खोज और विकास में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह घोषणा विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान को उनके पूर्ण समर्थन के अतिरिक्त है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी ने एक बार कीमतों में टॉप (टमाटर, प्याज, आलू) चुनौती की बात की थी। अब भारत को सीएपी (चीन, अमेरिका, पाकिस्तान) से उत्पन्न राजनीतिक चुनौती से निपटना है। मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी व्यक्तिगत मित्रता में बहुत अधिक निवेश किया है। ऐसा उन्होंने पहले राष्ट्रपति शी के साथ भी किया था। दोनों को अब उस व्यक्ति का पूरा ज्ञान है, जिसे उसके विशाल अहंकार और आत्म-मुग्धता का फायदा उठाकर आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा :

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि रूस से हथियार और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। ट्रंप ने यह घोषणा ऐसे समय में की, जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए 25 अगस्त से अमेरिकी व्यापार दल भारत आएगा।

'राहुल गांधी के पास हैं वोट चोरी के आरोपों के सबूत'

> सिद्धारमैया का बड़ा दावा

बेंगलूरू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास लोकसभा चुनाव के दौरान 'वोट चोरी' के आरोपों से जुड़े सबूत मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी 5 अगस्त को बेंगलूरू में प्रदर्शन करेंगे और चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलकर इस मामले में दस्तावेज सौंपेंगे। सीएम सिद्धारमैया ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, राहुल गांधी के पास इस बात के सबूत हैं कि कर्नाटक में वोटों की चोरी कैसे की गई। वह इस मुद्दे को लेकर यहां विरोध प्रदर्शन करेंगे और चुनाव आयोग से मुलाकात करेंगे।

राहुल गांधी ने 23 जुलाई को आरोप लगाया था कि देश में चुनावों की चोरी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक की एक लोकसभा सीट का गहराई से अध्ययन किया है और वोट चोरी की पूरी प्रक्रिया का पता लगा लिया है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में हमने एक सीट को चुना और उसकी वोटर लिस्ट को डिजिटल फॉर्मेट में कन्वर्ट किया। इस प्रक्रिया में छह महीने लगे। इसके बाद हमें समझ में आ गया कि वोट चोरी कैसे होती है, कौन करता है और नए वोटर्स कहां से लाए जाते हैं। राहुल गांधी का कहना है कि हमें इसका कागजी सबूत मिल गया है। हम इसे जनता और चुनाव आयोग के सामने रखेंगे।

'एक चुटकी सिंदूर की कीमत तुम क्या जानो'

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रेणुका चौधरी ने ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही बहस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिल्मी अंदाज में निशाना साधा।

उन्होंने 2007 की शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम का एक डायलॉग बोलते हुए कहा, 'एक चुटकी सिंदूर की कीमत तुम क्या जानों नरेंद्र बाबू'। तेलंगाना से कांग्रेस सांसद ने इस बात पर हैरानी जताई कि मंगलवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के डेढ़ घंटे के भाषण में पहलगाम आतंकी हमले के 26 पीड़ितों का जिक्र तक नहीं किया गया।

'पाकिस्तान में तेल को लेकर ट्रंप को भ्रम'

> पाक से अमेरिका की ऑयल डील को लेकर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील को लेकर सख्त संकेत दिए हैं। भारत पर संभावित 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त पेनाल्टी का अंदेशा जताया जा रहा है। जबकि ट्रंप ने दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ ऑयल डील कर चौंका दिया है। अब इस पूरे मामले पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है।

शशि थरूर ने कहा कि अभी ये देखना होगा कि अमेरिका कितना टैरिफ लगाएगा। अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। रूस से तेल खरीदने पर हम वह 100 प्रतिशत पेनाल्टी भी लग सकती है। जिस तरह की बातें ट्रंप कर रहे हैं। यह उनकी बारगेनिंग टैक्टिस भी हो सकती है। लेकिन अगर हम पर इतना अधिक टैरिफ लगेगा तो इससे हमारा ट्रेड बर्बाद हो जाएगा। थरूर ने कहा कि अमेरिका से ट्रेड को लेकर अभी बातचीत हो ही रही है। लेकिन अगर बात नहीं बनी तो इससे हमारे एक्सपोर्ट पर असर पड़ेगा। हमारी जीडीपी डगमगा जाएगी। अमेरिका की व्यापारिक मांगें पूरी तरह से अनुचित है।

पंचायत राज विभाग का इंजीनियर ठेकेदार से रिश्वत लेते पकड़ा गया

जगतियाल, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने पंचायत राज विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) संगेम अनिल कुमार को बुधवार को जगतियाल में एक ठेकेदार से कथित तौर पर 7,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। एसीबी अधिकारियों के अनुसार अनिल कुमार पंचायत राज विभाग की सतर्कता एवं गुणवत्ता नियंत्रण शाखा में तैनात हैं। इंजीनियर ने कथित तौर पर कोरुतला निवासी ठेकेदार के. वेंकटेशम से 32 लाख रुपये के अनुमानित तीन कार्यों से संबंधित गुणवत्ता नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए 18,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद, एईई 10,000 रुपये लेने पर सहमत हो गया। वेंकटेशम, जो पहले ही 3,000 रुपये दे चुका था, एसीबी के पास पहुँचा। उसकी शिकायत के आधार पर, एसीबी ने जाल बिछाया और अनिल कुमार को उसके कार्यालय में शेष 7,000 रुपये लेते समय पकड़ लिया।

केजीबीवी छात्रा को सांप के काटने के बाद अस्पताल में कराया गया भर्ती

गडवाल, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जोगुलम्बा गडवाल जिले के कालागोटला गांव में कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय (केजीबीवी) की नौवीं कक्षा की एक छात्रा को सुबह स्कूल परिसर में सांप द्वारा काटे जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के तुरंत बाद, दक्षायिनी नाम की छात्रा ने शोर मचाया और अपने सहपाठियों को सूचित किया। उसे इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इस बीच, महात्मा गांधी ज्योतिराव फुले गुरुकुल स्कूल के लगभग 40 छात्रों ने लंबे समय से लंबित मुद्दों और उनके परिसर में बुनियादी सुविधाओं की कमी के तत्काल समाधान की मांग को लेकर विरोध मार्च शुरू किया। छात्र उंडावल्ली मंडल के पुल्लुरु गांव से आलमपुर चौराहे तक चले और राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़े। उन्होंने अपने स्कूल की भयावह स्थिति पर चिंता जताई और बताया कि शौचालयों की हालत खस्ता है और बोरवेल के पानी में फ्लोराइड है, जिससे वह पीने लायक नहीं है।

नगर निगम का ठेकेदार मिला मृत; आत्महत्या का संदेह

कोत्तागुडेम, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के पलोंचा मंडल के सीतारामपटनम में एक नगरपालिका ठेकेदार की कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। मृतक, जे सुधाकर, गट्टईगुडेम के आदर्श नगर निवासी और पूर्व सैनिक, सुबह की सैर पर निकले लोगों को विद्युत कर्मचारी कॉलोनी के पास एक मैदान में मृत मिले। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, नगर निगम के ठेके पर काम करने वाले सुधाकर मंगलवार रात काम के लिए घर से निकले थे। उनके शव के पास एक कार और कीटनाशक मोनोक्रोटोफॉस की एक बोतल मिली, जिससे इस रसायन के सेवन की संभावना का संकेत मिलता है। उनकी संदिग्ध आत्महत्या के सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। सूचना मिलते ही पलोंचा टाउन पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल पहुँचाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच जारी है।

एमआरपी से अधिक कीमत पर यूरिया बेचने वाली दुकान जब्त

संगारेड्डी, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर पी प्रवीण्या ने संगारेड्डी शहर के पास पोथिरेड्डीपल्ली जंक्शन पर स्थित जिला सहकारी और विपणन समिति (डीसीएमएस) द्वारा संचालित एक उर्वरक की दुकान को जब्त कर लिया, क्योंकि उन्हें पता चला कि प्रबंधन अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत पर यूरिया बेच रहा था। यह दुकान संगारेड्डी कलेक्ट्रेट और ग्रामीण पुलिस स्टेशन से बस कुछ ही दूरी पर स्थित है। एक नियमित निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर ने दुकान से यूरिया खरीदने वाले किसानों का रजिस्टर देखा और रिकॉर्ड में दर्ज नंबर पर एक किसान को फ़ोन किया। किसान ने बताया कि उससे यूरिया के एक बैग के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य से ज़्यादा पैसे लिए गए। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रवीण्या ने तुरंत अधिकारियों को दुकान सीज करने के निर्देश दिए।

बाहरी इलाके में स्थित कार्यशाला से गणेश प्रतिमा चोरी

मेदक, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात मेदक शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक मूर्ति निर्माण इकाई से अज्ञात बदमाशों ने गणेश की एक मूर्ति चुरा ली। मूर्ति निर्माताओं ने सड़क किनारे एक अस्थायी झोपड़ी में कई मूर्तियाँ रखी थीं। बुधवार सुबह जब वे लौटे, तो उन्हें पता चला कि एक मूर्ति गायब थी। सीसीटीवी फुटेज देखने पर, यूनिट मालिकों ने पाया कि चार लोग मूर्ति को एक ऑटो-रिक्शा में ले गए थे। तुरंत मामला दर्ज कर लिया गया।

छात्रों को करीमनगर में धान की रोपाई का मिला व्यावहारिक अनुभव

करीमनगर, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों को कृषि पद्धतियों का वास्तविक अनुभव प्रदान करने के प्रयास में, जिला परिषद हाई स्कूल, ओड्यारम के छात्रों ने बुधवार को धान की रोपाई गतिविधियों में भाग लिया। एक अनुभवात्मक शिक्षण पहल के तहत, स्कूल के अधिकारी कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों को पास के कृषि क्षेत्रों में ले गए, जहाँ उन्होंने उत्साहपूर्वक धान की रोपाई में भाग लिया। शिक्षकों और स्थानीय किसानों के मार्गदर्शन में, छात्रों ने ग्रामीण जीवन और कृषि में शामिल शारीरिक श्रम का अनुभव प्राप्त किया।

इस व्यावहारिक अभ्यास का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक कृषि पद्धतियों से परिचित कराना था। इस भ्रमण के दौरान, उन्होंने विभिन्न प्रकार की फसलों, मिट्टी की किस्मों, प्राकृतिक खाद के उपयोग और फसल की उपज अवधि के बारे में सीखा। शिक्षकों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पाठ्यपुस्तकों से परे व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देना, छात्रों को किसानों की कड़ी मेहनत की सराहना करने में मदद करना तथा टीम वर्क, जिम्मेदारी और पर्यावरण जागरूकता जैसे मूल्यों को विकसित करना है।

इस अनुभव ने छात्रों को न केवल खेतों में एक सार्थक दिन प्रदान किया, बल्कि एक यादगार सबक भी दिया, जिसने कक्षा में सीखी गई शिक्षा को वास्तविक दुनिया के ज्ञान से जोड़ा।

हरीश राव ने गुरुकुल स्कूलों की उपेक्षा के लिए की कांग्रेस की आलोचना

रेवंत रेड्डी से कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने गुरुकुल स्कूलों की गंभीर समस्याओं की ओर आंखें मूंद लेने के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है। यहां तक कि छात्रों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर पदयात्राएं भी निकाली हैं। जोगुलम्बा गडवाल ज़िले के आलमपुर स्थित गुरुकुल स्कूल के छात्रों द्वारा हाल ही में की गई पदयात्रा का ज़िक्र करते हुए, हरीश राव ने कहा कि यह शर्मनाक है कि जिन बच्चों को कक्षाओं में होना चाहिए, वे भोजन, पानी और सम्मान के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि वे चुनावी फ़ायदे के लिए राजनीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और भावी पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'रेवंत रेड्डी, जो सवाल पूछने वालों पर भड़क उठते हैं, उन्हें अब इन बच्चों को जवाब देना चाहिए। उन्हें उनकी शिकायतों का समाधान करना चाहिए।'

बीआरएस नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अपनी असली रंगत दिखा रही है और प्रदर्शनकारी छात्रों की चिंताओं का समाधान करने के बजाय उन्हें पुलिस के ज़रिए जबरन खदेड़ रही है।

उन्होंने कहा कि सिर्फ़ 'हमें न्याय चाहिए' का नारा लगाने पर उन्हें पुलिस की गाड़ियों में ठूँस-ठूँस कर भर दिया जा रहा है। हरीश राव ने मांग की कि मुख्यमंत्री तुरंत आलमपुर जाएँ, छात्रों से सीधे ज्ञापन लें और सुधारात्मक कदम उठाएँ। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा सरकारी आवासीय कल्याण विद्यालयों में बढ़ती खाद्य विषाक्तता, छात्रों की मौतों और अन्य मुद्दों पर रिपोर्ट माँगे जाने के बाद भी सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई है।

विशेष कांस्टेबलों की बर्खास्तगी की समीक्षा करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से 10 विशेष पुलिस कांस्टेबलों की बर्खास्तगी को रद्द करने की अपील की और इस कार्रवाई को कठोर और अनुचित बताया। तेलंगाना भवन में बोलते हुए प्रवीण कुमार ने कहा कि कांस्टेबलों को बिना उचित जांच के बर्खास्त कर दिया गया, जबकि उनकी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था या कर्मियों या उनके परिवारों द्वारा कोई दुर्व्यवहार नहीं किया गया था।

उन्होंने बताया कि कांस्टेबलों का विरोध, छुट्टियों में कटौती और सरकार द्वारा वादा की गई 'एक पुलिस' नीति को लागू करने में विफलता के विरोध में था। इस विरोध प्रदर्शन के बाद—जिसमें कांस्टेबलों की पत्नियाँ, जिनमें गर्भवती महिलाएँ भी शामिल थीं, सड़कों पर उतर आईं—सरकार ने 39 कर्मियों को निलंबित कर दिया और 10 को सेवा से बर्खास्त कर दिया। उन्होंने उनकी तत्काल बहाली की माँग करते हुए कहा, 'ये कांस्टेबल न तो अपराधी हैं और न ही अमीर लोग।

सिर्फ़ अपनी आवाज़ उठाने की वजह से दस परिवारों को बर्बादी के कगार पर धकेल दिया गया है।' पूर्व आईपीएस अधिकारी ने राजनीतिक मतभेदों के चलते प्रभावित परिवारों की अपीलों को नज़रअंदाज़ करने के लिए मंत्रियों और अधिकारियों की आलोचना की। उन्होंने दोहराया कि बीआरएस मानवीय आधार पर मदद कर रहा है,

मजबूत रक्षा, एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र के बावजूद केंद्र ने तेलंगाना को किया दरकिनार

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद लंबे समय से एक मज़बूत रक्षा और एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र का केंद्र रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के अलावा, राज्य ने रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में, विशेष रूप से 2014 और 2023 के बीच, पर्याप्त निजी निवेश आकर्षित किया है। तेलंगाना को 2018, 2020 और 2022 में तीन बार एयरोस्पेस के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना गया। इसके बावजूद, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के लिए रक्षा औद्योगिक गलियारों को मंजूरी देते समय राज्य की अनदेखी की। जब केंद्र ने पहली बार रक्षा औद्योगिक उत्पादन गलियारे की अवधारणा की घोषणा की थी, तो तेलंगाना सरकार, विशेष रूप से तत्कालीन उद्योग मंत्री के.टी. रामाराव ने क्षेत्र में सुस्थापित पारिस्थितिकी तंत्र का हवाला देते हुए बार-बार हैदराबाद-बेंगलुरु गलियारे की अपील की थी। उत्तर प्रदेश को चुनने के केंद्र के औचित्य पर सवाल उठे थे। इस पहल के तहत, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (यूपीडीआईसी) की शुरुआत की, और योजना के तहत छह केंद्रों - आगरा, अलीगढ़, चित्रकूट, झाँसी, कानपुर और लखनऊ - की पहचान की। तमिलनाडु में भी इसी तरह के एक गलियारे को मंज़ूरी दी गई। तेलंगाना द्वारा इसमें शामिल होने की अपील जारी रहने के बावजूद, 2023 में केंद्र सरकार ने घोषणा की कि कोई नया रक्षा औद्योगिक गलियारा स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

साइबराबाद पुलिस ने एक सप्ताह में 18 साइबर अपराध मामलों का खुलासा किया 31 गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की साइबर अपराध पुलिस ने पिछले एक सप्ताह में देश के विभिन्न राज्यों में 18 साइबर अपराध के मामलों का पता लगाया और 31 अपराधियों को गिरफ्तार किया। इन 31 गिरफ्तारियों में से 19 लोग ट्रेडिंग धोखाधड़ी से जुड़े हैं।गिरोह बनाकर साइबर अपराध की साजिश रचने के आरोप में नौ अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने दो कारें, एक लैपटॉप, 32 मोबाइल फोन, सात चेक बुक और 82,500 रुपये नकद जब्त किए।

नए डीएससी वेटेज प्रस्ताव से लाभ मिलने की संभावना

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) और समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) में कार्यरत अनुबंध शिक्षण कर्मचारियों को जिला चयन समिति (डीएससी) के माध्यम से आगामी शिक्षक भर्ती में 10 अंकों का वेटेज मिल सकता है। स्कूल शिक्षा विभाग ने हाल ही में केजीबीवी और एसएसए में कार्यरत शिक्षण कर्मचारियों के लिए वेटेज का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव स्टाफ नर्सों की भर्ती के लिए पहले अपनाए गए उसी मॉडल पर आधारित है,

जिसमें सरकारी अस्पतालों में कार्यरत उम्मीदवारों को 30 प्रतिशत सेवा-आधारित वेटेज दिया जाता था। विभाग द्वारा राज्य सरकार को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार, पात्र शिक्षकों की सेवा अवधि और स्थानीयता के आधार पर 10 अंक प्रस्तावित किए गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति वर्ष सेवा के लिए 1.5 अंक, शहरी क्षेत्रों में प्रति वर्ष सेवा के लिए 1.3 अंक और जीएचएमसी क्षेत्रों में प्रति वर्ष सेवा के लिए 1 अंक प्रस्तावित किया गया है। इस प्रस्ताव के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 6.5 वर्ष सेवा देने वाले शिक्षक को पूरे अंक मिलेंगे, जबकि शहरी क्षेत्रों के उम्मीदवारों को पूरा वेटेज पाने के लिए आठ वर्ष सेवा करनी होगी।

इसी प्रकार, जीएचएमसी क्षेत्र में 10 वर्ष सेवा के लिए 10 अंक आवश्यक हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'प्रस्तावित प्रणाली एचआरए पर आधारित है।' अगर इसे लागू किया जाता है, तो केजीबीवी और एसएसए योजना में कार्यरत लगभग 10,000 शिक्षण कर्मचारियों को लाभ होगा।

कोत्तागुडेम में कांग्रेस और सीपीआई के बीच दरार बढ़ी

कोत्तागुडेम, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और कांग्रेस के बीच बना गठबंधन अब कमजोर पड़ता दिख रहा है। टिकट आवंटन प्रक्रिया के दौरान पहली बार दरार तब पड़ी जब कोठागुडेम की कांग्रेस इकाई ने सीपीआई को सीट आवंटित करने के फैसले का विरोध किया।

तब से, दोनों दलों के बीच तनातनी जारी है, और कांग्रेस कार्यकर्ता इस बात पर असंतोष व्यक्त कर रहे हैं कि

मौजूदा विधायक और उनके समर्थक उनके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भाकपा के राज्य सचिव और कोठागुडेम विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने उन्हें दरकिनार कर दिया है, जिससे उनकी पार्टी सत्ता में होने के बावजूद वे खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। उनका दावा है कि स्थानीय सरकारी कार्यक्रमों में उन्हें उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है।

तनाव को और बढ़ाते हुए, विधायक का आंध्र प्रदेश की बनकाचेरला परियोजना के खिलाफ रुख और उनकी हालिया टिप्पणी जिसमें उन्होंने सुझाव दिया था कि सीपीआई आगामी स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ सकती है, ने पार्टी को अपने गठबंधन सहयोगी से और दूर कर दिया है। स्थानीय स्तर पर, कांग्रेस सदस्यों का कहना है कि विधानसभा चुनावों में उनके योगदान, जिसने संबाशिव राव की जीत सुनिश्चित की, को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। एक घटना में, कोठागुडेम में राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम के दौरान पूर्व कांग्रेस पार्षदों को विधायक द्वारा कथित तौर पर अपमानित किया गया। जब वे मंच पर चढ़े, तो विधायक ने कथित तौर पर हस्तक्षेप किया और कहा कि यह एक आधिकारिक कार्यक्रम है, और उन्हें वहाँ से चले जाने को कहा।

तनाव तब और बढ़ गया जब पूर्व पार्षद वाई श्रीनिवास रेड्डी ने कल्याणकारी योजनाओं के बारे में मीडिया से बात की। कथित तौर पर, भाकपा नेताओं ने उन्हें बीच में ही टोक दिया और तर्क दिया कि इसकी कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि विधायक पहले ही मीडिया को संबोधित कर चुके हैं।

नए सरेखण के साथ फिर से शुरू होगा एसएलबीसी सुरंग का काम

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक महत्वपूर्ण सिंचाई पहल, श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना, जुलाई के अंत तक भी रुकी हुई है, जबकि काम फिर से शुरू करने की समय सीमा जुलाई के अंत तक है। 22 फ़रवरी को छत गिरने की दुखद घटना के बाद, जिसमें दो लोगों की जान चली गई और छह मज़दूर लापता हो गए, परियोजना के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल छा गए। चेनेज 13.88 और 13.9 किलोमीटर के बीच एक फॉल्ट ज़ोन में हुई इस घटना ने परियोजना के कार्यान्वयन में बड़े बदलाव को मजबूर कर दिया है। प्राधिकारियों ने संवेदनशील भ्रंश क्षेत्र को स्थायी रूप से छोड़ने का निर्णय लिया है, जहां तीन मीटर ऊंची छत के धंसने से कमजोर चट्टान की अखंडता उजागर हुई थी, जिसे पहले भूकंपीय तरंग रिपोर्ट में चिह्नित किया गया था। दुर्घटनास्थल से 100 मीटर आगे काम फिर से शुरू होगा। अस्थिर भूविज्ञान से बचने के लिए, सिंचाई विभाग ने छत ढहने वाली जगह से 100 मीटर आगे सुरंग की खुदाई फिर से शुरू करने की योजना बनाई है।

क्या तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस नरम रुख अपनाएगी ?

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ कांग्रेस आगामी तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी में जुटी है, वहीं मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) संसाधनों की बर्बादी से बचने के लिए अपनी पूरी ताकत नहीं लगा रही है। बीआरएस नेताओं ने कहा कि पार्टी चुनाव लड़ने वाले किसी भी उम्मीदवार का समर्थन करेगी, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने की आशंका में वह अपनी पूरी ताकत नहीं लगाएगी।

गौरतलब है कि बीआरएस ने हाल ही में तेलंगाना में एमएलसी चुनावों में भी हिस्सा नहीं लिया था, जिससे मुकाबला कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हो गया, जिसने तीन में से दो सीटें (अपने समर्थित उम्मीदवारों के दम पर) जीत लीं। यह सत्तारूढ़ पार्टी के लिए शर्मिंदगी की बात थी, जो अब आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और जुबली हिल्स उपचुनाव के ज़रिए राज्य में अपनी स्थिति मज़बूत करने की कोशिश कर रही है।

हैदराबाद के एक बीआरएस पदाधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, हम निश्चित रूप से चुनाव लड़ेंगे और कड़ी टक्कर देंगे। हालाँकि, पार्टी हमेशा की तरह पैसा नहीं लगाएगी और इसके बजाय उन उम्मीदवारों का समर्थन करेगी जो चुनाव लड़ रहे हैं और अपने संसाधन खुद जुटा सकते हैं। चूँकि हम सत्ता में नहीं हैं, इसलिए कुछ लोग कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं, जो हमारे लिए अच्छा नहीं होगा।

हालाँकि, बीआरएस इस समय एक मज़बूत विपक्षी दल बनने की कोशिश में कई समस्याओं का सामना कर रही है। पार्टी प्रमुख केसीआर और पूर्व मंत्री हरीश राव और केटी रामाराव पर कथित घोटालों की जाँच चल रही है, जिससे पार्टी नेतृत्व थोड़ा असमंजस में है।

गौरतलब है कि 2014-23 के बीच जब बीआरएस सत्ता में थी, तब पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने दोनों बार दलबदल करवाया था। दरअसल, 2018 के तेलंगाना विधानसभा चुनावों में केसीआर ने 119 में से 88 सीटें जीती थीं, लेकिन विपक्षी कांग्रेस के 19 में से 12 विधायकों को बीआरएस में शामिल कराकर वह उसका सफाया करने में कामयाब रहे। 2019 के तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस समर्थित उम्मीदवारों ने भारी जीत हासिल की और कई उम्मीदवार सर्वसम्मति से चुने गए। इसी तरह, 2020 के शहरी नगर पालिका चुनावों में भी केसीआर जनवरी 2020 में हुए लगभग 140 नगर पालिकाओं और निगमों में से लगभग 100 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रहे। बीआरएस ने लगभग 60% वार्डों पर जीत हासिल की, जिससे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों ही काफी पीछे रह गए।

कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन स्थानीय निकाय चुनावों और आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए पार्टी के प्रचार अभियान के तहत छह विधानसभा क्षेत्रों में अपनी पदयात्रा शुरू करेंगी। एक कांग्रेस पदाधिकारी ने बताया कि इस बार भाजपा भी एक मजबूत दावेदार होगी क्योंकि राज्य के कुछ हिस्सों में भगवा पार्टी का प्रभाव बढ़ा है।

छात्र ने छात्रावास में कर ली आत्महत्या

आदिलाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस), आदिलाबाद के परिसर में स्थित अपने छात्रावास के कमरे में बुधवार को एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के एक 19 वर्षीय छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है। पुलिस ने मृतक की पहचान राजस्थान निवासी साहिल चौधरी के रूप में की है। उसने कथित तौर पर अपने छात्रावास के कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि घटना के समय वह अकेला था और उसके इस कदम के पीछे का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। जब उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो उसके सहपाठियों ने दरवाज़ा तोड़ा और उसे फंदे से लटका देखकर चौंक गए।

वे उसे तुरंत रिम्स अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए संकाय सदस्यों की एक समिति गठित की गई है। यह घटना 2 अगस्त को एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की कक्षाएं शुरू होने से कुछ दिन पहले हुई।

टीजीजेनको कर्मचारी ने की आत्महत्या

पेद्दापल्ली, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीजेनको के एक कर्मचारी राजू की बुधवार को पेद्दापल्ली मंडल के थुरकलमद्दीकुंटा में जेनको पावर स्टेशन में आत्महत्या से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसने पावर स्टेशन परिसर में छत से लटककर फांसी लगा ली। उसके इस कदम के पीछे का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और मामला दर्ज कर लिया। मामले की जाँच जारी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पेड्डापल्ली अस्पताल भेज दिया गया है।

अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हुआ एमओयू

सिद्दीपेट, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) ने सिद्दीपेट जिले के मुलुग मंडल के गौराराम स्थित कावेरी विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक और कावेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जीवी भास्कर राव ने एमओयू की प्रतियों का आदान-प्रदान किया। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग और छात्र आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

दोनों पक्ष अनुसंधान निष्कर्षों को साझा करने और अकादमिक संवाद को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए। कावेरी विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए, डॉ. पाठक ने उनसे उन्नत तकनीकों के विकास के माध्यम से भारत की प्रगति में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने और किसानों के लिए खेती को अधिक लाभदायक बनाने के लिए कृषि उत्पादकता में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

कॉलेज में गिरने से 17 वर्षीय छात्र की मौत

मंचेरियल, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक निजी जूनियर कॉलेज की इमारत से कथित तौर पर गिरने से घायल हुई 17 वर्षीय लड़की की कल रात करीमनगर के एक अस्पताल में ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, कॉलेज में इंटरमीडिएट बीआईपीसी द्वितीय वर्ष की छात्रा कोथापेल्ली शिरीषा, रात करीब 8 बजे सीढ़ियों से फिसलकर गिर गई, जिससे उसके पैरों और हाथों में चोटें आईं। उसे पहले मंचेरियल के एक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे करीमनगर रेफर कर दिया गया। रात करीब 10 बजे अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। शिरीषा लक्सेटीपेट कस्बे की रहने वाली थी और रमेश की सबसे बड़ी बेटी थी। उसके माता-पिता ने आरोप लगाया है कि कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही के कारण उसकी मौत हुई।

दोपहर को जब से उसे हॉस्टल में छोड़ा गया था, तब से वह उदास थी। उसने पिछले साल करीमनगर स्थित एक अन्य निजी कॉलेज द्वारा संचालित हॉस्टल खाली कर दिया था और हाल ही में इस संस्थान में आई थी। घटना मंचेरियल स्थित तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज (टीएसआरडीसी) फॉर गर्ल्स में दो अन्य छात्राओं की आत्महत्या की घटना के कुछ सप्ताह बाद हुई है। 24 जून की रात, डिग्री की छात्रा कुमारी स्वप्ना (19) अपने छात्रावास की इमारत से म कूदने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गई। 27 जून को हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इससे पहले, 24 अप्रैल को, टीएसआरडीसी की एक और द्वितीय वर्ष की छात्रा लक्ष्मी प्रसन्ना (19) की कथित तौर पर अपने छात्रावास की इमारत से कूदने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025

सुविचार

दुनिया में 90 प्रतिशत लोग ऐसे पिंजरे में कैद हैं, जिस पिंजरे पर लिखा है लोग क्या कहेंगे

तेलंगाना धर्मस्व विभाग ने ई-ऑफिस प्रणाली शुरू की

अब काम तेज और पारदर्शी होगा : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। धर्मस्व विभाग के कामकाज को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, तेलंगाना धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने गुरुवार को तेलंगाना सचिवालय में ई-ऑफिस प्रणाली का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य विभाग के आंतरिक कार्यों की गति, पारदर्शिता और दक्षता में सुधार लाना है।

ई-ऑफिस का उद्घाटन प्रमुख सचिव श्रीमती शैलजा रामअय्यर, धर्मस्व आयुक्त एस. वेंकट राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए, मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, इस प्रणाली से फाइलों को जल्दी और बिना किसी अनावश्यक देरी के संसाधित करना आसान हो जाएगा। चूंकि सब कुछ डिजिटल रूप से ट्रैक किया जाता है, इसलिए कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच कोई भ्रम या आरोप-प्रत्यारोप नहीं होगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अब फाइलें चोरी, नुकसान या आग जैसी घटनाओं में भी क्षतिग्रस्त होने से सुरक्षित रहेंगी। मंत्री ने आगे बताया कि यह डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म नोट फाइलों और वर्तमान फाइलों वाली मैनुअल फाइल सिस्टम की तरह ही काम करेगा, लेकिन कहीं अधिक सुविधाजनक होगा। उन्होंने कहा, अब फाइलों को किसी भी स्थान से, किसी भी समय, कार्यालय में उपस्थित हुए बिना ही साफ़ किया जा सकता है। अत्यावश्यक फाइलों को अलग से भी चिह्नित किया जा सकता है ताकि उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। जल्द ही हम यादगिरिगुट्टा और राज्य भर के 30 अन्य मंदिरों में भी यही सेवाएं शुरू करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि फाइलों के संचलन में पीए और सीसी जैसे बिचौलियों का प्रभाव काफी कम हो जाएगा। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने ई-ऑफिस एप्लिकेशन विकसित किया है। इस कार्यक्रम में एनआईसी के संयुक्त निदेशक राघवाचार्य और तकनीकी प्रबंधक श्रीमती कविता उपस्थित थीं। इस शुभारंभ के अवसर पर, मंत्री कोंडा सुरेखा ने ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से पहली आधिकारिक फ़ाइल (अनुकंपा नियुक्ति फ़ाइल) को मंजूरी दी। उन्होंने अनुकंपा भर्ती योजना के तहत नवीन कुमार के लिए सरकारी नौकरी स्वीकृत की। मंत्री ने इस पहल के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आयुक्त एस. वेंकट राव की भी सराहना की। उन्होंने कहा, पिछले 15 दिनों से, आयुक्त ने व्यक्तिगत रूप से सभी कम्प्यूटरीकरण कार्यों का पर्यवेक्षण किया और प्रत्येक कर्मचारी के लिए उचित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया। उनके प्रयासों ने इस परियोजना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा, यह धर्मस्व विभाग के लिए गर्व का क्षण है। ई-ऑफिस प्रणाली हमारे काम को तेज़, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाएगी। यह सुशासन की दिशा में एक मजबूत कदम है।

इंस्टाग्राम दोस्त ने महिला का किया यौन उत्पीड़न

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मणिकोंडा की एक 25 वर्षीय महिला का कथित तौर पर एक व्यक्ति ने यौन उत्पीड़न किया, जिससे उसकी दोस्ती लगभग एक महीने पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी। संदिग्ध की पहचान जे सिद्ध रेड्डी (24) के रूप में हुई है, जो बालानगर का निवासी है और नलगोंडा जिले का मूल निवासी है।

उन्होंने फोन नंबरों का आदान-प्रदान करने से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिला के साथ बातचीत की थी। पुलिस के अनुसार, बुधवार शाम रेड्डी ने कथित तौर पर महिला को जन्मदिन मनाने के बहाने बालानगर स्थित अपने घर बुलाया था। जब वह उसके घर गई, तो रेड्डी ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। महिला किसी तरह घर से भागने में कामयाब रही और मदद के लिए पुलिस के पास पहुंची। बालानगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला को बचाया और उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया। जांच चल रही है।

नई खेल नीति के साथ खेलों का एक नया युग : वाकिति श्रीहरि

मंत्री ने खेल सम्मेलन के पोस्टर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। खेल एवं युवा सेवा मंत्री, वाकिति श्रीहरि ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विजन के तहत, व्यापक तेलंगाना खेल नीति 2025 विकसित की गई है। खेल मंत्री ने वनपर्ती निर्वाचन क्षेत्र के आत्मकुर केंद्र में तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिव सेना रेड्डी के साथ खेल सम्मेलन के पोस्टर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि लंबे समय से उपेक्षित खेल क्षेत्र को अब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेजी से पुनर्जीवित किया जा रहा है और राज्य में खेलों के विकास के लिए ईमानदारी से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि खेल मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में खेल क्षेत्र को मंजूरी दे दी गई, जिससे एक खिलाड़ी के रूप में उन्हें बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि नई खेल नीति का उद्देश्य दीर्घकालिक खेल विकास है और इस खेल सम्मेलन का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है जिसमें देश भर के विभिन्न खेल विशेषज्ञों और विभिन्न खेल महासंघों के प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी ताकि नीति का प्रभावी और सुदृढ़ कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि खेल नीति 2025 तेलंगाना के खेलों के लिए एक नए युग की शुरूआत करेगी और एथलीटों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य प्रदान करेगी, जिससे राज्य का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कद बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यह नीति ग्रामीण प्रतिभाओं की पहचान और प्रोत्साहन, "मिट्टी में छिपे रत्नों" की खोज और उन्हें विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिव सेना रेड्डी ने कहा कि नई खेल नीति के तहत तेलंगाना खेल प्राधिकरण की ज़िम्मेदारियों काफ़ी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह नीति विभिन्न विभागों के साथ समन्वय के माध्यम से व्यापक खेल कार्यक्रमों को सुगम बनाने, एथलीटों को प्रोत्साहित करने और तेलंगाना खेल प्राधिकरण को खेल समुदाय को बहुआयामी समर्थन प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रयासों से तेलंगाना के खेल क्षेत्र की पूरी तस्वीर बदलने वाली है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले एक साल में तेलंगाना खेल प्राधिकरण ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए हैं और आने वाले दिनों में यह कार्य और भी उत्साह के साथ जारी रहेगा। आत्माकुर मार्केट कमेटी के अध्यक्ष रहमतुल्लाह सहित स्थानीय प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

केटीआर ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का किया स्वागत

राहुल गांधी को दलबदल पर अपनी बात पर अमल करने की दी चुनौती

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामराव ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए निर्देश का स्वागत किया, जिसमें कहा गया है कि वे 10 दलबदलू बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने के भीतर फैसला करें। उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश को यह सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया कि इस देश का लोकतांत्रिक ढांचा दुर्भावनापूर्ण तरीकों से नष्ट न हो।

रामाराव ने कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष किया और उन्हें अपने उपदेशों पर अडिग रहने की चुनौती दी। उन्होंने पंच न्याय योजना के तहत दलबदल विरोधी कानूनों को और सख्त करने और दलबदलुओं को स्वतः अयोग्य घोषित करने के राहुल गांधी के वादे का हवाला दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि न तो राहुल गांधी और न ही उनकी पार्टी अध्यक्ष के पद का इस्तेमाल संविधान का मज़ाक उड़ाने के लिए करेंगे। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने 10 विधायकों पर अवैध रूप से सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने और आधिकारिक कार्यक्रमों में खुलेआम भाग लेने का आरोप लगाया और इसे संवैधानिक मानदंडों का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने दलबदल पर सत्तारूढ़ पार्टी की चुप्पी की आलोचना करते हुए कहा, इसकी ज़्यादा जांच की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने बीआरएस की कानूनी टीम और पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की, जो पार्टी के साथ खड़े रहे और उम्मीद जताई कि अदालत का आदेश उपचुनावों की तैयारी के लिए एक स्पष्ट रास्ता है।

सिंचाई विभाग की भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक और आक्रामक कार्रवाई के निर्देश

> उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान जारी किए आदेश

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना राज्य भर में सिंचाई विभाग की भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक और आक्रामक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को अतिक्रमित सिंचाई संपत्तियों को पुनः प्राप्त करने और आगे अवैध कब्जे को रोकने के लिए उन पर बाड़ लगाने के लिए युद्धस्तर पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मंत्री ने ये निर्देश गुरुवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में आयोजित एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान जारी किए। बैठक में सिंचाई विभाग, हाइड्रा, राजस्व और पुनर्वास एवं पुनर्वास विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि सिंचाई भूमि पर अतिक्रमण को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, खासकर जब भूमि की कीमत करोड़ों रुपये हो। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इन संपत्तियों की बाड़ लगाने और बिना किसी देरी के उन्हें पुनः प्राप्त करने के लिए तत्काल उपाय किए जाने चाहिए। सरकारी ज़मीनों की सुरक्षा के प्रयासों के तहत, मंत्री ने अटॉर्नी जनरल से सिंचाई विभाग के लिए एक विशेष सामान्य निदेशक (जीपी) की नियुक्ति का अनुरोध किया ताकि भूमि संरक्षण की प्रक्रिया में उत्पन्न होने वाली किसी भी कानूनी जटिलता से निपटा जा सके। हैदराबाद के विशिष्ट मामलों का उल्लेख करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि गंडिपेट और राजेंद्रनगर के पास वालमतारी (जल एवं भूमि प्रबंधन प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान) और टीजीईआरएल (तेलंगाना भूजल एवं सिंचाई अनुसंधान प्रयोगशाला) के अंतर्गत आने वाली ज़मीन के एक बड़े हिस्से पर अतिक्रमण किया गया है। इन क्षेत्रों की 426.30 एकड़ ज़मीन में से 131.31 एकड़ ज़मीन अतिक्रमित के रूप में पहचानी गई है। इसमें से 81.26 एकड़ ज़मीन आईटीआईआर (सूचना प्रौद्योगिकी निवेश क्षेत्र) के अधिकार क्षेत्र में आती है और वर्तमान में अदालती मुकदमे के अधीन है, जबकि शेष 50.13 एकड़ ज़मीन पर सीधे अतिक्रमण किया गया है। मंत्री ने बताया कि इन अतिक्रमणों से संबंधित 20 मामले ज़िला अदालत में लंबित हैं और दो अन्य मामले उच्च न्यायालय में चल रहे हैं। उच्च मूल्य वाली भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए, मंत्री ने सिंचाई विभाग, हाइड्रा, राजस्व और पुनर्वास एवं पुनर्वास प्रभागों के अधिकारियों को निकट समन्वय में काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विभाग प्राथमिकता के आधार पर तेलंगाना भर में सिंचाई विभाग की सभी भूमि, भवनों और आवासों की एक पूरी सूची तैयार करे।

समीक्षा बैठक में सिंचाई विभाग के विशेष मुख्य सचिव प्रशांत जीवन पाटिल, हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ, पुनर्वास एवं पुनर्वास आयुक्त शिवकुमार नायुडू, ईएनसी अफजल हुसैन, ईएनसी प्रशासन रमेश बाबू, वालमतारी महानिदेशक अनीता और हाइड्रा एसपी अशोक उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने तय की तीन महीने की समय सीमा

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता का मामला

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वे बीआरएस के 10 विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने के भीतर फैसला करें, जो सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर यह आदेश पारित किया गया। न्यायालय ने तेलंगाना उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष को चार सप्ताह के भीतर सुनवाई का कार्यक्रम तय करने के एकल पीठ के निर्देश को रद्द कर दिया गया था।

कानूनी समाचार पोर्टल के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने तेलंगाना में बीआरएस विधायकों के सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल होने और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा परिणामी अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी से संबंधित तीन मामलों में फैसला सुनाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अध्यक्ष विधायकों को कार्यवाही में देरी करने की अनुमति नहीं देंगे और चेतावनी दी कि कार्यवाही को लंबा खींचने का कोई भी प्रयास केवल प्रतिकूल निष्कर्ष ही निकालेगा।

पीठ ने कहा कि वह अयोग्यता याचिकाओं को विधानसभा के कार्यकाल के दौरान लंबित रहने की अनुमति नहीं दे सकती, जिससे दलबदलुओं को देरी का लाभ मिल सके। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्देश अध्यक्ष से समयबद्ध निर्णय की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आया। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि अयोग्यता के मामलों को अध्यक्ष या सभापति को सौंपने का उद्देश्य अदालतों में होने वाली लंबी देरी से बचना है। न्यायालय ने यह भी कहा कि संसद ने शीघ्र निपटान के लिए अध्यक्ष को शक्तियां प्रदान करके एक त्वरित व्यवस्था की परिकल्पना की थी।

जीएचएमसी का मच्छर नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित

मच्छर उन्मूलन कार्यक्रमों की निगरानी कर रहे हैं आयुक्त

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन के निर्देशों के अनुसार, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शहर के लोगों को मच्छरों के काटने से बचाने के लिए लार्वा-रोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया है।

अकेले जुलाई महीने में, मच्छरों की रोकथाम के लिए 15,500 से अधिक कॉलोनियों में लार्वा-रोधी अभियान चलाए गए हैं। इसके अलावा, जीएचएमसी लोगों के बीच मच्छरों के काटने से बचने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है और घर-घर जाकर संबंधित पर्चे बांट रहा है। लार्वा-रोधी अभियानों में हज़ारों कर्मचारी भाग ले रहे हैं और अब तक 34 लाख 45 हज़ार 357 घरों का दो-तीन बार निरीक्षण किया जा चुका है, और यह पुष्टि हुई है कि 1.5 प्रतिशत घर लार्वा से प्रभावित हैं। साथ ही, 1 करोड़ 10 लाख 35 हजार कंटेनरों का निरीक्षण किया गया है और यह पुष्टि हुई है कि 0.5 प्रतिशत कंटेनर प्रभावित हैं। इस माह, 1700 से अधिक स्कूलों और 320 से अधिक कॉलेजों में बच्चों के लिए आईआरएस स्प्रे के बारे में जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए हैं। आयुक्त आर.वी. कर्णन एक सुनियोजित अग्रिम कार्ययोजना के साथ बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियों, विशेषकर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के प्रसार को रोकने के लिए प्रतिदिन की जा रही गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं। वे कमियों की समीक्षा कर रहे हैं और अधिकारियों को लार्वा-रोधी अभियानों को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए मार्गदर्शन दे रहे हैं। बलदिया द्वारा की जा रही नियमित कार्रवाइयों के क्षेत्र स्तर पर सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। कीट जनित रोगों के मामले पहले की तुलना में कम दर्ज किए गए हैं।

चैतन्यपुरी में मूसी नदी में देखा गया मगरमच्छ

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी में मुसी नदी के किनारे एक मगरमच्छ घूमते हुए पाया गया, जिससे स्थानीय लोगों में डर पैदा हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने कोत्तापेट के फणीगिरी कॉलोनी में शिव मंदिर के पास मगरमच्छ को देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुची और वन अधिकारियों को सूचना दी। वन अधिकारियों की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायज़ा लेने के बाद कहा कि जब तक मगरमच्छ पानी में है, वे उसे पकड़ने में ज़्यादा कुछ नहीं कर सकते। हालांकि, वन विभाग ने मूसी नदी के किनारे लोगों को चेतावनी देते हुए बैनर लगा दिए हैं। इस हफ़्ते की शुरूआत में, किशनबाग के असद बाबा नगर स्थित मूसी नदी में एक मगरमच्छ देखा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मगरमच्छ मूसी नदी में आने वाली बकरियों पर हमला कर रहा था।

40.2 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने शमशाबाद स्थित आरजीआई हवाई अड्डे पर एक महिला यात्री को पकड़ा और उसके पास से 14 करोड़ रुपये मूल्य का 40.2 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया। एनसीबी अधिकारियों ने बताया कि महिला बैंकॉक से गांजा खरीदकर दुबई गई और वहां से भारत के लिए उड़ान भरी। आरजीआई हवाई अड्डे पर जांच के दौरान उसे एनसीबी अधिकारियों ने पकड़ा, जो एक गुप्त सूचना के आधार पर उसका इंतज़ार कर रहे थे। एनसीबी के एक अधिकारी ने बताया, महिला बैंकॉक से दुबई होते हुए भारत आना पसंद करती थी, क्योंकि पहले भी बैंकॉक से सीधे गांजा लेकर आते कुछ लोग पकड़े गए थे। वह अधिकारियों को ठगना चाहती थी। अधिकारी पूरे सिंडिकेट को निष्क्रिय करने के लिए थाईलैंड में पिछड़े लिंकेज और भारत में अग्रवर्ती लिंकेज की पहचान करने के लिए जांच कर रहे हैं।

साइबराबाद पुलिस ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को दी भावभीनी विदाई

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय ने गुरुवार को आयुक्त कार्यालय के सभागार में तीन (3) सेवानिवृत्त अधिकारियों के सम्मान में एक गरिमापूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डॉ. गजराव भूपाल, आईपीएस के साथ की, जिन्होंने विभाग के प्रति अधिकारियों की उल्लेखनीय सेवा और योगदान की सराहना की। समारोह के दौरान, आयुक्त ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को उनके पेंशन दस्तावेज़ प्रदान किए और उनके पूरे कार्यकाल में उनके अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और विभाग के विकास एवं दक्षता में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद एक संतुष्ट जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने उन्हें अपने परिवार पर ध्यान केंद्रित करने, अपने शौक पूरे करने और सामुदायिक सेवा में संलग्न होने की सलाह दी, ताकि समाज में योगदान जारी रखने के लिए उनके अनुभव का उपयोग किया जा सके।

विदाई समारोह को यादगार बना दिया गया क्योंकि सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ उनके परिवार के सदस्य और सहकर्मी भी शामिल हुए, जिससे एक गर्मजोशी भरा और भावनात्मक माहौल बना। पश्चिम एवं मध्य क्षेत्र की पुलिस उपायुक्त सृजन कर्णम, मध्य क्षेत्र पुलिस मुख्यालय के पुलिस उपायुक्त संजीव, प्रशासन के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रविचंदन रेड्डी, माधापुर एसबी के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रविकुमार, कार मुख्यालय के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शमीर, अपराध-1 के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राम कुमार, बालानगर के सहायक पुलिस आयुक्त सत्यनारायण, राजेंद्र नगर के सहायक पुलिस आयुक्त श्रीनिवासराव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी वेंकट रेड्डी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गीता और एएसआई सहकारी समिति प्रभारी जी. मल्लेशम सहित वरिष्ठ अधिकारी सेवानिवृत्त अधिकारियों को अपनी प्रशंसा और शुभकामनाएं देने के लिए उपस्थित थे। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों में पी. श्रीनिवास रेड्डी एडीसीपी एसओटी माधापुर, एम. चंद्र शेखर रेड्डी एचसी सीटीसी कार मुख्यालय, वी. कोंडाला राव एचसी एमटीओ कार मुख्यालय शामिल है।

रंगारेड्डी में अवैध विवाह के बाद नाबालिग लड़की को बचाया गया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के नंदीगामा मंडल में 13 साल की एक नाबालिग लड़की की शादी 40 वर्षीय व्यक्ति से कर दी गई। स्थानीय जिला परिषद हाईस्कूल में कक्षा 8 की छात्रा, लड़की की शादी उसकी मां श्रावंती ने 5 जुलाई को लड़की की इच्छा के विरूद्ध चेवेल्ला मंडल के श्रीनिवास गौड़ से कर दी थी। स्कूल के प्रिंसिपल को जब इस घटना की भनक लगी तो उन्होंने स्थानीय पुलिस और राजस्व अधिकारियों को इसकी सूचना दी। लड़की को बचा लिया गया। श्रावंथी, विवाह संपन्न कराने वाले पुजारी श्रीनिवास गौड़ और विवाह तय कराने में मदद करने वाले एक जोड़े के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है।

PUBLIC NOTICE

The General Public and all concerned are hereby informed that my client Sri. KESHAV DAGA, S/o Sri Shyam Sunder Daga, aged about 34 years, R/o 1-11-252/19/A, Flat No.306, Legend Apartments, Begumpet, Hyderabad has agreed to purchase the property i.e. all that premises bearing municipal no.6-6-518 on Plot No.9, Megacity No.397, admeasuring 220 sq. yards or 183.92 sq. meters, and also the portion of premises bearing municipal no.6-6-500 on Plot No.32, admeasuring 110 sq. yards or 91.96 sq. meters in all admeasuring 330 sq. yards or 275.88 sq. meters, consisting of Cellar, Ground Floor, First Floor with a total plinth area of 7599 sq. feet, i.e. 2533 sq. feet each floor situated at Gandhi Nagar, Bholakpet, Secunderabad from its owner M/s. BHAGWATI MACHINERY CORPORATION a partnership firm rep by its Agreement of Sale cum General Power of Attorney holder Sri PANKUL AGGARWAL, S/o Late Sri Parbodh Aggarwal.

Any Person or Persons or Institutions or Banks having any right, title, interest, lien or claim over the aforesaid Property may contact the undersigned with relevant documents of title in support of their claim within (7) days from the date of this Publication and thereafter my client will proceed further to complete the sale transaction and the objections, if any, raised thereafter shall not be valid and deemed to have been waived.

Sd/-
K. NITESH
Advocate
#41, Ishaq Colony, AOC Centre,
Secunderabad. Con No.9885382222

साइबर फ्रॉड में 15 से 20 मिनट का होता है गोल्डन टाइम

1930 पर कॉल करें, तत्काल फ्रीज किए जाएंगे खाते

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि किसी के साथ भी साइबर फ्रॉड होने पर पीड़ित को गोल्डन टाइम यानी 15 से 20 मिनट के अंदर 1930 पर कॉल करनी चाहिए। इस दौरान जालसाजों के खाते तत्काल फ्रीज कर दिए जाएंगे। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण और लोगों को त्वरित मदद पहुंचाने के लिए लखनऊ के कल्ली स्थित डीसीपी साउथ के कार्यालय में कॉल सेंटर खोला गया है। डीजीपी ने इसका शुभारंभ किया। पहले ही दिन कॉल सेंटर पर छह हजार से ज्यादा शिकायतें आईं। हेल्पलाइन नंबर 1930 पर प्रदेशभर से लोग फोन कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

डीजीपी ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 1930 प्रभावी ढंग से कार्य करे, इसके लिए 30 सीट का एक्सटेंशन सेंटर खोला गया है। डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए 15 पुलिस अधिकारियों को साइबर कमांडो की ट्रेनिंग दी गई है। प्रयास है कि उपनिरीक्षक भी साइबर मामलों की छानबीन कर सकें।

हाईवे पर लूटपाट महिला की हत्या की

पति को गन पॉइंट पर लेकर पत्नी के गहने लूटे

बरेली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बरेली में पति को गन पॉइंट पर लेकर बदमाशों ने पत्नी की हत्या कर दी और गहने लूट लिए। पति-पत्नी पूर्णागिरी से लौट रहे थे। बरेली-वजीरगंज हाईवे पर रात 12 बजे 5-6 बदमाशों ने उनकी बाइक रुकवाई। तमंचा सटाकर पति-पत्नी को बाइक से उतारा। महिला से जेवर मांगे, लेकिन उसने देने से मना कर दिया। इससे गुस्साए बदमाशों ने धारदार हथियार से महिला के सिर और चेहरे पर वार किए। महिला खून से लथपथ होकर गिर गई।

इसके बाद बदमाशों ने महिला के जेवर निकाल लिए। पति ने विरोध किया तो उसे भी पीटा गया। गन पॉइंट लेकर धमकाया। कहा- अगर शोर मचाया तो गोली मार देंगे। बदमाशों के भागने के बाद पति ने अपने साले, दोस्त और डायल 112 पर फोन कर सूचना दी। इसके बाद महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी अनुराग आर्य और एसपी साउथ अंशिका वर्मा भी मौके पर पहुंचीं। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए 3 टीमों का गठन किया गया।

नोएडा में दोस्ती को किया शर्मसार, दोस्त ने दोस्त को ही मार दी गोली

नोएडा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के ग्रेटर नोएडा,दादरी कोतवाली क्षेत्र के भोगपुर गांव में दोस्त ने ही कि दोस्त की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे पूरे गांव में तनाव फैल गया। मृतक की पहचान बब्बल के रूप में हुई है, जो अपने पड़ोसी और पारिवारिक भाई विवेक के साथ अक्सर उठता-बैठता था। दोनों की अच्छी दोस्ती भी थी। इस हत्या के पीछे पारिवारिक रंजिश और आपसी कहासुनी को संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस अभी जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार भोगपुर निवासी बब्बल को उसका पड़ोसी विवेक घर से बुलाकर पास ही कहीं ले गया था। दोनों के बीच शराब के नशे में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो इतनी बढ़ गई कि विवेक ने गुस्से में आकर बब्बल को गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। दोनों एक ही परिवार से संबंधित बताए जा रहे हैं और पुराने मित्र भी थे, जिससे गांव के लोगों को इस तरह की घटना की आशंका नहीं थी।

सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव में हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मालेगांव फैसले पर प्रतिक्रियाएं

अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया, कर दिया बड़ा दावा

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मालेगांव ब्लास्ट मामले में अदालत ने 31 जुलाई, गुरुवार को फैसला सुनाया। अब इस पर सियासी प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। सपा चीफ अखिलेश यादव ने इस फैसले पर पहली प्रतिक्रिया दी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मालेगांव ब्लास्ट केस में आए फैसले पर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मालेगांव ब्लास्ट केस में आए फैसले को लेकर बड़ा दावा भी किया है। संसद के मानसून सत्र के दौरान परिसर में 31 जुलाई, गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि दोषियों को सजा होनी चाहिए देश की आम जनभावना यही है। लेकिन सबसे बड़ा मुद्दा है टैरिफ का तो कहीं ऐसा तो नहीं एक खबर दबाने के लिए दूसरी खबर ले आए।

कन्नौज सांसद ने दावा किया कि ऐसा तो नहीं एक न्यूज को दबाने के लिए दूसरी न्यूज ले आई गई। क्या बोले इमरान प्रतापगढ़ी और बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा?

उधर, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि ये न्याय नहीं फैसला है। बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा की हिंदुओं को बादनाम करने के लिए तटकालीन उपा सरकर ने एक नेगेटिव चलाया था जिसको आज कोर्ट ने अपने फैसले से गलत साबित कर दिया। वाराणसी में अखिल भारतीय संघ समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने मालेगाँव ब्लास्ट मामले में कोर्ट की तरफ से आए फैसले पर सन्त समिति अखिल भारतीय संघ समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने न्यायिक प्रक्रिया का धन्यवाद और आभार प्रकट किया। भाजपा सांसद रवि किशन ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि मैं खुशी मनाऊं या दुख। उनके जीवन के 17 साल कौन लौटाएगा? कांग्रेस के जिन आलाकमान नेताओं ने भगवा आतंकी शब्द दिया था, उन्हें जवाब देना चाहिए। उन्हें 100 करोड़ हिंदुओं को जवाब देना चाहिए कि किस आधार पर आपने भगवा आतंकवाद शब्द कहना शुरू कर दिया था।' बता दें मालेगांव ब्लास्ट मामले में कोर्ट ने सबूतों के अभाव में सभी आरोपियों को बरी कर दिया है।

'कांग्रेस की भगवा आतंकवाद गढ़ने की कोशिश ध्वस्त'

मालेगांव ब्लास्ट पर केशव प्रसाद मौर्य का बड़ा हमला

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए बम धमाके पर एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने सभी सात लोगों को बरी कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले पर यूपी की डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस की भगवा आतंकवाद गढ़ने की कोशिश ध्वस्त हो गई है। डिप्टी सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मालेगांव ब्लास्ट पर कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने लिखा- 'मालेगांव ब्लास्ट केस में अदालत का फ़ैसला अभिनंदनीय है। इसके साथ ही कांग्रेस की भगवा आतंकवाद गढ़ने की नापाक कोशिश ध्वस्त हो गई है। मौर्य ने कहा- तबक़ी केंद्र में यूपीए सरकार और महाराष्ट्र में कांग्रेस-एनसीपी सरकार ने धतकर्म करते हुए इस ब्लास्ट के ज़रिए भगवा आतंकवाद की थ्योरी गढ़ते हुए मुख्य गुनाहगारों को पकड़ने के बजाय हिंदुओं को गिरफ़्तार कर उन पर जबरन गुनाह स्वीकर करने का दबाव डाला था। अपनी स्थापना से ही कांग्रेस और गांधी परिवार लगातार हिंदुओं का दुश्मन रहा है।

सपा सांसद इकरा हसन को शादी का प्रस्ताव देने वाले योगेंद्र राणा पर दूसरा मुकदमा दर्ज,

मुरादाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन पर अमर्यादित टिप्पणी कर विवादों में आए करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा एक बार फिर कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने राणा पर प्रॉपर्टी के नाम पर 9 लाख रुपये हड़पने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। यह बीते एक हफ्ते में उनके खिलाफ दर्ज हुआ दूसरा मुकदमा है।

पीड़ित सुमित कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वर्ष 2014 में योगेंद्र राणा ने उसे प्रॉपर्टी कारोबार में पार्टनर बनाने का झांसा देकर 9 लाख रुपये लिए थे। कुछ समय बाद केवल 2 लाख रुपये लौटाए गए, जबकि बाकी 7 लाख अब तक नहीं दिए। बार-बार पैसे मांगने पर राणा न सिर्फ टालते रहे बल्कि आक्रामक भी हो गए। सुमित का आरोप है कि 1 जून 2024 को भाजपा कार्यालय बुद्धि विहार के बाहर जब उसने एक बार फिर अपनी रकम मांगी तो योगेंद्र राणा ने उसे गालियां दीं और लाइसेंसी रिवॉल्वर दिखाकर गोली मारने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक, राणा राजनीतिक रसूख और दबंगई के दम पर आम लोगों को धमकाने का काम करते हैं। कटघर थाने के प्रभारी संजय कुमार सिंह ने पुष्टि की कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर योगेंद्र राणा के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी और अमर्यादित व्यवहार का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सावन में गलती से मर गया था सांप, नाग पंचमी पर रात को अचानक निकली नागिन

एटा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। आपने कई ऐसी फिल्में देखी होंगी जिसमें नागिन अपने नाग की मौत का बदला लेने आती है। उत्तर प्रदेश के एटा में तो सच में ही ऐसा देखने को मिला। यहां सावन के महीने में एक परिवार के कुछ सदस्यों की गलती से नाग की मौत हो गई। उन्होंने जानबूझकर नाग को नहीं मारा था। मगर नाग पंचमी के दिन उन्हीं के घर पर नागिन निकल आई। यह देख पूरे परिवार के होश फाख्ता हो गए। देखते ही देखते बात पूरे गांवभर में फैल गई। लोग दहशत में आ गए। डर के मारे वन विभाग को सूचना गई।

बाद में कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने नागिन को पकड़ ही लिया। तब जाकर लोगों की जान में जान आई। मामला अलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सरौतिया गांव का है। बताया जा रहा है कि नाग पंचमी के दिन नागिन निकल आने से ग्रामीणों ने पूरी रात दहशत में काटी।

'कहीं छोटा समोसा तो कहीं बड़ा'

रवि किशन ने लोकसभा में उठाया मुद्दा, सरकार से की ये मांग

गोरखपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से बीजेपी सांसद रविकिशन ने गुरुवार को शून्य काल के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, मात्रा और मूल्य का मुद्दा उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से इस पर कानून बनाने की मांग की। उन्होंने समोसे का उदाहरण देते हुए कहा कि कहीं समोसा छोटा मिलता है तो कहीं बड़ा। कहीं वो सस्ता होता हो तो कहीं महंगा होता है। रवि किशन ने इसे जनहित से जुड़ा अहम मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में लाखों की संख्या में होटल और ढाबे हैं, जहां हर दिन करोड़ों लोग भोजन करते हैं लेकिन इन जगहों पर खाने-पीने के सामना की गुणवत्ता, मात्रा और कीमतों का कोई मानकीकरण नहीं किया गया है।

रवि किशन ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

बीजेपी सांसद ने कहा- कहीं समोसा चांदनी चौक में सस्ता मिलता है तो कहीं गोरखपुर में अलग रेट पर मिलता है।।हर जगह अलग रेट का होता है। फ़ाइव स्टार में इसका रेट ज्यादा हो जाता है। किसी भी ढाबे या होटल में किस वस्तु की मात्रा क्या होगी इसका मानकीकरण नहीं किया गया है। कहीं कटोरी भर दे देते हैं कहीं बड़ा समोसा मिलता है। कही छोटा मिलता है। ये आजतक हमें समझ नहीं आया, इतना बड़ा बाजार जहां करोडों.की संख्या में ग्राहक हैं बिना किसी रुल्स और रेगुलेशन के ये सब चल रहा है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों पर कानून की मांग

उन्होंने आगे कहा- प्रधानमंत्री ने कई क्षेत्रों में युगांतकारी परिवर्तन किए हैं लेकिन अभी तक ये क्षेत्र अछूता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि छोटे ढाबे से लेकर सामान्य होटल व अच्छे रेस्टोरेंट।।फ़ाइव स्टार होटल आदि सभी स्थानों पर मिलने वाले खाद्य पदार्थों के मूल्य, गुणवत्ता और उसकी मात्रा को निर्धारित करने के लिए कानून बनाना चाहिए ताकि देशवासियों को उचित मूल्य पर सही मात्रा में गुणवत्ता पूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सके। किसी ढाबे में तड़का दाल सौ रुपये में मिलती है तो किसी ढाबे पर 120 रुपये में मिलती है। किसी ढाई सौ किसी में चार सौ उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार पारदर्शिता और उपभोक्ता के हित में स्पष्ट कानून बनाए।

अविश्वास प्रस्ताव के दिन कहां थीं

ईओयू के सवालों से घिरीं बीमा भारती बोलीं- मुझे फंसाया गया है

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में फरवरी 2024 में हुए विश्वास मत के दौरान विधायकों को प्रलोभन देने के आरोपों की जांच अब तेज हो गई है। इस सिलसिले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने पूर्व मंत्री और राजद नेता बीमा भारती से करीब चार घंटे तक गहन पूछताछ की। बीमा भारती ईओयू के कार्यालय में दूसरी बार पेश हुईं। पूछताछ के दौरान बीमा भारती से उनके मोबाइल लोकेशन, राजनीतिक गतिविधियों और संदिग्ध संपर्कों को लेकर कई तीखे सवाल पूछे गए। सूत्रों के मुताबिक, जब अधिकारियों ने उन्हें झारखंड में उनकी मौजूदगी से जुड़े तकनीकी साक्ष्य दिखाए, तो वे असहज हो गईं। हालांकि उन्होंने सफाई दी कि वे उस समय पश्चिम बंगाल में माता के दर्शन करने गई थीं। ईओयू के सामने पूछताछ के बाद बाहर निकलते हुए पत्रकारों से बातचीत में बीमा भारती ने कहा, "मैं निर्दोष हूं, मुझे साजिश के तहत फंसाया गया है। मैंने सरकार को अस्थिर करने की कोई कोशिश नहीं की। हर सवाल का जवाब दिया है।"धर, ईओयू ने जदयू के परबत्ता विधायक डॉ। संजीव को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है। उन्हें अगस्त के पहले सप्ताह में कार्यालय में हाजिर होने को कहा गया है।

इस दौरान अनुसंधान में सामने आए तथ्यों के आधार पर उनका बयान दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज से विधायक फजले हक अंसारी और मनेर के विधायक मोनू कुमार को भी पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया गया है। सभी को ईओयू कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने का निर्देश दिया गया है। यह मामला मूल रूप से हरलाखी के जदयू विधायक सुधांशु शेखर के बयान पर आधारित है, जिनके अनुसार फरवरी में नीतीश सरकार के विश्वास मत के दौरान कुछ विधायकों को पक्ष बदलने के लिए प्रलोभन दिए गए थे। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे पटना के कोतवाली थाने से स्थानांतरित कर आर्थिक अपराध इकाई को सौंपा गया था।

बीजेपी के पूर्व विधायक ने खुद को निर्दोष बताकर सीएम योगी से लगाई न्याय की गुहार

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के बस्ती में योगीराज के एक पूर्व विधायक न्याय की गुहार लगा रहे है। ताबड़तोड़ एफआईआर दर्ज होने बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उम्मीद जताई है कि वे निर्दोष है और उन्हें न्याय दिया जाए न कि उनके परिवार को फर्जी मुकदमों में फंसाया जाए। बता दें अब तक इन विधायक पर अलग अलग जनपदों में धोखाधड़ी के कुल 5 मुकदमे दर्ज हो चुके है। इनके ऊपर निवेशकों से पैसे दोगुने करने और प्लाट देने के नाम पर ठगी करने का आरोप है जब कि पूर्व विधायक ने खुद को बिना गलती के एफआईआर दर्ज किए जाने से निराश है और सीएम से खुद के और अपने निवेशकों के लिए न्याय मांगा है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक चन्द्र प्रकाश शुक्ल ने टाइम सिटी कम्पनी में धोखाधड़ी मामले में दर्ज मुकदमें के सम्बन्ध में आज अपनी सफाई देते हुए कहा कि वे और उनका परिवार पूरी तरह से निर्दोष है।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में फैसले पर बोले इमरान मसूद

अगर यह दोषी नहीं थे तो फिर दोषी कौन था

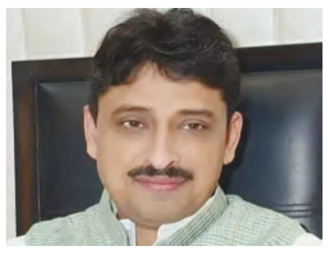

सहारनपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और उत्तर प्रदेश स्थित सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में आए फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। 31 जुलाई, गुरुवार को आए फैसले में अदालत ने साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित समेत सभी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले पर इमरान मसूद ने कहा कि अभी तो मैंने पूरा फैसला पढ़ा नहीं है। मैं कोर्ट के फैसले की समीक्षा नहीं कर सकता लेकिन यह सवाल जरूर है कि आखिर ब्लास्ट किसने किया? इमरान मसूद ने पूछा कि अगर यह दोषी नहीं थे तो फिर दोषी कौन था लोगों की हत्या किसने की, आतंकवाद का कोई रंग नहीं होता। कांग्रेस सांसद ने कहा कि देखिए कोर्ट ने फैसला दिया। कोर्ट के फैसले की समीक्षा मैं तो नहीं कर पाऊंगा। कोर्ट के इस फैसले पर ऊपरी अदालत का रुख करना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि ब्लास्ट तो हुआ। अब क्या वजह रही। क्यों छोड़ा। मसूद ने कहा कि जांच में यह भी आना चाहिए था कि आखिर ब्लास्ट किसने किया? यह तो एक तरीके से हर चीज के ऊपर वाकओवर है। जो लोग मारे गए उनको तो न्याय नहीं मिला। भगवा और हिंदू आतंकवाद के शब्दों के इस्तेमाल पर इमरान ने कहा कि आतंकवाद, हिंदू या मुसलमान नहीं होता। इस फैसले पर सपा चीफ अखिलेश यादव ने भी प्रतिक्रिया दी। कन्नौज सांसद ने कहा कि जो बात आप समझ रहे हैं वही मैं समझ रहा हूं।

अगर तेजस्वी यादव महुआ से लड़े तो फिर क्या करेंगे तेज प्रताप? खुद दिया जवाब

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। आरजेडी से निकाले जाने के बाद लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव महुआ विधानसभा सीट से इस साल (2025) चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने इसका ऐलान किया है और जोरशोर से तैयारी में लग गए हैं। इस बीच में उन्होंने कई सवालों का जवाब दिया है। तेज प्रताप यादव ने कहा कि मैं महुआ सीट से चुनाव लड़ूंगा। वहां टूर्नामेंट होगा। मैंने वहां काम किया है। इस सवाल पर कि अगर तेजस्वी यादव महुआ से लड़े तो फिर क्या करेंगे तेज प्रताप? इसके जवाब में कहा, तेजस्वी अर्जुन हैं तो अर्जुन ही रहें। क्या खिलाफ होगा ये अभी नहीं हो सकता। बता दें कि तेज प्रताप यादव अभी हसनपुर से विधायक हैं। 2015 में उन्होंने महुआ से लड़ा था और जीते भी थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, तेजस्वी राघोपुर से लड़ें चाहे जहां से लड़ना हो लड़ें। मैंने महुआ में काम किया वहीं से चुनाव लड़ूंगा। दूसरी ओर तेज प्रताप यादव ने कहा, आरजेडी को भाई वीरेंद्र जैसे विधायकों पर कार्रवाई करनी चाहिए। उनको खुद जेल जाना चाहिए। मुझे निकाल दिया पर भाई वीरेंद्र जैसे और लोग हैं। सबको निकालें। सीएम बनने के सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि जनता बनाती है और जनता ही बिगाड़ती है। कुर्सी आती-जाती रहती है। एक दूसरे सवाल पर कहा, मां-पिता से बात नहीं होती है, तो मेरे लिए चुनाव-प्रचार में आएंगे ये पता नहीं है। मैं अब उस संगठन का हिस्सा नहीं हूं। इसके साथ ही बातचीत में बिहार चुनाव और भविष्य की राजनीति को लेकर उन्होंने कई और बातें कहीं।

पूर्व भाजपा विधायक के घर में की चोरी

एनकाउंटर के बाद दोनों बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नोएडा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। नोएडा की सेक्टर-49 पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक के घर में चोरी करने वाले दो बदमाशों को बुधवार रात को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी है। पुलिस उपायुक्त (प्रथम जोन) यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर-49 पुलिस सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के नीचे अवरोधक लगाकर वाहनों की तलाशी ले रही थी, तभी एक मोटरसाइकिल पर दो लोग आते हुए दिखाई दिए। संदिग्ध होने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन वह रुकने की बजाए वहां से तेजी से भागने लगे।

उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने संदिग्धों का पीछा किया तो उनकी मोटरसाइकिल सेक्टर-50 के पास फिसलकर गिर गई। जिस पर बदमाशों ने खुद को घिरता हुआ देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। प्रसाद ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा आत्म रक्षा में चलायी गयी गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान बुलंदशहर निवासी गौरव (26) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि उसके दूसरे साथी को तलाश अभियान के दौरान पुलिस ने पकड़ लिया है।

उसकी पहचान बुलंदशहर निवासी सौरव (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के पास से अवैध तमंचा, कारतूस, 6,500 रूपए नगद, सेक्टर- 51 में रहने वाले भाजपा के पूर्व विधायक के घर से चोरी की हुई पानी की टोटिया आदि बरामद की है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि इन बदमाशों ने 28 जुलाई की रात को भाजपा के कानपुर से पूर्व विधायक के घर से नगदी, पानी की टोटिया, मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान चोरी किया था।

रील बनाई और शर्तों को तोड़ा, दारुल उलूम देवबंद में एक बार फिर महिलाओं के एंट्री पर बैन, लगा नोटिस

सहारनपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित दारुल उलूम देवबंद कैंपस में एक बार फिर से महिलाओं की एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। महिलाओं की एंट्री पर गाइडलाइन को तोड़ने का हवाला देते हुए प्रतिबंध लगाया गया है। कैंपस मैनेजमेंट की ओर से बुधवार को ये जानकारी दी गई। नवंबर 2024 में ही महिलाओं की एंट्री पर पहले से लगे प्रतिबंध को कुछ शर्तों के साथ हटा लिया गया था।

नवंबर में महिलाओं को कैंपस में आने की इजाजत दे दी गई थी, लेकिन अब एक बार फिर से ये प्रतिबंध लगा दिया गया है। कैंपस के मेन गेट पर बैरिकेड पर महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का नोटिस लगाया। नोटिस में लिखा गया, "संस्था में महिलाओं का प्रवेश पूरी तरह वर्जित है" इसके साथ ही कैंपस में वीडियो बनाने और फोटो खींचने समेत कई और प्रतिबंध भी लगाए गए हैं।

कैंपस के मेन गेट पर लगाए गए नोटिस में फोटो खींचने, वीडियो बनाने के साथ कैंपस में मोबाइल ले जाने, गुटखा या तंबाकू खाकर थूकने, पौधों को छूने और फूल तोड़ने की बात भी लिखी गई है और सभी विजिटर्स को सूर्यास्त से पहले कैंपस से बाहर जाने के लिए कहा गया है। कहा गया कि महिलाओं को कुछ गाइडलाइन के तहत कैंपस में महिलाओं को कैंपस में आने की इजाजत दी गई थी, जिनका उल्लंघन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कई महिला विजिटर्स ने बिना बुर्के के मदरसे के अंदर वीडियो बनाए और सोशल मीडिया पोस्ट किए। वाइस चांसलर ऑफिस के इंचार्ज मौलाना मुफ़्ती रेहान कासमी ने कहा कि पिछले साल 17 मई को, परिसर में रील बनाने की शिकायतों के बाद कैंपस ने महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। नवंबर में, हमने कड़ी शर्तों के साथ प्रतिबंध हटा लिया था।

इंचार्ज मौलाना मुफ़्ती रेहान कासमी ने बताया कि प्रवेश के लिए शर्तों में महिलाओं को नकाब पहनना, एक अभिभावक के साथ आना, मोबाइल फ़ोन जमा करना था और दो घंटे का विजिटर पास लेना शामिल थीं था, लेकिन कई शर्तों का बार-बार उल्लंघन किया गया। ऐसे में एक बार फिर से बैन लगा दिया गया है।

करंट लगने से भाई-बहन की मौत, पिता गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के बेगमपुर इलाके में एक दर्दनाक हादसे में भाई-बहन की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि उनके बुजुर्ग पिता गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा उनके घर में खराब और खुली बिजली की तारों की वजह से हुआ। मृतकों की पहचान 26 साल के विवेक और 28 साल की उनकी बहन अंजू के रूप में हुई है। विवेक एक वेल्डिंग वर्कर थे, जबकि अंजू की शादी 3 महीने पहले ही हुई थी। दोनों के 65 वर्षीय पिता कालीचरण का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस को बुधवार रात 10:56 बजे बेगमपुर पुलिस स्टेशन में एक पीसीआर कॉल आई। कॉल करने वाले पड़ोसी अभिषेक ने कहा, 'यहां लाइट कटवा दो, 3 लोग करंट से चिपके हुए हैं।' पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां अभिषेक ने बताया कि स्थानीय लोगों ने तीनों घायलों को रोहिणी के अग्रसेन अस्पताल पहुंचा दिया है।

खराब लिखावट पर टीचर ने मासूम बच्चे का जलाया हाथ
आरोपी शिक्षिका पर मामला दर्ज

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के मलाड इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक ट्यूशन टीचर ने आठ साल के मासूम बच्चे को अमानवीय तरीके से सजा दी है। आरोप है कि ट्यूशन टीचर राजश्री राठौड़ ने बच्चे की खराब लिखावट से नाराज होकर उसके हाथ पर जलती हुई मोमबत्ती रख दी, जिससे बच्चे का हाथ बुरी तरह झुलस गया। इस मामले में बच्चे के पिता की शिकायत पर कुरार पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित बच्चा गोरेगांव की एक स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ता है और हर शाम मलाड की जेपी। डेक्स इमारत में रहने वाली राजश्री राठौड़ के घर ट्यूशन पढ़ने जाता था। घटना वाले दिन उसकी बहन उसे ट्यूशन छोड़ने गई थी। बाद में रात को टीचर ने फोन कर बच्ची को कहा कि वह अपने भाई को वापस ले जाए। जब बहन ट्यूशन लेने पहुंची तो देखा कि बच्चा रो रहा था और उसके दाहिने हाथ पर गंभीर रूप से जलने के निशान थे।

नांदेड़ में युवती के अपहरण की कोशिश
बाइक पर उठा ले जा रहे थे दो युवक, पुलिस को देख भागे

नांदेड़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां दो युवक दिनदहाड़े एक युवती को जबरन उठा ले गए। नांदेड़ के रेलवे स्टेशन इलाके में यह घटना हुई। दो युवक एक युवती को जबरन उठाकर ले जा रहे हैं। इस दौरान युवती ने विरोध भी किया। मामला सामने आने के बाद नांदेड़ पुलिस तुरंत हरकत में आई और संबंधित युवकों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। इस मामले में नांदेड़ पुलिस ने बताया कि लड़की को सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जहां ये घटना हुई थी, वहां पर पुलिस के अधिकारी मौजूद थे, यह घटना जैसे ही उनके नजर में आई, वैसे ही उन्होंने बदमाशों का पीछा करना शुरू कर दिया, जिसके बाद बदमाशों ने लड़की को बीच सड़क में फेक दिया और वे फरार हो गए। फिलहाल पुलिस उन दोनों बाइक सवार बदमाशों की तलाश कर रही है

10 साल में पहली बार साफ हुई दिल्ली की हवा

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय के बाद दिल्ली में जुलाई का महीना सबसे साफ रहा। यहां औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 79 रहा। जो 2015 के बाद से सबसे कम है। इन दिनों रुक-रुक हो रही बारिश के चलते दिल्ली की हवा साफ हो गई है। पूरे हफ्ते हुई बारिश के चलते दिल्ली के वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। एक्यूआई में इस सुधार में बारिश का महत्वपूर्ण योगदान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में दस सालों से भी ज्यादा समय के बाद जुलाई महीना सबसे ज्यादा साफ रहा। रुक-रुक होती रही बारिश के चलते हवा लगातार साफ रही है। नतीजन दिल्ली की हा ने बीते 10 सालों के रिकार्ड को तोड़ दिया। बीते सालों में जुलाई के दौरान दिल्ली की हवा... 2015 में 138.13, 2016 में 145.64, 2017 में 98.39, 2018 में 103.83, 2019 में 134, 2020 में 83.80, 2021 में 110.06, 2022 में 87.29, 2023 में 83.67, 2024 में 96 और 2025 में यह एक्यूआई 79 है, जो की बीते सालों की तुलना में सबसे कम है।

पीएम मोदी से मिले मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव

भोपाल, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने 18 महीने के कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और भविष्य के लिए प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन और सहयोग का अनुरोध किया। मोहन यादव गुरुवार को पार्लियामेंट हाउस पहुंचे थे। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार मध्य प्रदेश में सुशासन के 18 महीने पूरे कर चुकी है।

पीएम मोदी की विरासत से प्रदेश विकास की राह पर चल रहा है। मुख्यमंत्री यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को विरासत से विकास की राह और सुशासन के 18 महीने, मोदी जी का विजन और यादव जी का मिशन की पुस्तिका भेंट की। इस

पुस्तिका में पीएम मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के विकास के बारे में बताया गया है। पुस्तिका में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक विकास, गरीबी उन्मूलन, जनजाति कल्याण, नारी शक्ति स्वास्थ्य,शिक्षा, सुशासन , शहरी विकास, अधो संरचना विकास, पर्यटन एवं संस्कृति, को संरक्षण और पर्यावरण का लेखा-जोखा है।

दुबई और स्पेन यात्रा के बारे में पीएम को बताया

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी दुबई और स्पेन यात्रा के बारे में भी प्रधानमंत्री को विस्तार से बताया। सीएम मोहन यादव हाल ही में दोनों देशों की यात्रा पर गए थे। इस दौरान दोनों देशों के कई निवेशकों ने मध्य प्रदेश में निवेश करने की इच्छा जताई। मध्य प्रदेश में कुल 11 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

विकसित भारत में मध्य प्रदेश का योगदान

सीएम मोहन यादव ने आशा जताई कि भविष्य में भी उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहेगा। इसके जरिए वह प्रदेश के चहुमुखी विकास में योगदान देते रहेंगे। मुख्यमंत्री यादव ने आशा जताई कि प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से भारत 2047 का विजन जो प्रधानमंत्री ने देखा है, उसको पूरा करने में मध्यप्रदेश अपना पूरा योगदान देगा।

उम्रकैद के तीन दोषी बरी
हत्या मामले में निचली अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद की सजा

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाने वाले तीन दोषियों को बरी कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि मृतक का शव न बरामद होने और हत्या से जुड़े पुख्ता सबूतों के अभाव में दोष सिद्ध नहीं किया जा सका। जस्टिस मंजीरी नेहरू कौल और जसिटस एचएस ग्रेवाल की खंडपीठ ने कहा कि मृतक का शव न मिलना अभियोजन पक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी है। मामला एक अनुमान पर आधारित है, जिसमें हत्या की कोई प्रत्यक्ष पुष्टि नहीं है। फरीदाबाद निवासी अभियुक्त नियाज, इमरान और अन्य ने ड्राइवर ज्ञान चंद को पंजाब से उत्तराखंड ले जाने के लिए बुलाया था, जिसके बाद वह कार सहित लापता हो गया। बाद में वाहन बिहार से बरामद हुआ, लेकिन ड्राइवर का कोई सुराग नहीं मिला। जांच के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने ज्ञान चंद की हत्या कर उसका शव आगरा नहर में फेंक दिया, लेकिन शव कभी नहीं मिला।

कोर्ट ने कहा कि अभियोजन यह साबित करने में विफल रहा कि हत्या के पीछे कोई ठोस कारण या दुश्मनी थी। मृतक का पर्स और घड़ी महीनों बाद खुले स्थान से मिले, जिससे उनकी कानूनी वैधता पर सवाल खड़े हुए। कई गवाह ट्रायल के दौरान अपने पहले दिए गए बयानों से पलट गए। कोर्ट ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों वाले मामलों में मकसद की विशेष भूमिका होती है, जो इस केस में पूरी तरह नदारद है।

दिल्ली पुलिस को मिला नया कमिश्नर
एसबीके सिंह को सौंपी गई जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस को आज नया कमिश्नर मिल गया है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी एसबीके सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस नियुक्ति पर अपनी मुहर लगाई है। एसबीके सिंह पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा की जगह लेंगे जो आज गुरुवार (31 जुलाई) को रिटायर हो रहे हैं। एसबीके सिंह 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्हें 1 अगस्त से दिल्ली पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने से पहले सिंह दिल्ली में होमगाड्र्स के डायरेक्टर जनरल के पद पर कार्यरत थे। तमिलनाडु कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय अरोड़ा ने एक अगस्त, 2022 को राकेश अस्थाना की जगह दिल्ली पुलिस के कमिश्नर बने थे। दिल्ली पुलिस के निवर्तमान कमिश्नर संजय अरोड़ा के लिए आज गुरुवार सुबह नई पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह परेड निवर्तमान आयुक्तों को दी जाने वाली एक पारंपरिक विदाई है।

इसमें औपचारिक परेड के अलावा कमिश्नर का भाषण भी होता है, जिसके बाद प्रतीकात्मक रूप से कार्यभार सौंपा जाता है। तमिलनाडु कैडर के आईपीएस अधिकारी अरोड़ा ने दिल्ली पुलिस के कमिश्नर बनने से पहले तमिलनाडु, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कई अहम पदों पर कार्य काम किया।

जेएनयू में वेज-नॉन वेज खाने को लेकर फिर से घमासान
जेएनयूएसयू की जनरल सेक्रेटरी मुंतेहा फातिमा बोलीं- कैंपस का भगवाकरण करने की कोशिश

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की बहुचर्चित जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में एक बार फिर से विवाद खड़ा हो गया। अब की बार ये विवाद शाकाहारी और मांसाहारी भोजन को लेकर हुआ है। दरअसल, शाकाहारी छात्रों ने अपनी चिंता व्यक्त की कि उनके भोजन की पवित्रता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। क्योंकि नॉनवेज और वेज भोजन एक ही बर्तनों में तैयार किया जाता है। इस बात को लेकर जेएनयू छात्र संघ ने मोर्चा खोल दिया है। वहीं, जेएनयू के माही मांडवी हॉस्टल में वेज और नॉन वेज खाने के लिए अलग-अलग जगह तय करने का मामला बुधवार को मेस में चस्पा एक पोस्टर से सामने आया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने आरोप लगाया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से संबद्ध माही-मांडवी छात्रावास के अध्यक्ष ने छात्रावास के मेस में शाकाहारी और मांसाहारी छात्रों के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था शुरू की है।

सरिस्का टाइगर रिजर्व की सीमाएं बदलेगी सरकार
सुप्रीम कोर्ट की समिति ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व की सीमाओं में बदलाव की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) ने टाइगर रिजर्व की सीमाओं के पुनर्गठन को मंजूरी देने की सिफारिश की है। हालांकि पर्यावरणविद इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं, उनका कहना है कि इससे उन खनन गतिविधियों को फिर से कानूनी मंजूरी मिल सकती है, जिन्हें पहले सर्वोच्च अदालत ने रोक दिया था। कमेटी ने अपनी 22 जुलाई, 2025 को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया कि इस बदलाव का मकसद टाइगर ब्रीडिंग पैटर्न को ध्यान में रखते हुए संरक्षण को मजबूत करना है। नई योजना के तहत मुख्य टाइगर हैबिटेट को 881.11 वर्ग किलोमीटर से बढ़ाकर 924.49 वर्ग किलोमीटर किया गया है, जबकि बफर ज़ोन को घटाकर 203.20 वर्ग किलोमीटर कर दिया गया है। इससे रिजर्व का कुल क्षेत्रफल मामूली रूप से 1,127.68 वर्ग किलोमीटर हो जाएगा।

रिपोर्ट में पांडुपोल हनुमान मंदिर तक तीर्थयात्रियों की आवाजाही और खनन से जुड़ी समस्याओं पर भी ध्यान दिया गया है। मंदिर तक निजी वाहनों की आवाजाही रोकने और इलेक्ट्रिक या सीएनजी बसें चलाने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा मंदिर परिसर में लकड़ी जलाकर भोजन बनाने पर रोक लगाने और एलपीजी व सोलर एनर्जी के उपयोग की सलाह दी गई है।

कुछ पर्यावरणविदों, पूर्व वन अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि सीमाएं बदलने के पीछे का असली उद्देश्य मार्बल और डोलोमाइट खनन को दोबारा शुरू करना है। हालांकि कमेटी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी बदलाव से पहले वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, 1972 के प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी जरूरी होगी।

कमेटी का दावा है कि सीमाओं का पुनर्गठन वैज्ञानिक आंकड़ों जैसे कैमरा ट्रैप्स और टाइगर मूवमेंट पर आधारित है, जिससे जैविक संपर्क और संरक्षण मूल्य में वृद्धि होगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस बदलाव से कोई भी गांव विस्थापित नहीं होगा और यह सिर्फ पारिस्थितिक कारणों पर आधारित है। सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है कि वह इस सिफारिश को जल्द मंजूरी दे ताकि लंबित खनन मामलों पर उचित फैसला लिया जा सके।

हिमाचल प्रदेश के सेब कारोबार में 1,500 करोड़ की गिरावट, साल दर साल कम हो रहा उत्पादन

शिमला, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से उत्पादन प्रभावित होने के चलते हिमाचल में डेढ़ दशक में सेब कारोबार 1,500 करोड़ रुपये घट गया है। सेब उत्पादन साल-दर-साल कम हो रहा है। चार से छह हजार फीट ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रॉयल डिलीशियस समेत सेब की कई किस्में नहीं उग रही हैं। गुणवत्ता पर भी ग्लोबल वॉर्मिंग का असर पड़ रहा है। हिमाचल में परंपरागत के बजाय कई विदेशी किस्मों के सेब भी उगाए जा रहे हैं, लेकिन पैदावार पर इसका असर नहीं दिख रहा है।

लागत और बीमारियां भी बढ़ रही हैं। सेब का एक कार्टन उगाने और उसे बाजार तक पहुंचाने का खर्च 800 रुपये बैठ रहा है। इसके अनुपात में रेट नहीं बढ़े हैं। नतीजा, बागवानों की आय भी नहीं बढ़ रही है। प्रदेश में 2010 में

रिकॉर्ड 5.11 करोड़ पेटी सेब की पैदावार हुई थी। इस दौरान कारोबार 5,000 करोड़ के आसपास रहता था, लेकिन पिछले डेढ़ दशक में पैदावार घटी है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश में इस बार भी कारोबार 3,500 करोड़ तक ही सीमित रहेगा। इस सीजन में सर्वाधिक बगीचों वाले मध्य व ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में फसल बहुत कम है। बागवानी विभाग के मुताबिक, 25-26 फीसदी सेब उत्पादन वाले प्रदेश में फल उत्पादन के तहत कुल 2.38 लाख हेक्टेयर क्षेत्र आता है। इसमें 1.16 लाख हेक्टेयर में सेब उत्पादन होता है। प्रदेश में रेड डिलीशियस सेब का 70 फीसदी उत्पादन शिमला जिले में ही होता है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रौद्योगिकी केंद्र एवं नेटवर्क के सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ। सौम्य दत्ता का कहना है, ग्लोबल वॉर्मिंग का दक्षिण भारत से दोगुना असर हिमालयी क्षेत्र में हुआ है। स्नो लाइन ऊपर की ओर सरक रही है। इससे कई वनस्पतियां 2,000 फीट ऊपर तक चली गई हैं। सेब के साथ भी यही हुआ है।

शिमला के ठियोग के प्रगतिशील बागवान कुलदीप कांत शर्मा का कहना है, ग्लोबल वॉर्मिंग का असर सेब के स्वाद पर भी पड़ा है। निचले क्षेत्रों के लिए विदेश से हाई कलर रेड डिलीशियस किस्में मंगवानी पड़ रही हैं, पर उपज और स्वाद में ये रॉयल डिलीशियस सेब का मुकाबला नहीं कर पा रही हैं।

ससुर से मांगे 4 लाख, पत्नी के नाम पर ले लिया 10 लाख का लोन दामाद ने खेला फिर ऐसा खेल, माथा पीटते रह गए बाप-बेटी

हल्द्वानी, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में युवक ने अपने ही ससुर से पैसे ठगे और अपनी पत्नी के नाम पर लोन लेकर गायब हो गया। युवक की पत्नी ने अपने पति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला ने बताया कि उसके पति ने अपने ससुर यानी महिला के पिता से 4 लाख रुपये लिए। पति ने पिता से कहा कि उसे बिजनेस करना है पैसों की जरूरत है और 4 लाख रुपये ले लिए, लेकिन वह पैसे वापस नहीं लौटाए। दरअसल, ये मामला न्यू मंडी बरेली रोड से सामने आया है। यहां रहने वाली यशा की शादी दिल्ली के शाहदरा के रहने वाले संदीप गोयल के साथ हुई थी। दोनों की शादी को 11 साल हो गए हैं। यशा ने पुलिस में शिकायत करते हुए बताया कि संदीप ने यशा के पिता से कारोबार के नाम पर 4 लाख रुपये लिए थे, लेकिन न तो वह वापस लौटाए।

क्रिप्टोकरेंसी में चोरी का बड़ा मामला हैक कर 384 करोड़ रुपये उड़ाए

बेंगलुरु, 31 जुलाई (एजेंसियां)। देश की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज कंपनी कॉइनडीसीएक्स में बड़ी क्रिप्टोकरेंसी चोरी हुई है, जिसमें हैकर्स ने कथित तौर पर कंपनी के वॉलेट से लगभग 44 मिलियन डॉलर (लगभग 384 करोड़ रुपये) की हेराफेरी की है। यह चोरी 19 जुलाई को तब सामने आई जब कॉइनडीसीएक्स ने अपने सिस्टम में संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया। कॉइनडीसीएक्स में पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट अफेयर्स के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह ने 22 जुलाई को दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, हैकर्स ने सबसे पहले सुबह 2:37 बजे केवल 1 यूएसडीटी का एक छोटा सा टेस्ट ट्रांसफर किया और इसके कुछ घंटों बाद उन्होंने 44 मिलियन डॉलर ट्रांसफर कर लिए, चोरी की गई क्रिप्टोकरेंसी को कई वॉलेट्स में स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे उसका पता लगाना मुश्किल हो गया। जांच के दौरान पुलिस को अंदरूनी सूत्रों की संभावित संलिप्तता के सबूत मिले और उसने कॉइनडीसीएक्स के एक कर्मचारी राहुल अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने बताया कि अग्रवाल बिना अनुमति के कंपनी के लैपटॉप का इस्तेमाल करके फ्रीलांसिंग कर रहा था और पिछले एक साल में उसने कथित तौर पर लगभग 15 लाख रुपये कमाए थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि उसने इस चोरी को अंजाम देने के लिए बाहरी हैकर्स के साथ मिलकर काम किया होगा।

साइबर क्राइम टीमें अब मनी ट्रेल को ट्रैक करने और चोरी की गई क्रिप्टोकरेंसी को बरामद करने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ काम कर रही हैं। राहुल अग्रवाल ने इस चोरी में संलिप्तता की बात से इंकार किया है।

चौकीदार को थप्पड़ मारने पर जज ने एसएचओ को सुनाया, कहा- ये राज्य के खिलाफ अपराध है

मोहली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली की एक कोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को तत्कालीन एसएचओ इंस्पेक्टर जशनप्रीत सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश था। इंस्पेक्टर पर आरोप था कि उन्होंने एक हाई प्रोफाइल आरोपी की पेशी के दौरान एक कोर्ट चौकीदार पर कथित तौर पर हमला कर दिया। अदालत ने इसे राज्य के विरुद्ध अपराध बताते हुए कहा कि इंस्पेक्टर की हरकतें उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट संगम कौशल ने बुधवार को आदेश पारित करते हुए इंस्पेक्टर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया, जिसमें स्वेच्छा से चोट पहुंचाना, सरकारी कर्मचारी पर हमला करना, ड्यूटी में बाधा डालना और छीना झपटी करना शामिल हैं। चौकीदार बलजीत और इंस्पेक्टर जशनप्रीत के बीच झड़प 6 जुलाई को एसएएस नगर कोर्ट परिसर के मुख्य द्वार पर हुई। इंस्पेक्टर को अकाली दल नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की पेशी के लिए सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए तैनात किया गया था। गेट पर तैनात चौकीदार बलजीत सिंह ने कथित तौर पर बिना अनुमति के चाबियां देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद इंस्पेक्टर ने चौकीदार को थप्पड़ मार दिया। अदालत के आदेश के अनुसार इंस्पेक्टर ने चौकीदार से चाबियां छीन लीं और उसके चेहरे पर दो-तीन घूंसे मारे, इसके बाद गेट खोलने के लिए चाबियां अपने अधीनस्थ को सौंप दीं।

निठारी कांड से दहल उठा था देश, सीबीआई जांच में सुरेंद्र कोली के लिए कैसे हथियार बनी आरटीआई ? खुद लड़ा अपना केस

साहिबाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में हुए सिलसिलेवार ट्रेन धमाकों के सभी 12 आरोपितों को हाल ही में 19 साल बाद हाई कोर्ट ने बरी कर दिया था, इस मामले में आरटीआई ने अभियोजन पक्ष के मामले को ध्वस्त करने में अहम भूमिका निभाई। ठीक इसी तरह अब देश के चर्चित निठारी कांड में भी दोषी सुरेंद्र कोली के लिए आरटीआई बरी होने का आधार बन गई। सुरेंद्र कोली ने डासना जेल में रहते हुए केस से संबंध रखने वाले विभागों में एक हजार से अधिक आरटीआई लगाईं और विभिन्न बिंदुओं पर जवाब मांगे। इन जवाबों के माध्यम से ही कोली ने कोर्ट में अपना केस खुद

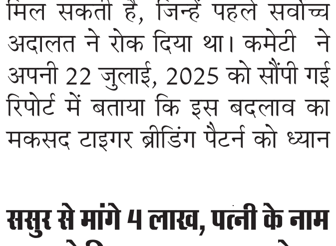

लड़ा। आरटीआई के जवाबों में विरोधाभास होने के कारण यह मामला भी पुलिस व सीबीआई पर भारी पड़ गया। इससे सुरेंद्र कोली को तो लाभ मिला ही साथ ही मोनिंदर सिंह पंधेर को भी राहत मिल गई। इसके बाद पहले हाइ कोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट से दोनों को बरी कर दिया गया।

वर्ष 2006 में हुए निठारी कांड में जब दोनों आरोपितों को डासना जेल लाया गया था तो मोनिंदर सिंह पंधेर के पास केस लड़ने वाले अधिवक्ताओं की फौज थी, लेकिन सुरेंद्र कोली के पास वकील नहीं था और वह अनपढ़ था। जेल में रहने के दौरान सुरेंद्र कोली ने पढ़ना लिखना सीखा और अपने केस का जिम्मा खुद संभाला। उसने साक्षर होने के साथ दिन-रात कानूनी किताबें पढ़ीं और अपने केस को समझना शुरू किया। उसने एक-एक कर कोर्ट से संबंधित दस्तावेज एकत्र किए। इसके बाद कोली ने फारेंसिक लैब, विकास प्राधिकरण, अस्पताल, पुलिस समेत विभिन्न विभागों में आरटीआई लगानी शुरू की। उसने करीब एक लाख से अधिक पेज की एक हजार से अधिक आरटीआई लगाई। इन आरटीआई के माध्यम से उसने अपने जवाब तैयार कर कोर्ट में पेश किए जिसका कोली व पंधेर को लाभ मिला। जेल के सूत्र बताते हैं कि यदि कोली 18 घंटे जागता था तो इसमें से 15 घंटे वह लिखता-पढ़ता रहता था। सुरेंद्र कोली ने पुलिस व सीबीआई की केस डायरी पढ़ने के बाद आरटीआई लगाने का सिलसिला शुरू किया। जांच रिपोर्ट के आधार पर उसने संबंधित विभागों में आरटीआई लगाकर जवाब मांगे। नोएडा प्राधिकरण में आरटीआई लगाकर उसने निठारी के उस नाले जिसमें बच्चों के अवशेष व कंकाल मिले थे कि सफाई के बारे में जानकारी मांगी।

महिला प्रोफेसर को पति की हत्या के आरोप में भुगतनी होगी उम्रकैद की सजा

छतरपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर कॉलेज की महिला प्रोफेसर ममता पाठक पिछले कुछ समय से खूब सुर्खियों में हैं। उन पर पति को नींद की गोलियां देने फिर इलेक्ट्रिक शॉक देकर हत्या का आरोप लगा है। ममता पाठक सुर्खियों में इसलिए आईं क्योंकि उन्होंने अपने बचाव में कोर्ट के सामने साइंटिफिक तथ्य रखे थे, ताकि उनकी सजा टल सके। मगर अब उनकी टेंशन और ज्यादा बढ़ गई है। दरअसल, जबलपुर में हाईकोर्ट ने ममता पाठक की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस देवनारायण मिश्रा की युगलपीठ ने कहा- घटना के दिन कोई अन्य व्यक्ति बाहर से नहीं आया। परिस्थितियों की पूरी कड़ी इस ओर इंगित करती है कि पत्नी ने ही पहले नशीली दवा देकर पति को बेहोश किया और बाद में करंट लगाकर मौत के घाट उतार दिया। हाईकोर्ट ने पूर्व में सजा पर अस्थायी निलंबन निरस्त करते हुए आरोपी ममता पाठक को शेष कारावास भुगतने के लिए तत्काल ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में हाईकोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 29 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। साल 2021 में सेवानिवृत्त डॉ। नीरज पाठक की रहस्यमय मौत हो गई थी। शुरुआत में पत्नी ममता ने बताया था कि वह बेटे के साथ झांसी गई थी और लौटने पर पति मृत मिले।

पुलिस जांच के अनुसार, आरोपी महिला ममता पाठक छतरपुर कॉलेज में केमिस्ट्री की प्रोफेसर हैं। ममता पाठक ने पति को पहले नींद की गोलियां दीं और फिर इलेक्ट्रिक शॉक देकर हत्या कर डाली। जांच में पता चला कि पति -पत्नी के बीच झगड़ा होता था। विवाद के चलते दोनों अलग-अलग रहते थे। घटना के 10 महीने पहले आरोपी महिला अपने पति के साथ रहने आई थी। घटना के दिन सुबह पति ने अपने एक रिश्तेदार को बताया था कि पत्नी खाना नहीं देती है और रुपये सहित सारे गहने अपने पास रख लिये हैं।

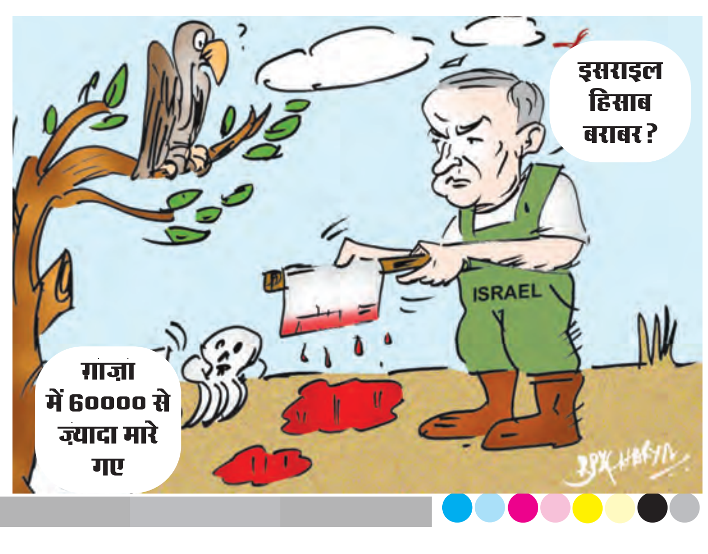

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार,1 अगस्त- 2025

भगवा हुआ निर्दोष, सनातन की जीत!

मालेगांव ब्लास्ट केस

मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए कोर्ट के बहुप्रतीक्षित फैसला आ गया, ब्लास्ट के सभी सात आरोपी बरी कर दिए गए। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल थे। पीड़ितों के वकील शाहिद नदीम अंसारी ने कहा- एनआईए कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। इस मामले में जांच एजेंसियां और सरकार फेल हुई है। बता दें कि नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को धमाका हुआ था। इसमें 6 लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे। करीब 17 साल बाद आए फैसले में जज एके लाहोटी ने कहा कि जांच एजेंसी आरोप साबित नहीं कर पाई है, ऐसे में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। जज लाहोटी ने कहा कि धमाका हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं हुआ कि बम मोटरसाइकिल में रखा था। यह भी साबित नहीं हुआ कि मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा के नाम थी। यह भी साबित नहीं हो सका कि कर्नल प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया। इस केस का फैसला 8 मई 2025 को वाला था, लेकिन फिर कोर्ट ने इसे 31 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि मालेगांव ब्लास्ट केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। 2011 में केस एनआईए को सौंप दिया गया था। जिसने 2016 में चार्जशीट दाखिल की थी। केस में 3 जांच एजेंसियां और 4 जज बदल चुके हैं। उस समय इस ब्लास्ट को लेकर खूब विवाद गहराया था। राजनीतिक दलों में भी परस्पर विरोधी बयानबाजी होती रही थी। तब के केंद्रीय गृह सचिव रहे आरके सिंह ने इसे भगवा आतंकवाद कहा था। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि न्याय में देरी हुई, लेकिन यह साबित हो गया है कि सत्य कभी पराजित नहीं होता। झूठे आरोपों में जेल में बंद देशभक्तों को शिवसेना ने शुरू से ही अटूट समर्थन दिया था, क्योंकि शिवसेना को कभी संदेह नहीं हुआ कि उसका पक्ष न्याय के पक्ष में है। कर्नल पुरोहित , साध्वी प्रज्ञा और सात अन्य को इस आरोप के कारण भारी मानसिक और शारीरिक यातना सहनी पड़ी है। हिंदू लोग इस अन्याय को कभी नहीं भूलेंगे। हिंदू कभी भी राष्ट्र-विरोधी कृत्य नहीं कर सकता, क्योंकि देशभक्ति हिंदुओं का धार्मिक कर्तव्य है। षडयंत्रकारी नेताओं ने 'हिंदू आतंकवाद' शब्द गढ़ा। अब इतनी जल्दी में उनके पास इसका क्या जवाब है? हिंदुओं पर लगा कलंक मिट गया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' का नारा अब पूरे देश में सौ गुना अधिक जोर से गूंजेगा। एनआईए कोर्ट के फैसले पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने भी कहा है कि आतंकवाद न भगवा था न है और न रहेगा। मालेगांव ब्लास्ट के वक्त पर राज्य की कमान विलासराव देशमुख के हाथों में थी। दो महीने बाद राज्य के मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण बन गए थे। इस ब्लास्ट की शुरुआती जांच पुलिस और फिर एटीएस के बाद एनआईए ने की थी। जिसकी कोर्ट ने आज दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया।

सुरेश गांधी

जब 2008 में मालेगांव विस्फोट की गूंज महाराष्ट्र के एक छोटे कस्बे से निकलकर राष्ट्रीय मीडिया की हेडलाइन बनी, तो किसी ने अनुमान भी नहीं लगाया था कि यह महज एक आतंकी घटना की जांच नहीं, बल्कि भारत की सनातन पहचान और भगवा संस्कृति पर सबसे बड़ा वैचारिक हमला सिद्ध होगी। और आज, 16 वर्षों बाद जब न्यायालय ने स्पष्ट कहा, "कोई सबूत नहीं", "कोई अपराध सिद्ध नहीं हुआ", तब यह केवल न्याय की औपचारिक घोषणा नहीं रही, यह उस सुनियोजित प्रपंच का पूर्ण विघटन था जिसे "भगवा आतंकवाद" के नाम से प्रचारित किया गया। या यूं कहे भारतीय राजनीति और सामाजिक विमर्श में 'भगवा आतंकवाद' जैसा शब्द एक समय ऐसा बवंडर बनकर उभरा था, जिसने न केवल भारत की सनातन परंपरा, हिंदू पहचान और संस्कृति को कठघरे में खड़ा किया, बल्कि सच्चे राष्ट्रभक्तों के सम्मान को भी अपमानित किया। यह शब्द न केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण का औजार बना, बल्कि सुनियोजित रूप से 'हिंदू' को आतंक से जोड़ने की कवायद भी की गई। लेकिन अब अदालत के एक ऐतिहासिक फैसले ने इस पूरी 'साजिश' की परतें उधेड़ दी हैं। 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में अदालत ने एक बार फिर प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित सहित सभी आरोपितों को बरी कर दिया। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) को इस मामले में कोई ठोस सबूत नहीं मिले। इस निर्णय ने वर्षों से चल रहे उस 'प्रोपेगेंडा' को ध्वस्त कर दिया है जिसे 'भगवा आतंकवाद' के नाम पर गढ़ा गया था।

बता दें, 13 सितंबर 2008 मालेगांव (नासिक, महाराष्ट्र) में बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 6 की मौत, दर्जनों घायल हुए थे। इस मामले में अक्टूबर 2008 एटीएस (महाराष्ट्र) की जांच शुरू हुई, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, ले. कर्नल श्रीकांत पुरोहित सहित कई हिंदू कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए। नवंबर 2008 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के वरिष्ठ नेताओं द्वारा "भगवा आतंकवाद" और "हिंदू टेरर" जैसे शब्दों का सार्वजनिक प्रयोग किया गया। एक साजिश के तहत 2009-2010 में चार्जशीट में 'अभिनव भारत' और भगवा संगठनों का नाम, मीडिया ट्रायल तेज किया गया। 2011-2012 में आरोपी बार-बार कोर्ट में यातनाओं और बिना सबूत जेल में रखने की शिकायत करते रहे। आरोपितों के अनुसार, उनसे जबरन कबूलनामे करवाए गए। साध्वी प्रज्ञा को लंबे समय तक बिना चार्जशीट जेल में रखा गया, मेडिकल उपचार से वंचित किया गया। 2014 में जब केंद्र में सत्ता परिवर्तन हुआ तो एनआईए द्वारा केस को दोबारा समीक्षा शुरू हुई. 2016 में एनआईए ने कहा, साध्वी प्रज्ञा के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है, केस से हटाने की सिफारिश की गयी. 2017 में प्रज्ञा ठाकुर को जमानत मिली, कोर्ट ने एनआईए की रिपोर्ट पर संज्ञान लिया. 2019 में प्रज्ञा सिंह ठाकुर भोपाल से लोकसभा चुनाव जीतीं, संसद में पहुंचीं. 2023-24 में केस की सुनवाई अंतिम दौर में पहुंची, कई गवाह पलटे, एटीएस की जांच पर सवाल उठाएं गए. आज 31 जुलाई 2025 में विशेष एनआईए कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी किया, कहा "कोई साक्ष्य नहीं" है आरोपियों को सजा देने के लिए. उनके पास न तो विस्फोट में साध्वी की कोई प्रत्यक्ष संलिप्तता का प्रमाण है, न ही कोई ठोस भौतिक साक्ष्य। न्यायालय ने कहा कि किसी को केवल किसी वैचारिक संगठन से जुड़ाव के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक कोई प्रत्यक्ष अपराध सिद्ध न हो। इतना ही नहीं जांच अधिकारियों और पूर्व गृह मंत्रालय के कुछ अधिकारियों ने भी बाद में यह माना कि इस केस में 'राजनीतिक निर्देश' काम कर रहे थे।

फिरहाल, अब जब अदालत ने पूरी थ्योरी को झूठा सिद्ध कर दिया है, यह देश के सामने एक नैतिक प्रश्न है। देश जानना चाहता है कि क्या 'भगवा आतंकवाद' : एक राजनीतिक जाल या विचारधारा पर हमला था? क्या अब कोई माफी मांगेगा? क्या अब कांग्रेस और 'हिंदू टेरर' शब्द गढ़ने वाले नेता माफी मांगेंगे? क्या जांच एजेंसियों की भूमिका की जांच होगी जिन्होंने निर्दोषों को वर्षों तक जेल में डाला? क्या मीडिया आत्मावलोकन करेगा जिसने हेडलाइन बना दी, "हिंदू आतंक का चेहरा?" यहां जिक्र करना जरुरी है कि 'भगवा' भारत में त्याग, बलिदान, धर्म और ज्ञान का प्रतीक रहा है। ऋषियों के वस्त्र हों, भगवान राम और कृष्ण की पताका हो या राष्ट्रध्वज का शीर्ष रंग. भगवा हमारी चेतना का सार रहा है। लेकिन 2008 के बाद इसे एक विशेष षड्यंत्र के तहत 'आतंक' से जोड़ा गया। तत्कालीन सरकार की प्रेरणा से कुछ अधिकारियों और बुद्धिजीवियों ने इस शब्द को मीडिया और मंचों पर प्रचारित किया। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने खुले मंच से 'हिंदू टेरर' शब्द का उपयोग कर दिया, जिसने इस साजिश को वैचारिक आधार दे दिया।

आखिरकार, यह एक बड़ी रणनीति थी, देश के बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक धारा को अपराधी साबित करने की। यह वही सोच थी, जो 'हिंदुत्व' को 'फासीवाद', 'सांप्रदायिकता' और अब 'आतंकवाद' के रूप में परिभाषित करने पर तुली थी। "प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल पुरोहित और अन्य आरोपियों के खिलाफ ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि वे विस्फोट की योजना या क्रियान्वयन में शामिल थे।" यह निर्णय एक कानूनी प्रक्रिया भर नहीं था, यह भारत की सांस्कृतिक चेतना की मुक्ति की घोषणा था। कहा जा सकता है भगवा सनातन का रंग, कभी आतंक का नहीं था, 'भगवा' वह रंग है जो, रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा है। सन्यास और तपस्या का प्रतीक है। तिरंगे के शीर्ष पर प्रतिष्ठित है। राष्ट्र के बलिदान और सेवा का रंग है। इसी रंग को 'आतंकवाद' से जोड़ देना भारत की आत्मा पर हमला था। अदालत का फैसला उस हमले का उत्तर है। एक महिला, एक साध्वी, एक सनातन विचारधारा की प्रतिनिधि, जिन्हें आतंकवादी कहा गया, प्रताड़ित किया गया, अपमानित किया गया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अब वे सांसद हैं और उन्होंने फैसले के बाद कहा, "यह मेरी नहीं, सनातन की विजय है। जो लोग सनातन धर्म को आतंक से जोड़ते हैं, वे पाप के भागी हैं। हम उन सभी को भगवान के न्याय से दंडित होते देखेंगे।" भगवा पर लगा झूठा कलंक मिट गया। जिन्होंने उसे कलंकित किया, वे अब सत्य से डरें।" अब इतिहास पलटेगा, क्योंकि सत्य जाग गया है। यह वक्तव्य सिर्फ एक प्रतिक्रिया नहीं, एक चेतावनी है, उन तमाम ताकतों के लिए जो भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान को दुष्प्रचार और वैचारिक हमले के जरिए मिटाने पर आमादा हैं। अफसोस है कि बिना जांच पड़ताल के जिस दिन साध्वी को गिरफ्तार किया गया था, उसी दिन मीडिया चैनलों पर ब्रेकिंग चली, "हिंदू आतंक का चेहरा?" बहसें हुईं, व्यंग्य किए गए, नेताओं के बयान आए, "अब साफ हो गया कि हिंदू आतंक भी होता है"। लेकिन अब वही मीडिया इस बरी होने की खबर को प्रमुखता नहीं दे रहा। क्यों? ऐसे मामलों में तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग की चुप्पी भी संदेहजनक है। वे जो वर्षों तक "भगवा से खतरा" बताते रहे, आज मौन हैं। क्या उन्हें यह स्वीकार करना कठिन है कि उन्होंने बिना तथ्यों के पूरे समाज को बदनाम किया?

भगवा कोई पार्टी का रंग नहीं है। यह वह चेतना है जो वेदों में प्रवाहित होती है, जो गीता में अर्जुन के रथ के ऊपर लहराती है, जो चित्तौड़ की रानी पद्मावती की ज्वाला में दिखाई देती है, और जो हर सुबह मंदिरों में आरती की लौ में चमकती है। जिस रंग को आतंक से जोड़ा गया, उसी रंग ने हजारों वर्षों तक अहिंसा, ज्ञान और शौर्य की परंपरा को पोषित किया है। भगवा केवल वस्त्र नहीं, एक संस्कार है।

क्या अब वे राजनेता देश से माफी मांगेंगे जिन्होंने 'हिंदू आतंक' शब्द को स्थापित करने की कोशिश की? क्या वे अफसर सार्वजनिक रूप से सफाई देंगे जिनकी जांच ने निर्दोषों को सालों तक जेल में रखा? क्या मीडिया अपनी गलती स्वीकार करेगा?

बिहार में मुकेश सहनी बने हैं राजनीति का केंद्र

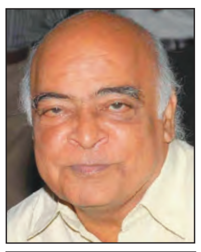

अशोक भाटिया

बिहार में इसी साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनाव को लेकर राज्य में सियासी सरगर्मी भी तेज है। महागठबंधन में शामिल सभी दल चुनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं। हालांकि, महागठबंधन में अभी सीट बंटवारे को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। इस बीच महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी के मुखिया मुकेश सहनी ने बड़ा ऐलान कर दिया है। मुकेश सहनी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ऐलान करते हुए बता दिया है कि उनकी पार्टी बिहार चुनाव में कितनी सीटों पर लड़ेगी।विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी ने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव में 60 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। वीआईपी चीफ ने एक्स पर लिखा, विकासशील इंसान पार्टी, 2025 में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, शेष सभी सीटों पर हमारे सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।' मुकेश सहनी ने हाल ही फूलन देवी की स्मृति में आयोजित समारोह में तेजस्वी यादव के समक्ष कहा था कि 2025 में हमारी सरकार बनेगी और बिहार के अगले मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव होंगे। इसमें उपमुख्यमंत्री बिहार के अतिपिछड़ा समाज से मल्लाह का बेटा होगा। आपको बता दें कि मुकेश सहनी पहले भी कई बार विधानसभा चुनाव में 60 सीटों पर दावा करते आए हैं।

हालांकि, एक्स अकाउंट पर इस तरह से 60 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान उन्होंने पहली बार किया है। यह कहा जा रहा है कि महागठबंधन में शामिल कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं भाकपा-माले इस चुनाव में 45 सीटों पर उतरने की ख्वाहिश रखती है। अभी महागठबंधन में सीट शेयरिंग का औपचारिक तौर से ऐलान नहीं हुआ है। बताया जाता है कि बिहार विधानसभा चुनाव में 60 सीट मांग रही विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी पटना में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के आवास पर बुधवार को बुलाई गई महागठबंधन की बैठक छोड़कर दिल्ली पहुंच गए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बालगोविंद बिंद महागठबंधन की कोर्डिनेशन कमिटी की बैठक में शामिल हुए। मुकेश सहनी लगातार 60 सीट मांग रहे हैं और कह रहे हैं कि थोड़ा-बहुत कम सीट मिलेगा तो भी चलेगा। महागठबंधन में मुकेश सहनी के लिए थोड़ा-बहुत कम सीट निकालना मुश्किल है। सहनी ने मीडिया को दिल्ली में आज इंटरव्यू के दौरान बताया कि मीटिंग की सूचना रात में आई और तब तक वो दिल्ली के लिए निकल चुके थे, इसलिए प्रदेश अध्यक्ष गए हैं।दो दिन पहले ही मुकेश सहनी ने सोशल मीडिया पर पार्टी का दो एजेंडा शेयर किया था। पहले एजेंडा में सहनी ने लिखा- "विकासशील इंसान पार्टी 60 सीटों पर लड़ेगी, शेष सीटों पर सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।" दूसरे एजेंडा में सहनी ने कहा- "पार्टी ने विधानसभा चुनावों के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि 50% सीटों पर अति पिछड़ा वर्ग और एससी-एसटी समाज के उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। ... दशकों से जिन समुदायों को सत्ता में भागीदारी से वंचित रखा गया, वीआईपी उन्हें नेतृत्व देने के लिए प्रतिबद्ध है।"

ज्ञात हो कि बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में भी मुकेश सहनी सीट बंटवारे के मसले पर महागठबंधन से आखिरी मौके पर नाराज होकर बाहर आ गए थे। तेजस्वी यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस से उठकर गए, सहनी ने बाद में एनडीए का दामन थामा, जहां बीजेपी कोटे से उन्हें 11 सीटें मिलीं। सहनी के 4 विधायक जीते और वो मंत्री भी बने। लेकिन यूपी में कई सीटों पर भाजपा के खिलाफ 2022 का चुनाव लड़ना उन्हें महंगा पड़ा। सीएम नीतीश कुमार ने सहनी को सरकार से बर्खास्त कर दिया। भाजपा ने उनके तीन विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। तब से सहनी विपक्षी दलों के साथ चल रहे हैं। अब बिहार में मुकेश सहनी को लेकर रोचक राजनीतिक घटनाक्रम चल रहा है। एनडीए के नेता उन्हें वापस बुलाने में जुट गए हैं। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के नेता और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे और नीतीश सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने आज ही कहा है कि सहनी को तेजस्वी 60 सीट नहीं देंगे इसलिए बेहतर है कि वो एनडीए में लौट आएं। संतोष सुमन ने कहा है कि सहनी समाज भी एनडीए के साथ है।

ज्ञात हो कि सन ऑफ मल्लाह के नाम से राजनीति में आए मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) की स्थापना 4 नवंबर 2018 को हुई थी। राज्य में निषाद (मल्लाह) समाज को अनुसूचित जाति में शामिल कराने की मांग पर पार्टी मुखर रही है। महज सात साल पुरानी इस पार्टी ने अब तक तीन चुनाव में उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव शामिल हैं। खास बात यह है कि वीआईपी ने बारी-बारी से सवारी दोनों नावों (गठबंधनों) की की है, लेकिन किनारा भी दूर है। 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में यह महागठबंधन का हिस्सा रही। जबकि, 2020 का विधानसभा चुनाव एनडीए के साथ लड़ी। अब एक बार फिर वीआईपी महागठबंधन के खेमे में ताल ठोक रही है।वीआईपी की राजनीति पर गौर करें तो मछुआरा, मल्लाह, केवट सहित इस समूह के मतदाता इसके लक्ष्य रहे हैं। बॉलीवुड फिल्मों के कामयाब सेट डिजाइनर रहे मुकेश सहनी ने 2015 में निषाद विकास संघ की स्थापना की थी। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के लिए प्रचार भी किया था। पहली बार वीआईपी 2019 के लोकसभा चुनाव में उतरी थी तब बिहार में राजद और कांग्रेस के महागठबंधन में वीआईपी को मुजफ्फरपुर, खगड़िया और मधुबनी सीट मिली थी। लेकिन तीनों सीटों पर इसके उम्मीदवारों की हार हुई। खुद मुकेश सहनी खगड़िया से चुनाव हार गए। मुजफ्फरपुर से 2019 में राजभूषण चौधरी वीआईपी के उम्मीदवार थे। अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में उतरे और जीतने के बाद राजभूषण केंद्र सरकार में राज्य मंत्री हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में महागठबंधन से वीआईपी को फिर तीन सीटें मिलीं। राजद के हिस्से की तीनों सीटों झंझारपुर से सुमन कुमार महासेठ, गोपालगंज से चंचल पासवान और मोतिहारी से डॉ. राजेश कुशवाहा बतौर वीआईपी उम्मीदवार उतरे, लेकिन तीनों ही चुनाव हार गए।वीआईपी के संस्थापक मुकेश सहनी कभी हेलीकॉप्टर तो कभी रथ को लेकर भी चर्चा में रहे। मुकेश सहनी ने 2014-15 में हेलिकॉप्टर से बिहार के विभिन्न जिलों में ताबड़तोड़ यात्रा की थी। जिला और क्षेत्र ऐसा चुना, जहां मल्लाह-निषादों की आबादी अधिक थी।

संकोच तोड़ने और सम्मान जोड़ने का अभियान

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

स्तनपान केवल एक प्राकृतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मां और शिशु के बीच एक अटूट बंधन, स्वास्थ्य का आधार और भावनात्मक जुड़ाव का सबसे प्राकृतिक स्रोत है। हर साल 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाने वाला विश्व स्तनपान सप्ताह इस महत्व को रेखांकित करता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर स्तनपान के लाभों को प्रचारित करना, भ्रांतियों को दूर करना और समाज के हर वर्ग को इसके प्रति जागरूक करना है। यह सप्ताह केवल मां और शिशु तक सीमित नहीं, बल्कि परिवार, समुदाय, कार्यस्थल और नीति-निर्माताओं को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, जन्म के पहले घंटे में शिशु को मां का पहला दूध, यानी कोलोस्ट्रम, देना अनिवार्य है। यह गाढ़ा, पीला दूध शिशु की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने वाला अमृत है, जिसमें एंटीबॉडीज और पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। डब्ल्यूएचओ की सिफारिश है कि पहले छह महीने तक शिशु को केवल मां का दूध दिया जाए और फिर दो साल तक ऊपरी आहार के साथ स्तनपान जारी रखा जाए। यह शिशु के शारीरिक, मानसिक और संज्ञानात्मक विकास के लिए सर्वोत्तम माना जाता है।

स्तनपान शिशु को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है और कई जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा देता है। शोध बताते हैं कि मां के दूध में मौजूद एंटीबॉडीज शिशु को डायरिया, निमोनिया, श्वसन संक्रमण और यहां तक कि दीर्घकालिक बीमारियों जैसे मधुमेह और मोटापे से बचाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, स्तनपान करने वाले बच्चों का आईक्यू औसतन 3-7 अंक अधिक होता है, जो उनके संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, यदि वैश्विक स्तर पर छह महीने तक विशेष स्तनपान को बढ़ावा दिया जाए, तो हर साल 8 लाख से अधिक बच्चों की जान बचाई जा सकती है। इसके अलावा, स्तनपान शिशु में एलर्जी, अस्थमा और आंतों के रोगों के जोखिम को भी कम करता है।

मां के लिए भी स्तनपान अनेक लाभकारी है। यह प्रसवोत्तर रक्तस्राव को नियंत्रित करने और गर्भाशय को सामान्य स्थिति में लाने में मदद करता है। शोधों के अनुसार, स्तनपान करने वाली माताओं में स्तन कैंसर का जोखिम 25% तक और डिम्बग्रंथि कैंसर का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। इसके अलावा, यह टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोगों से भी बचाव करता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक के रूप में भी कार्य करता है, जिसे लैक्टेशनल एमेनोरिया मेथड कहा जाता है, हालांकि यह पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है। भावनात्मक दृष्टिकोण से, स्तनपान मां और शिशु के बीच गहरा जुड़ाव बनाता है, जो मां के मानसिक स्वास्थ्य और शिशु की भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देता है। विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल एक नई थीम के साथ आता है, जो वैश्विक आवश्यकताओं और चुनौतियों को उजागर करता है। वर्ष 2025 की थीम, "स्तनपान के लिए समावेशी समाज का निर्माणः सभी के लिए समान अवसर," इस बात पर बल देती है कि स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। आधुनिक युग में, जहां कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, कार्यस्थलों पर स्तनपान के लिए अनुकूल वातावरण बनाना आवश्यक है। इसमें निजी और स्वच्छ स्तनपान कक्ष, दूध संग्रह की सुविधाएं, और पर्याप्त ब्रेक का प्रावधान शामिल है। भारत में मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के तहत 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश एक सकारात्मक कदम है, लेकिन असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए ऐसी सुविधाओं की कमी अभी भी एक बड़ी बाधा है। एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में केवल 30% कार्यस्थलों पर स्तनपान के लिए उपयुक्त सुविधाएं हैं, जो इस दिशा में समावेशी और समान प्रयासों की जरूरत को रेखांकित करता है।

सामाजिक दृष्टिकोण से, स्तनपान को लेकर कई भ्रांतियां और संकोच अभी भी मौजूद हैं। सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान कराना कई महिलाओं के लिए असहजता और सामाजिक दबाव का कारण बनता है। कुछ समाजों में इसे अशोभनीय माना जाता है, जो एक गलत धारणा है। विश्व स्तनपान सप्ताह का एक प्रमुख उद्देश्य इन रूढ़ियों को तोड़ना और स्तनपान को एक सामान्य, गरिमामय और प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता अभियान, जैसे टीवी, रेडियो और डिजिटल मीडिया पर सूचनात्मक विज्ञापन, माताओं की प्रेरक कहानियां और सामुदायिक स्तर पर चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। स्तनपान को प्रोत्साहित करने के लिए, शिक्षा और जागरूकता का प्रसार महत्वपूर्ण है। किशोरियों और युवतियों को स्कूलों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से मातृत्व और स्तनपान के बारे में जानकारी देना जरूरी है। इससे वे मातृत्व के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार हो सकती हैं।

अकेलापन लील जाता है प्रतिघंटा 100 जिंदगियां

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अकेलापन को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा की श्रेणी में ले लिया है। अकेलेपन की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि अकेलेपन के कारण दुनिया में प्रत्येक घंटे में 100 लोग मौत के आगोश में समा जाते हैं। अब यह समझ में आने लगा है कि अरबों की आबादी में सालाना 8 लाख 71 हजार लोगों की अकेलेपन के कारण मौत को हल्के लेना बड़ी भूल होगी। डब्ल्यूएसओ ने तो मोटापा, शराबखोरी और धूम्रपान की तरह ही अकेलापन को स्वास्थ्य आपदा करार कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की फ्राम लोनलीनेस टू सोशल कनेक्शन पर पिछले दिनों जारी रिपोर्ट समस्या की गंभीरता को बयां कर देती है। हालांकि कमोबेस यही हालात गैलप और मेटा की रिपोर्ट में उभर कर आ चुके हैं। आज चाहे युवा हो या वृद्ध अकेलेपन से त्रस्त होते जा रहे हैं। कोरोना के बाद तो हालात और अधिक खराब हुए हैं। इसके साथ ही डिजिटल क्रान्ति ने अकेलापन को सींचने का ही काम किया है। आजकी जीवनशैली में अकेलापन व अलगाव परिस्थितिजन्य होने के साथ ही सामाजिकता और समरसता को तेजी से प्रभावित किया है। हालात यह हो गये हैं कि एक और विश्वग्राम की बात की जाती है वहीं दूसरी और गगनचुंबी इमारतों में पूरी एक कालोनी बसी होने के बावजूद संवाद के नाम पर सिफर ही सामने आता है। दरअसल आपसी संवाद की बात तो अब सोशल मीडिया तक ही सीमित रह गई है। सोशल मीडिया का यह संवाद भी संवाद के स्थान पर तनाव का ही काम कर रहा है। अकेलापन और अलगाव दोनों ही अपना नकारात्मक असर दिखा रहे हैं। हालांकि अकेलापन और अलगाव में मामूली सा अंतर है। अकेलापन में अकेला या यों कहे कि अलग-थलग होने का दुखद अनुभव होना है तो दूसरी और अलगाव में सामाजिक संपर्क में कमी होना या दूसरे शब्दों में कहें तो साथ रहते हुए भी अलगाव महसूस करना। डिजिटल क्रांति के इस दौर में सामाजिकता तो दूर परिवार या यों कहें कि एक ही छत के नीचे बल्कि यह कहूं तो अतिशयोक्ति नहीं, कि एक कमरें में बैठे परिवार के निकटतम सदस्य यहां तक कि पति-पत्नी, बेटे-बेटी और इसी तरह एक ही कमरे में एक साथ बैठे होने के बावजूद संवाद मात्र औपचारिक से अधिक नहीं देखा जा रहा है। मोबाइल वह सगा संगी बन गया है जिस पर एक जगह बैठे होने के बावजूद सबकी निगाहें मोबाइल की स्क्रीन पर तो अंगुलियां मोबाइल के कीपेड पर ही चलती देखी जा सकती हैं। यदि जरुरी हुआ और किसी एक सदस्य ने कुछ चर्चा छेड़ना भी चाहा तो ध्यान तो मोबाइल की स्क्रीन पर ही दिखाई देगा और हां, हूं या ना नुकुर में उत्तर तक ही सीमित रह जाता है। जब हालात ही ऐसे बन गए हैं तो फिर अकेलापन व अलगाव से बचने की कल्पना करना बड़ी भूल ही होगी। दरअसल सामाजिकता, पारीवारिक संबंध कहीं खोते जा रहे हैं। एक तो नौकरी के कारण संयुक्त परिवार व्यवस्था पर आघात और उस पर पति पत्नी दोनों का ही नौकरीपेशा होना, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में बच्चों का कोचिंग के नाम पर तीसरे स्थान पर होना और उससे भी एक कदम आगे यह कि अवकाश के क्षण परिवार के साथ साझा करने के स्थान पर मियां बीबी और बच्चों के साथ कहीं घूमने चले जाना यही आज के हालात होते जा रहे हैं। दादा-दादी या नाना-नानी से तो छोटे चौमासे मिलने वाली बात हो जाती हैं। छोटे परिवार के चलते चलते आने वाले समय में तो चाचा-ताऊ, मोसा-मोसी आदि आदि रिश्ते कल्पना की बात हो जाएगी। ऐसे में जब परिवार के अंदर ही पारीवारिकता खोती जा रही है तो सामाजिकता की बात करना तो अपने आप में बेमानी होती जा रही है। सामाजिक ताने-बाने में बिखराव के नतीजे सामने आते जा रहे हैं। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ रहा है तो व्यक्ति में एकाकीपन, संत्रास, कुंठा, डिप्रेशन, अनिद्रा, सहनशीलता का अभाव देखा जा सकता है।

रील्स में रोती ज़िंदगी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

श्रीकांत शर्मा, जिन्हें उनके पड़ोसियों ने कभी 'महफिल की जान' कहा था, अब अपने 2 बी ए च के फ्लैट में एक 'डिजिटल एकांतवासी' बन चुके थे। उनके घर की दीवारें, जो कभी ठहाकों और गपशप की गूँज से थर्राती थीं, अब सिर्फ उनके स्मार्टफोन से निकलने वाली 'रील्स' की धुन पर थिरकती थीं। सुबह की पहली किरण से लेकर रात के गहरे सन्नाटे तक, श्रीकांत की उंगलियाँ स्क्रीन पर फिसलती रहतीं, मानो वे किसी अदृश्य धागे से बंधी कठपुतली हों और उनका जीवन 'लाइक्स' और 'कमेंट्स' के इशारों पर नाच रहा हो। उनकी फेसबुक वॉल पर उनके 'खुशहाल' जीवन के ऐसे-ऐसे प्रमाण बिखरे पड़े थे, जिन्हें देखकर अच्छे-अच्छे मनोवैज्ञानिक भी अपनी डिग्री फाड़ देते। कभी वे किसी महंगे रेस्तरां में अकेले बैठकर, थाली में सजे खाने की तस्वीर खींचते और कैप्शन देते, लाइफ इज़ ऑल अबाउट गुड फूड एंड ग्रेट कंपनी! कंपनी? कमरे में एक मक्खी भी नहीं थी, सिवाय उनके अपने अकेलेपन के। उनके 'स्टेटस' अपडेट्स इतने सकारात्मक होते कि अगर कोई डिप्रेशन का मरीज उन्हें पढ़ ले, तो उसे अपने डिप्रेशन पर भी शर्म आ जाए। वे लिखते, आज प्रकृति की गोद में शांति मिली! जबकि वे बालकनी में गमले में उगे तुलसी के पौधे के पास बैठकर, फोन में किसी हिल स्टेशन की वीडियो देख रहे होते। उनका अकेलापन इतना सूक्ष्म था कि उसे देखने के लिए, माइक्रोस्कोप नहीं, बल्कि एक संवेदनशील हृदय की ज़रूरत थी, जो आजकल 'इमोजी' के नीचे दबकर मर चुका था। उनका दिन शुरू होता था 'गुड मॉर्निंग' फॉरवर्ड मैसेज से, जो वे सैकड़ों 'दोस्तों' को भेजते थे, जिनमें से ज़्यादातर को वे असल ज़िंदगी में जानते भी नहीं थे। जवाब में उन्हें 'ओके' या 'थैंक्स' जैसे उदासीन शब्द मिलते, जो उनके भीतर के खालीपन को और गहरा कर देते। फिर आती थी 'रील्स' की बारी। वे घंटों दूसरों की 'परफेक्ट' ज़िंदगी देखते, उनकी छुट्टियाँ, उनके पार्टीज़, उनके परिवारिक समारोहों को देखकर आहें भरते। उनके दिमाग में एक ही सवाल घूमता, ये सब इतने खुश कैसे हैं? उन्हें नहीं पता था कि ये सारी 'खुशियाँ' फिल्टर और एंगल का कमाल थीं, और हर 'हैप्पी फेस' के पीछे एक 'अकेली आत्मा' छिपी हो सकती है। एक बार उन्होंने एक 'इंफ्लुएंसर' की रील देखी, जिसमें वह कह रहा था, लाइफ इज़ अ पार्टी, एन्जॉय एवरी मोमेंट! श्रीकांत ने अपने खाली कमरे में देखा, जहाँ सिर्फ़ उनकी परछाई थी, और सोचा, मेरी पार्टी में तो सिर्फ़ मैं ही मेहमान हूँ, और मैं ही मेज़बान भी। उन्होंने भी अपनी एक रील बनाने की सोची, जिसमें वे अपने पुराने दोस्तों के साथ हंसते-गाते दिखें। लेकिन जब उन्होंने फोन उठाया, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास कोई ऐसा दोस्त बचा ही नहीं था, जिसके साथ वे हंसते-गाते दिख सकें। उनकी गैलरी में सिर्फ़ सेल्फ़ीज़ थीं, और उन सेल्फ़ीज़ में भी उनका चेहरा एक अजीब सी मुस्कान ओढ़े था, जो उनके दिल के दर्द को छुपाने की नाकाम कोशिश थी। सोशल मीडिया पर उनकी 'पिंकी दीदी' से दोस्ती हुई थी।

शिव जी के आंसु से उत्पन्न हुए हैं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष कैसे धारण करें और रुद्राक्ष धारण करते समय किन बातों का ध्यान रखें?

ये है रुद्राक्ष की उत्पत्ति की संक्षिप्त कथा

शिव पुराण के अनुसार रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। पौराणिक कथा है कि एक दिन शिव जी माता पार्वती को बता रहे थे कि कभी-कभी तप-तपस्या का परिणाम बहुत ही अद्भुत मिलता है। शिव जी ने बताया कि मैंने एक बार लंबे समय तक आंखें बंद करके तपस्या की। वर्षों तक आंखें नहीं खोलीं, क्योंकि आंखें खोलने से तपस्या का प्रभाव कम हो जाता है। शिव जी ने आगे कहा कि तप करते समय मेरा मन थोड़ा विचलित हुआ और मैंने आंखें खोल लीं। चूंकि लंबे समय बाद मैंने आंखें खोली थीं तो आंखों से आंसुओं की कुछ बूंदें गिरीं। आंसुओं की बूंदें धरती पर जहां गिरी थीं, वहां वृक्ष उग आए। इन वृक्षों का नाम रुद्राक्ष पड़ा। मुझे रुद्र कहते हैं और आंख को अक्ष कहा जाता है, इसलिए ये वृक्ष रुद्राक्ष कहलाया।

रुद्राक्ष का धार्मिक महत्व

शास्त्रों में रुद्राक्ष को पवित्र और दिव्य बताया गया है। सावन मास में शिव पूजा करने के साथ ही रुद्राक्ष धारण करना, पूजा में इसका प्रयोग करना और रुद्राभिषेक के दौरान इसका इस्तेमाल विशेष फलदायी माना गया है।

रुद्राक्ष के प्रकार और उनके प्रभाव

रुद्राक्ष की विभिन्न प्रजातियां हैं। रुद्राक्ष पर सीधी-सीधी धारियां बनी होती हैं, इन धारियों की संख्या के आधार पर रुद्राक्ष का प्रकार मालूम होता है। सबसे ज्यादा पंचमुखी रुद्राक्ष दिखाई देता है। इसे धारण करने से मानसिक संतुलन बना रहता है, तनाव दूर होता है। बाजार में 1 मुखी से 14 मुखी तक के रुद्राक्ष मिलते हैं।

रुद्राक्ष पहनते हैं तो ध्यान रखें ये बातें

जो लोग रुद्राक्ष पहनते हैं, उन्हें अधार्मिक कामों से बचना चाहिए। मांसाहार न करें और सभी का सम्मान करें। अपने माता-पिता की सेवा करें। नशा न करें। अगर इन बातों का ध्यान नहीं रखा जाता है तो रुद्राक्ष से शुभ फल नहीं मिल पाते हैं।

3 तरह के होते हैं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष आकार के अनुसार 3 तरह के होते हैं। जो रुद्राक्ष आकार में आंवले के फल के बराबर होते हैं, उन्हें सबसे उत्तम माना गया है। जिस रुद्राक्ष का आकार बेर के समान होता है, वह मध्यम फल देने वाला माना गया है। चने के बराबर आकार वाले रुद्राक्ष को निम्न श्रेणी में गिना जाता है।

कैसे रुद्राक्ष न धारण करें

जिस रुद्राक्ष को कीड़ों ने खराब कर दिया हो या टूटा-फूटा हो या पूरा गोल न हो। जिसमें उभरे हुए दाने न हों, ऐसा रुद्राक्ष नहीं पहनना चाहिए। जिस रुद्राक्ष में अपने आप

डोरा पिरोने के लिए छेद हो गया हो, वह सबसे अच्छा रहता है।

सावन महीने के सोमवार को शिव जी का अभिषेक करें और पूजा में रुद्राक्ष की भी पूजा करें, इसके बाद रुद्राक्ष धारण करना चाहिए।

रुद्राक्ष धारण की विधि

शुद्धिकरण: रुद्राक्ष को गंगाजल या शुद्ध जल से धोएं।

पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से रुद्राक्ष को स्नान कराएं।

ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करते रहें।

लाल, काले या सफेद धागे में रुद्राक्ष पिरोए, फिर माला बनाकर गले या दाहिने हाथ में धारण करें।

मान्यता है कि रुद्राक्ष को धारण करने वाला व्यक्ति यज्ञ, तप, तीर्थ, दान आदि पुण्यों का फल प्राप्त करता है।

रुद्राक्ष पहनने के फायदे

एक ऐसे व्यक्ति के लिए जो हर समय घूमता रहता है और विभिन्न जगहों पर खाता और सोता है, रुद्राक्ष एक बहुत अच्छा सहारा है क्योंकि यह आपकी अपनी ऊर्जा का एक सुरक्षा कवचा बना देता है। आपने ध्यान दिया होगा कि जब आप एक नई जगह पर जाते हैं, कभी आपको आसानी से नींद आ जाती है, जबकि किसी दूसरी जगह पर आपको नींद नहीं आती चाहे आप कितना ही थके हों। ऐसा इसलिए है क्योंकि आपके आस-पास की स्थिति आपके किस्म की ऊर्जा के लिए अनुकूल नहीं है, यह आपको स्थिर नहीं होने देती। साधुओं और संन्यासियों के लिए, चूंकि वे लगातार घूमते रहते थे, तो जगहें और स्थितियां उन्हें परेशान कर सकती थीं। उनके लिए एक नियम था कि कभी अपने सिर को उसी जगह पर दोबारा नीचे न रखें। आज, एक बार फिर, लोगों ने अपने व्यापार या पेशे के कारण, विभिन्न जगहों पर खाना और सोना शुरू कर दिया है। तो यहां रुद्राक्ष सहायक हो सकता है।

एक और चीज है, जंगल में रह रहे साधु और संन्यासी बस किसी भी पोखरे से पानी नहीं पी सकते थे, क्योंकि कई बार प्रकृति में, पानी कुछ खास गैसों से जहरीला या दूषित बन सकता है। अगर वे उसे पी लें, तो यह उन्हें अपंग कर सकता है या मार भी सकता है। अगर पानी के ऊपर एक रुद्राक्ष को लटकाया जाता है तो अगर पानी अच्छा है और पीने योग्य है, तो यह घड़ी की सुई की दिशा में घूमेगा। अगर यह जहरीला है तो यह विपरीत दिशा में घूमेगा। भोजन की गुणवत्ता को जांचने का भी यही तरीका है। अगर आप इसे किसी पॉज़िटिव प्राणिक खाद्य पदार्थ पर लटकाते हैं, तो यह घड़ी की सुई की दिशा में घूमेगा। अगर आप इसे निगेटिव प्राणिक खाद्य पदार्थ पर लटकाते हैं, तो यह उल्टी दिशा में घूमेगा।

शादी के लिए सावन क्यों अशुभ माना जाता है?

हिंदू धर्म में सावन के महीने का काफी महत्व है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि इस महीने में भगवान शिव की पूजा करने वालों की मनोकामना पूरी होती है। सावन में भोलेनाथ के भक्त प्रत्येक सोमवार को उपवास रखते हैं और विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन करते हैं, जो लोग मनचाहा जीवनसाथी चाहते हैं उनके लिए शिव-पार्वती की पूजा खास महत्व रखती है। लेकिन क्या आप जानते हैं इतना पावन और पवित्र महीना होते हुए भी सावन में आखिर शादियां क्यों नहीं होती है। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं इसके पीछे की वजह।

सावन में क्यों नही होते शादी जैसे शुभ कार्य

सनातन धर्म में, सावन का महीना चातुर्मास के दौरान पड़ता है और चातुर्मास के दिनों में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शादी-विवाह आदि भगवान विष्णु के आशीर्वाद के बिना सम्पन्न नहीं होते हैं, क्योंकि विवाह के लिए विष्णु जी का योग निद्रा से बाहर होना जरूरी है। ऐसे में 4 महीने तक शादी-विवाह आदि नहीं किए जाते हैं। दरअसल, शादी के दौरान ज्यादातर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप किया जाता है। वहीं, दूसरी तरफ सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। कहते हैं कि शिव जी शादी जैसे कार्यों में सम्मिलित नहीं होते हैं, इसलिए सावन में शादी करने का वर्जित माना गया है।

चातुर्मास कब से कब तक

इस साल चातुर्मास 6 जुलाई से लेकर 1 नवंबर तक है। चातुर्मास का समापन 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी के दिन होगा। उस दिन भगवान विष्णु योग निद्रा से बाहर आएंगे और सभी देव उठ जाएंगे। उसके बाद से शुभ कार्य प्रारंभ होंगे।

चातुर्मास में शुभ कार्य क्यों नहीं होते

चातुर्मास में भगवान विष्णु समेत सभी देव सो जाते हैं। देवों के सोने की अवस्था में कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। चातुर्मास में सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं। ऐसे में चातुर्मास के समय शिव पूजा का विशेष है।

तुलसीदास जी का मानवता के लिए बड़ा योगदान है

इस कालखंड में मानव-मन आहत और व्यथित दोनों है। लगातार ऐसी खबरें जीवन में उतर रही हैं कि पढ़कर-सुनकर भय भी लगता है, चिंता भी होती है। टीवी-मोबाइल जब आए, अपना काम दिखा गए। मानव-मन उनसे भी आहत हुआ, पर हमारे पास तब समझ नहीं थी कि हम संभल जाएं। लेकिन एआई के वक्त हम थोड़ा जागरूक हो जाएं।पढ़ना-लिखना तो लोगों ने बंद ही कर दिया। लेकिन आज तुलसीदास जी की जयंती है तो दो साहित्य हमारे बच्चे पढ़ें, यह प्रयास करना है- रामचरितमानस और गीता। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस लिख कर मानव-मन पर बहुत ही सुंदर कार्य किया है। उन्होंने अनेक प्रसंगों में आदर्श की यथार्थ पर विजय दिलाई। रामचरितमानस की भाषा की सबसे बड़ी ताकत यह है कि लोकोक्तियां और मुहावरे बड़ी आसानी से प्रस्तुत किए गए हैं। कुछ दोहे-चौपाई तो भारतीय मन में ऐसे बस गए, जैसे रगों में रक्त। मनुष्य के मन की जितनी भी भावभूमियां हैं, वह सब रामचरितमानस में एक ही जगह मिल जाती हैं। इस ग्रंथ को पढ़ा जाए। जीवन के हर पक्ष में इससे संदेश लिए जाएं।

गीता की सीखः सही कर्म शांत चित्त से होता है

डर, लालच या तुलना करने से किया गया कर्म हमें थका देता है, ऐसे कामों से बचें

आज सभी लोग सफलता के पीछे भाग रहे हैं, यहां अनवरत परिश्रम को ही महानता की निशानी माना जाता है। जबकि श्रीमद्भगवद्गीता कहती है कि किसी चीज को ज्यादा जोर से पकड़ने की जरूरत नहीं है, जब हम चीजों को कसकर पकड़ते हैं तो वे हमारे हाथों से फिसलने लगती हैं।

गीता ये नहीं कहती कि तुम कुछ मत करो, बल्कि गीता कहती है कि कोई काम किस भाव के साथ कर रहे हैं, इस बात को समझना महत्वपूर्ण है। ज्यादा श्रम करना गलत नहीं है, लेकिन ध्यान रखें सही कर्म शांत चित्त से होता है। कुछ भी काम करने से पहले हमें अपने मन को शांत कर लेना चाहिए। अशांत मन के साथ काम करेंगे तो दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

असहजता असफलता नहीं है

जीवन में भ्रम, संदेह और जड़ता आना स्वाभाविक है। ये विकास की निशानी है, पतन की नहीं। जैसे अर्जुन युद्धभूमि में हिचकिचाते हैं और श्रीकृष्ण उनके भ्रम-संदेह दूर करते हैं, ठीक इसी तरह हम भी नए काम करते समय अस्थिर हो जाते हैं। ये कमजोरी नहीं, जागृति की शुरुआत है। इस असहजता को असफलता न समझें।

स्पष्टता और कर्तव्य भाव से करें कर्म

गीता हमारे कर्म को दो भागों में बांटती है- पहला- अहंकार से प्रेरित कर्म और दूसरा है धर्म से प्रेरित कर्म। डर, लालच या तुलना करके से किया गया कर्म हमें थका देता है, लेकिन स्पष्टता और कर्तव्य भाव से किया गया कर्म हमें ऊर्जा देता है।

संतुलन और सरलता से जीवन में स्पष्टता आती है

गीता तीन गुणों की बात करती है- सत्व यानी स्पष्टता, रज यानी चंचलता और तम यानी जड़ता। उलझन में हम अक्सर रज गुण की ओर भागते हैं, सिर्फ कुछ करने के लिए, लेकिन गीता हमें सत्त्व गुण को अपनाने के लिए कहती है। संतुलन, सरलता, और शांत विचार के साथ जीवन में स्पष्टता आती है। सत्व गुण यानी स्पष्टता अभ्यास से आती है। गीता साक्षी भाव अपनाने की शिक्षा देती है, घटनाओं को देखें, उनमें बहें नहीं। जब हम अपने विचारों और भावनाओं को बस देखना सीख जाते हैं, प्रतिक्रिया देने के पहले सोच-विचार करने लगते हैं, वहीं से स्पष्टता जन्म लेती है। जब स्पष्टता आती है, तब हम ज्यादा प्रयास नहीं करते, बेहतर प्रतिक्रिया देने लगते हैं।

भ्रम दूर करें और स्पष्टता लाएं

अर्जुन की असली लड़ाई बाहर नहीं, अपने अंदर के भ्रमों से थी, जिन्हें श्रीकृष्ण ने गीता उपदेश देकर दूर किया। हमें भी अपने सभी भ्रम को छोड़कर जीवन में स्पष्टता लानी चाहिए। गीता का सबसे प्रसिद्ध श्लोक कहता है-

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

हमारा अधिकार केवल कर्म पर है, फल पर नहीं है।

ये उदासीनता नहीं है, ये बुद्धिमत्ता है। परिणामों पर पकड़ बनाने की भावना हमें सीमित कर देती है। जब हम सिर्फ प्रक्रिया में, अपने कर्म में लीन हो जाते हैं, तब हमें असीमित संभावनाएं मिलती हैं।

जब हम अपने कर्म बिना अहंकार या नियंत्रण की कामना से करते हैं, तब हम भगवान की कृपा के पात्र बन जाते हैं। समय के साथ हमारा धर्म भी बदलता है। कभी हमारा धर्म कार्य करना हो सकता है और कभी आराम करना, कभी सुनना हो सकता है। हमें सार्थक प्रयास करना चाहिए। सबसे बड़ी स्पष्टता अशांति से नहीं, शांति से उपजती है।

जब पांडवों के मामा शल्य ने दुर्योधन का साथ देकर चल दी ऐसी चाल

महाभारत का युद्ध सिर्फ तलवार और धनुष का नहीं, बल्कि बुद्धि, नीति और वचनों का भी युद्ध था। हर योद्धा की भूमिका निर्णायक थी और कई बार रिश्ते भी युद्ध की दिशा बदलने लगे। एक ऐसी ही कहानी जुड़ी है पांडवों के मामा शल्य से, जो जन्म से पांडवों के सगे थे लेकिन युद्ध में कौरवों की तरफ से लड़े। यह सुनकर हर किसी को हैरानी होती है कि आखिर एक मामा अपने ही भांजों के खिलाफ कैसे खड़ा हो सकता है। लेकिन इसके पीछे थी एक चाल, एक ऐसा वचन जो दुर्योधन को ही भारी पड़ गया। शल्य ने दुर्योधन से जो शर्त रखी थी, वही बाद में कौरवों की हार की बड़ी वजह बनी। इस कहानी में छल, राजनीति और कूटनीति के ऐसे रंग हैं जो महाभारत को और भी गहरा बना देते हैं। आइए जानते हैं पूरी कहानी कि कैसे शल्य ने अपने शब्दों से पांडवों की मदद की और कौरवों का मनोबल तोड़ा।

कौन थे पांडवों के मामा शल्य

शल्य, मद्र देश के राजा थे और पांडवों की मां माद्री के सगे भाई थे। इस नाते वे नकुल और सहदेव के मामा थे। लेकिन चूंकि माद्री पांडु की दूसरी पत्नी थीं, इसलिए वे युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन के भी मामा कहलाते थे। उनका व्यक्तित्व बलवान, प्रभावशाली और रणनीतिक था और वे एक उत्कृष्ट योद्धा भी माने जाते थे।

दुर्योधन ने किया शल्य से छल

जब युद्ध की तैयारियां चल रही थीं, तब शल्य अपनी

सेना के साथ पांडवों से मिलने जा रहे थे। दुर्योधन को इस बात की भनक लग गई। उसने शल्य और उनकी सेना के ठहरने, भोजन और विश्राम की व्यवस्था पहले से कर दी। रास्ते भर उन्हें हर जगह राजसी स्वागत मिला। शल्य ने सोचा ये सब युधिष्ठिर ने कराया है, लेकिन जब वे मिलने पहुंचे तो दुर्योधन सामने आया और बोला कि यह सारा इंतज़ाम उसी ने करवाया है।

वचन में बंध गए राजा शल्य

राजसी सत्कार और दुर्योधन की चालाकी ने शल्य का दिल जीत लिया। उन्होंने प्रसन्न होकर दुर्योधन से कहा कि वह जो चाहे मांग सकता है। दुर्योधन ने तुरंत मांग रख दी कि वे युद्ध में कौरवों की ओर से लड़ें। शल्य पहले तो चौंके लेकिन उन्होंने वचन दिया था, इसलिए मना नहीं कर सके।

शल्य ने भी रखी एक शर्त

शल्य ने युद्ध में कौरवों के पक्ष में शामिल होने से पहले एक शर्त रखी। उन्होंने कहा कि वे कौरवों के आदेश का पालन करेंगे, लेकिन जो बोलेंगे, उस पर उनका नियंत्रण होगा। यानी उनकी वाणी स्वतंत्र रहेगी। दुर्योधन ने इसे मामूली बात समझकर हां कर दी।**(जारी)**

51 की उम्र में भी 25 की लगती हैं मलाइका अरोड़ा

बॉलीवुड की हसीन एक्ट्रेसेस में मलाइका अरोड़ा का नाम शुमार है. वो हमेशा ही अपने फिटनेस और ग्लोइंग स्किन को लेकर चर्चा में रहती हैं. जानिए क्या है सीक्रेट. बॉलीवुड की हसीनाओं में मलाइका अरोड़ा का नाम भी शुमार है. अक्सर ही मलाइका के फिटनेस और ग्लोइंग स्किन के चर्चे होते देखे जाते हैं. 51 की उम्र में भी उनका फिटनेस ऐसा है कि सभी दंग रह जाते हैं.

बॉलीवुड की पॉपुलर अदाकारा मलाइका अरोड़ा अपनी खूबसूरती और दिलकश अदाओं से बिजली गिराती हैं. इस उम्र में भी उनका फिटनेस और ग्लोइंग स्किन बरकरार है. अक्सर ही वो अपने फिटनेस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. आइए जानते हैं क्या है उनके फिटनेस और ग्लोइंग स्किन का राज. बढ़ती उम्र के साथ एक्ट्रेस अपने स्किन और बॉडी का खास ध्यान रखती हैं. इसलिए 51 की उम्र में भी वो इतनी जवान लगती हैं. एक्ट्रेस अपनी डाइट से लेकर स्टाइल और वर्कआउट का भी खास ध्यान रखती हैं. बैलेंस्ड डाइट के साथ वो अपने हेल्थी रुटीन को भी स्ट्रिक्टली फॉलो करती हैं।

मलाइका अरोड़ा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर खुद अपने स्किनकेयर को लेकर कुछ खास बातें शेयर की थी. एक्ट्रेस ने बताया कि मेकअप के पहले वो अपने चेहरे पर फेशियल ऑयल लगाती है जिससे स्किन में नमी बरकरार रहती है.

फेशियल ऑयल से चेहरे को नेचुरल ग्लो और पोषण मिलता है. फेशियल ऑयल अप्लाई करने के पहले आप लाइट वेट मॉइश्चराइजर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं.

इसके बाद एक्ट्रेस ने आगे बताया कि ऑयलिंग के बाद वो अपने फेस पर जेड रोलर से अंडर आई मसाज और फेशियल मसाज करती हैं. इससे चेहरे पर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और चेहरे की चमक भी बरकरार रहती है. होठों पर अदाकारा नरिशिंग लिप बाम यूज करती हैं इससे होठों की नाजुक त्वचा हाइड्रेट रहती है.

मसाज के बाद अदाकारा अपने आंखों में अंडर आई पैच लगाती हैं. इससे अंडर आई एरिया सेफ रहता है और डार्क सर्कल्स भी नहीं आते. इतना ही नहीं ये अंडर आई पैच महीन लाइनों, डार्कनेस, आंखों के नीचे गड्ढा बनने जैसी समस्याओं से भी बचाव करता है.

मलाइका अरोड़ा का कहना है बढ़ती उम्र के साथ नेकलाइन भी सिकुड़ने लगती है इसलिए नेक का भी खास ख्याल रखना जरूरी है. फेस केयर के बाद वो अपने नेक पर भी मॉइश्चराइजर अप्लाई करती हैं. नेकलाइन को सिकुड़ने से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर काफी इफेक्टिव है.

ग्लोइंग स्किन के साथ मलाइका के फिटनेस के भी बहुत चर्चे है. अपनी फिटनेस और ग्लोइंग स्किन के लिए अदाकारा योग का सहारा लेती हैं. हेल्थी फूड, अच्छी लाइफस्टाइल और डेली वर्कआउट के साथ योग को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाना बहुत ही जरूरी है. मलाइका अरोड़ा का मानना है योग ही उन्हें जवान बनाए रखने में मदद करता है.

लंदन एयरपोर्ट से चोरी हुआ उर्वशी रौतेला का लाखों के गहनों से भरा बैग

एक्ट्रेस बोली- 'अधिकारी नहीं कर रहे कोई मदद'

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हमेशा किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं. वहीं अब एक्ट्रेस ने दावा किया है कि लंदन के गैटविक हवाई अड्डे से 70 लाख के गहनों से भरा उनका लग्जरी बैग चोरी हो गया. अभिनेत्री ने दावा किया कि जब विंबलडन देखने शहर आई थीं, तब उनका बैग लगेज बेल्ट से गायब हो गया. एक्ट्रेस ने अपना बैग ढूंढने की काफी कोशिश भी की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला.

लंदन गैटविक एयरपोर्ट पर उर्वशी का गहनों से भरा बैग हुआ चोरी

अपनी टीम द्वारा शेयर किए गए एक स्टेटमेंट में उर्वशी ने कहा, एक प्लैटिनम एमिरेट्स मेंबप और विंबलडन में भाग लेने वाली एक ग्लोबल आर्टिस्ट के रूप में, मुझे यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि मुंबई से एमिरेट्स की हमारी उड़ान के बाद, लंदन गैटविक एयरपोर्ट पर बैगेज बेल्ट से हमारा क्रिश्चियन डायर ब्राउन बैगेज चोरी हो गया है.हमारे बैगेज टैग और टिकट होने के बावजूद, बैग बेल्ट एरिया से सीधे गायब हो गया.

एयरपोर्ट की सिक्योरिटी का एक खतरनाक उल्लंघन.

यह मामला केवल खोए हुए बैग का नहीं है - यह सभी पैसेंजर की जवाबदेही, सुरक्षा और सम्मान का भी है. उर्वशी ने दावा किया कि उन्होंने एमिरेट्स सपोर्ट और गैटविक एयरपोर्ट के ऑफिससर्स से भी कॉन्टेक्ट किया, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की.

यह पहली बार नहीं है जब अभिनेत्री ने चोरी का आरोप लगाया हो. इस महीने की शुरुआत में, उर्वशी की मां मीरा रौतेला ने अपनी बेटी की पूर्व मैनेजर वेदिका प्रकाश शेट्टी पर 2015 से 2017 तक के टेन्योर के दौरान चोरी और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था. एक्ट्रेस की मां मीरा ने दावा किया था, उसे 24/7 एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट के रूप में नियुक्त किया गया था और उर्वशी के पर्सनल सामान की केयर का ज़िम्मा सौंपा गया था. हालांकि, बाद में हमें पता चला कि उसने कई बार चोरी और धोखाधड़ी की है.

उर्वशी रौतेला करियर

ब्यूटी पेजेंट्स का लॉन्ग ब्रैकग्राउंड होने के अलावा, उर्वशी कई बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा रही हैं, जिनमें सिंह साहब द ग्रेट, सनम रे, ग्रेट ग्रैंड मस्ती और हेट स्टोरी 4 शामिल हैं. उन्होंने लव डोज और बिजली की तार जैसे म्यूजिक वीडियो में अपनी प्रेजेंस से भी खूब पॉपुलैरिटी हासिल की है. वहीं उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम किया है. हाल ही में उर्वशी सनी देओल की हिट फिल्म जाट में डांस नंबर करते नजर आई थीं.

यौन शोषण के इल्जाम पर पहली बार बोले विजय सेतुपति, कहा- 'उसे बस कुछ मिनटों की शोहरत चाहिए'

साउथ के अभिनेता विजय सेतुपति इन दिनों सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने उन पर इल्जाम लगाया है कि उन्होंने उनका यौन शोषण किया। इस पर विजय ने प्रतिक्रया दी है। उन्होंने डेक्कन क्रॉनिकल से बातचीत में अपने ऊपर लगे आरोपों का पुरजोर खंडन किया है। उन्होंने जानकारी दी कि उनकी टीम ने साइबर क्राइम अधिकारियों से इस मामले में शिकायत की है।

महिला शोहरत हासिल करना चाहती है

एक बयान में विजय सेतुपति ने कहा 'जो कोई भी मुझे थोड़ा-बहुत भी जानता है, उसे यह हास्यास्पद लगेगा। मैं जानता हूं कि मैं कौन हूं। ऐसे घिनौने आरोप मुझे परेशान नहीं करते। मेरे परिवार और करीबी दोस्त परेशान हैं, लेकिन मैं उनसे कहता हूं कि चिंता करने की जरूरत नहीं। यह औरत साफ तौर पर ध्यान आकर्षित करना चाहती है। उसे बस कुछ मिनटों की शोहरत चाहिए। ठीक है उसे शोहरत हासिल करने दो।'

कानाफूसी का असर नहीं होगा

विजय ने आगे कहा 'हमने इस मामले की शिकायत साइबर क्राइम से की है। पिछले सात वर्षों से मैं लगातार कानाफूसी झेल रहा हूं। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ा है, और न ही कभी पड़ेगा।'

महिला से छेड़छाड़ के इल्जाम

विजय पर यौन शोषण का इल्जाम रम्या मोहन नाम की एक महिला ने अपने एक्स अकाउंट के जरिए लगाए थे। इस पोस्ट को अब डिलीट कर दिया गया है। रम्या ने पोस्ट में दावा किया था कि एक युवती के साथ उद्योग के नियमों के नाम पर छेड़छाड़ और शोषण किया गया, जिसके बाद उसे दिक्कत हुई और उसकी मदद की गई।

पोस्ट में क्या लिखा है?

पोस्ट में विजय पर इल्जाम लगाए गए और लिखा गया 'विजय सेतुपति ने 'कारवां फेवर' के लिए दो लाख रुपये और 'ड्राइव' के लिए 50 हजार रुपये की पेशकश की है। इसके बावजूद वह सोशल मीडिया पर संत की तरह व्यवहार करते हैं। यह अजीब है कि कुछ असंवेदनशील लोग सच्चाई को मानने के बजाए उस पर सवाल उठाने या पीड़िता को ही दोषी ठहराने में ज्यादा रुचि रखते हैं।'

विजय सेतुपति का काम

आपको बता दें कि अभिनेता विजय सेतुपति तमिल फिल्मों में दिखाई देते हैं। उन्होंने शाहरुख खान की 'जवान' और कैटरीना कैफ की 'मेरी क्रिसमस' में भी काम किया है।

उनकी हालिया रिलीज 'थलाइवन थलाइवी' थी, जिसमें उन्होंने नित्या मेनन के साथ अभिनय किया था। इस फिल्म पर लोगों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

आलिया भट्ट की 'जिगरा' के फ्लॉप होने से डायरेक्टर की हालत हुई खस्ता

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी. इस फिल्म की फ्लॉप होने से निर्देशक वासन बाला की हालत खराब हो गई है. यहां तक कि वे घर भी नहीं खरीद पा रहे हैं.

आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर और वासन बाला निर्देशित 'जिगरा' पिछले साल की मच अवेटेड रिलीज़ में से एक थी. हालांकि,

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फुस्स साबित ही थी और रिलीज़ के बाद कई विवादों में भी घिर गई थी. वहीं हाल ही में एक इंटरव्यू में, निर्देशक ने कहा कि वह अभी भी 'जिगरा' को बॉक्स ऑफिस पर मिली असफलता से उबर नहीं पाए हैं. यहां तक कि वे अपने लिए घर भी नहीं खरीद पाए हैं.

जिगरा के फ्लॉप होने के बाद घर नहीं खरीद पा रहे निर्देशक

बता दें कि वासन बाला ने कहा, जिगरा बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा झटका थी. यह आपको वाकई हिला देती है, और मैं अभी भी जाग रहा हूं. लेकिन (नई) स्क्रिप्ट भी रिकवरी की प्रक्रिया में हैं. जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शूटिंग के दौरान फिल्म से खुश थे, तो वासन ने कहा, हां, बिल्कुल, मुझे क्रू के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा, और आलिया के साथ काम करके भी बहुत अच्छा लगा. वह एक अमेजिंग एक्ट्रेस हैं, उनके पास एक इनक्रेडिबल वर्क एथिक और विजन है.

उन्होंने आगे कहा, इस तरह आप सफलता की ज़्यादा कद्र करते हैं, जब वह आपके पास नहीं होती. लेकिन तब नहीं जब आप घर खरीदने की कोशिश कर रहे हों. एक्स्ट्रा मनी कोई नुकसान नहीं पहुंचाती. मैं अब भी किराए के घर में रहता हूं, उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी, एड करने वाले घर खरीद सकते हैं, लेकिन निर्देशक नहीं. यह एक जायज़ प्रोफेशन है. हालांकि, जिगरा के बाद, मैं मणिरत्नम के सेट पर वापस गया. मैं दो दिन के लिए गया था, सिर्फ़ फ़िल्म सेट के आस-पास रहने के लिए, क्योंकि मुझे लगा था कि मैं कभी वापस नहीं जाऊंगा.

जिगरा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

जिगरा के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इसने भारत में सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक 31.98 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था और इसका ग्रॉस कलेक्शन 38.43 करोड़ था. वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म ने 56.93 करोड़ कमाए थे.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बने 'गोकुल धाम' सोसायटी की सच्चाई नहीं जानते होंगे आप?

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो जितना पॉपुलर है, उतना ही लोकप्रिय है गोकुलधाम सोसायटी. शो के फैंस गोकुलधाम सोसायटी के बारे में छोटी-बड़ी हर बात जानने के लिए बेताब रहते हैं. अक्सर शो में सिर्फ गोकुलधाम सोसायटी के कम्पाउंड को ही दिखाया जाता है.

बता दें इसी हिस्से में शो की ज्यादातर शूटिंग होती है. वहीं, बाकी के हिस्सों को शो में मेकर्स नहीं दिखाते हैं. तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में जो गोकुलधाम सोसायटी दिखाई जा रही है वो मुंबई के गोरेगांव में बनी फिल्म सिटी में बनी है. शो के इस सेट को काफी पहले बनाया गया था.

इस सेट पर नहीं है कोई फ्लैट

हालांकि, बीच में इसका रेनोवेशन भी किया गया था जिस पर एपिसोड्स की एक सीरीज भी दिखाई गई थी.बता दें इस सेट पर सिर्फ बालकनी और कम्पाउंड के हिस्सों की ही शूटिंग होती है. यानि इस सेट पर सिर्फ आउटडोर शूटिंग होती है. इस सेट पर सिर्फ कम्पाउंड और बालकनी ही बनाया गया है, जबकि इस सेट पर कोई फ्लैट नहीं है.

शो में अक्सर ये देखने को मिलता है कि हर कैरेक्टर का फ्लैट है, लेकिन इस सेट पर सच में ऐसा कुछ नहीं है. हालांकि, सेट पर एक ग्राउंड और मंदिर को भी तैयार किया गया है. शो में अक्सर पोपटलाल, जेठालाल, भिड़े, अय्यर, सोढ़ी और तारक मेहता का अंदर का घर भी दिखाया जाता है.

लेकिन, उसकी शूटिंग इस सेट पर बिल्कुल भी नहीं होती है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पहले इनडोर शूटिंग के लिए कांदिवली में सेट बनाया गया था.

हाल ही में जेनिफर मिस्त्री ने एक इंटरव्यू में बताया कि अब इस सेट को भी फिल्म सिटी में शिफ्ट कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि अब ये आजू-बाजू में है. देखा जाए तो 300 मीटर पर हमारा सेट है. अब ऐसा होता है आउटडोर से इनडोर पर जाओ और सीन शूट करके आओ.

आमिर खान के बेटे जुनैद ने ठुकराया 100 करोड़ का ऑफर

आमिर खान के बेटे जुनैद खान भी बॉलीवुड में कदम रख चुके हैं. जुनैद की दो फिल्में भी आ चुकी हैं मगर अभी तक वो कमाल नहीं दिखा पाए हैं जो उनके पिता आमिर खान में है. अब आमिर और जुनैद साथ में काम करने वाले हैं. उन्होंने आमिर खान के यूट्यूब चैनल आमिर खान टॉकीज के लिए एक प्रोमो शूट किया है. जिसमें जुनैद अपने पापा से कहते हैं कि उन्होंने 100 करोड़ की फिल्म को रिजेक्ट कर दिया है. अब ये क्या मामला है आइए आपको बताते हैं.

आमिर खान और जुनैद मिलकर 'सितारे जमीन पर' को यूट्यूब पर लॉन्च कर रहे हैं. आमिर इस वीडियो में अपनी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' का एक सीन रीक्रिएट करके ट्रिब्यूट दे रहे हैं. इस वीडियो में आमिर और जुनैद के साथ राजकुमार संतोशी भी नजर आ रहे हैं.

अपनी फिल्मों का उड़ाया मजाक

वीडियो में आमिर खान खुद अपनी फ्लॉप फिल्मों का मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं. उन्होंने कहा- 'मुझे याद है पहली बार तू खुश हुआ था तो तूने कहा था पिताजी मल्टी स्टारर कर लो. मैंने 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तां' कर ली. आजतक गालियां खा रहा हूं. फिर कहा वर्ल्ड की बेस्ट फिल्म का रीमेक बना दो. मैंने 'फॉरेस्ट गंप' का 'लाल सिंह चड्ढा' बना ली. इज्जत के साथ पैसे भी गए.'

जुनैद ने छोड़े 100 करोड़

आमिर खान की बात सुनने के बाद जुनैद कहते हैं- 'आपको सुनकर खुशी होगी पिताजी मैंने 100 करोड़ का ऑफर ठुकरा दिया है और आपकी फिल्म सितारे जमीन पर को यूट्यूब पर डाल दिया है वो भी सिर्फ 100 रुपये में.' आमिर इस पर सरप्राइज होकर जुनैद को नेपोकिड कहते हैं. बता दें आमिर खान अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को ओटीटी प्लेटफॉर्म की जगह यूट्यूब पर रिलीज कर रहे हैं. वो फिल्म को पे पर व्यू मॉडल के साथ रिलीज कर रहे हैं. ये फिल्म 1 अगस्त से यूट्यूब पर देखने को मिलेगी.

कियारा आडवाणी व कृति सेनन में से किसके पास है ज्यादा दौलत-शोहरत?

कियारा आडवाणी व कृति सेनन इन दिनों हर जगह छाई हुई हैं. अपनी एक्टिंग के साथ खूबसूरती से वो लोगों का दिल जीत लेती हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेसेस जबरदस्त एक्शन करती हुई नजर आती हैं. फैंस भी इनको स्टंट करता देख दंग रह जाते हैं. इन दिनों एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और कृति सेनन मेकर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं. कृति सेनन और कियारा आडवाणी की कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं. दोनों ने इंडस्ट्री में खूब नाम कमा लिया है. आइए आपको बताते हैं कि दोनों एक्ट्रेसेस ने कितनी दौलत कमा ली है.

कियारा आडवाणी हाल ही में बेटी की मां बनी हैं. साथ ही उनकी फिल्म वॉर 2 रिलीज हो गयी है. कियारा का ग्लैमरस अवतार वॉर 2 में देखने को मिल रहा है. वॉर 2 में कियारा ने अपने बिकिनी लुक से हर किसी को चौंकाकर रख दिया है. फैंस ऋतिक और जूनियर एनटीआर से ज्यादा कियारा पर नजर लगाए बैठे हैं.

कितनी है कियारा की नेटवर्थ

एक रिपोर्ट के मुताबिक कियारा आडवाणी की नेटवर्थ 40 करोड़ है. कियारा फिल्म, ब्रांड एंडोर्समेंट और इंवेस्टमेंट से तगड़ी कमाई करती हैं. वो एक इंस्टाग्राम पोस्ट से भी करोड़ों रुपये कमाती हैं. उनके पास आलीशान घर भी है जिसकी कीमत करोड़ों में है. साथ ही उनके पास कई लग्जीरियस गाड़ियां भी हैं.

ये हैं कियारा की हिट फिल्में

कियारा आडवाणी ने अपने करियर में कई शानदार फिल्मों में काम किया है. उनकी कई फिल्मों ने जबरदस्त कमाई की है. इसमें 'जुग जुग जियो', 'गुड न्यूज', 'सत्यप्रेम की कथा', 'कबीर सिंह', 'भूल भुलैया 2' और 'शेरशाह' है. 'कबीर सिंह' ने कियारा आडवाणी की जिंदगी बदलकर रख दी थी. इसके बाद से उनके पास प्रोजेक्ट्स की लाइन लगने लगी है.

कृति सेनन की नेटवर्थ

कृति सेनन को इंडस्ट्री में 10 साल से ज्यादा हो चुके हैं. उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है. 10 साल के करियर में कृति बिजनेसवुमेन भी बन चुकी हैं. उनका एक ब्यूटी ब्रांड तो है ही साथ ही एक प्रोडक्शन हाउस भी है. एक रिपोर्ट के मुताबिक कृति सेनन की नेटवर्थ 82 करोड़ है. वो एक फिल्म के लिए 5-8 करोड़ चार्ज करती हैं. इसके अलावा इंस्टाग्राम पोस्ट और ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कृति मोटी कमाई करती हैं.

कृति सेनन की हिट फिल्में

कृति के पास अभी भी फिल्मों की लाइन लगी हुई हैं. उनकी कई फिल्में आने के लिए तैयार हैं.

उनकी हिट फिल्मों की लिस्ट की बात करें तो इसमें 'मिमी', 'तेरी बातों में ऐसा उल्टा जिया', 'दो पत्ती', 'दिलवाले', 'हीरोपंती', 'लुका छुपी', 'हाउसफुल 4' और 'क्रू' हैं.

58 की उम्र में भी कैसे हैं माधुरी दीक्षित बला की खूबसूरत

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित 58 की उम्र में भी बेहद हसीन लगती हैं. क्या है उनकी स्किन केयर रुटीन. बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार माधुरी दीक्षित 58 साल की उम्र में भी खूबसूरत और जवान लगती हैं. हर कोई उनके ग्लोइंग स्किन का मुरीद है. इस उम्र में कैसे है उनकी स्किन इतनी यंग है? आइए जानते हैं इसका सीक्रेट.

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल 58 वर्ष की हो गई हैं लेकिन उनकी ब्यूटी और फिटनेस देख उनके उम्र का अंदाजा लगा पाना मुश्किल है. उनका स्किन आज भी बहुत जवान नजर आता है. अदाकारा अपने स्किन का खास ख्याल रखती हैं जिससे इस उम्र में भी उनकी त्वचा इतनी मुलायम और ग्लोइंग है. आइए जानते हैं कैसे माधुरी दीक्षित करती हैं अपना स्किनकेयर.

अगर आप भी अदाकारा की तरह ही खूबसूरत और जवान दिखना चाहती हैं तो ट्राय करें ये टिप्स और इसके लिए आपको किसी महंगे प्रोडक्ट की भी जरूरत नहीं है. अदाकारा ने एक वीडियो में बताया था कि उनके ग्लोइंग स्किन के पीछे का राज नारियल पानी भी है. वो हर रोज नारियल पानी पीती हैं जो स्किन के लिए बहुत हेल्थी होता है. इससे स्किन और शरीर दोनों हाइड्रेट रहता है. माधुरी दीक्षित घर पर ही नेचुरल तरीके से ओटमील का फेस मास्क बनाती हैं. इसके लिए एक्ट्रेस ओटमील के साथ कच्चा दूध और शहद का इस्तेमाल करती हैं. कच्चे दूध से चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है और शहद चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करता है.

ओटमील में कच्चा दूध और शहद मिला के आप एक फेसमास्क बना ले और इसे 15 मिनट तक अपने चेहरे पर लगा के छोड़ दे बाद में ठंडे पानी से इसे वॉश कर लें. इसके अलावा माधुरी दीक्षित अपने स्किन में एलोवेरा जेल का फेस पैक भी यूज करती हैं. इसके लिए वो दूध, शहद और एलोवेरा जेल मिक्स कर नेचुरल फेस मास्क बनाती हैं. इससे उनकी स्किन और भी चमकदार और ब्राइट हो जाती है. एक्ट्रेस की तरह ही आप भी महंगे प्रोडक्ट के बजाय अगर आप भी ये नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें और अपने स्किन को हेल्थी रखें.

कास्टिंग काउच से परेशान होकर बॉलीवुड छोड़ना चाहती थीं सुरवीन चावला

हो गई थीं डिप्रेशन का शिकार

एक्ट्रेस सुरवीन चावला ने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है. वो ओटीटी पर राज करती हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी सीरियल्स से की थी. उन्होंने टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय किया है. सुरवीन ने इस दौरान कई मुश्किलों का भी सामना किया है. उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में कास्टिंग काउच के बारे में बताया था. वो इतना परेशान हो गई थीं कि उन्होंने इंडस्ट्री छोड़ने तक का फैसला कर लिया था. सुरवीन चावला ने एक इंटरव्यू में कास्टिंग काउस को लेकर कई खुलासे किए थे. उन्होंने बताया था कि इंडस्ट्री में वो कई बार इसका अनुभव कर चुकी हैं. उन्होंने कहा था- 'मुंबई के वीरा देसाई रोड की एक कहानी सुनाती हूं. ऑफिस केबिन में मीटिंग के बाद वो मुझे गेट तक छोड़ने के लिए आए. उस समय मेरी शादी हो चुकी थी. हमने मीटिंग में मेरे पति के बारे में बात भी की थी.'

किस करने की कोशिश की

सुरवीन ने आगे कहा - 'जब वो मुझे बाय कहने के लिए गेट पर आए तो वो मेरी तरफ झुके और मुझे किस करने की कोशिश करने लगे. मुझे उन्हें पीछे धकेलना पड़ा. मैं चौक गई उनसे पूछा वो क्या कर रहे हैं. उसके बाद मैं वहां से चली गई थी.'

सुरवीन ने बताया था कि एक समय था जब कास्टिंग काउच का ट्रेंड था. जिसकी वजह से उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स खो दिए थे क्योंकि मुझमें ना कहने की हिम्मत थी. वो दौर बहुत मुश्किल था क्योंकि मुझे चुपचाप बैठना पड़ा. सोचने लगी थी मैं ये नहीं कर सकती हूं. मैं इसके लिए नहीं आई हूं.

डिप्रेशन में चली गई थीं एक्ट्रेस

सुरवीन ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उनका पहला ब्रेकअप हो गया था तो उन्होंने अपने एक्स बॉयफ्रेंड के दोस्त को डेट करना शुरू कर दिया था. जिसके बाद लोग उन्हें गालियां देने लगे थे. इतना ही नहीं उनके बारे में गंदी बाते करने लगे थे. जिसकी वजह से वो डिप्रेशन में चली गई थीं और बस रोती रहती थीं.

इब्राहिम अली खान का हाथ थाम रैंप पर उतरीं राशा थडानी, यूजर्स बोले- 'स्वर्ग से आई जोड़ी'

90 के दौर की फेमस एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी एक बार फिर सुर्खियों में हैं. दरअसल हाल ही में राशा ने इब्राहिम अली खान के साथ इंडिया कॉउचर वीक 2025 में वॉक की. दोनों ने हाथों में हाथ डालकर रैंप पर एंट्री ली. जिसे देख हर कोई उनपर दिल हार बैठा. दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. जिसपर यूजर्स भी खूब प्यार लुटा रहे हैं.

इब्राहिम का हाथ थामकर रैंप पर उतरीं राशा

राशा थडानी और इब्राहिम अली खान का वीडियो इंस्टा पेज पर शेयर किया गया है. जिसमें दोनों ट्रेडिशनल अवतार में दिखे. उनका ये रॉयल लुक देख फैंस जोड़ी के दीवाने बन चुके हैं. राशा ने रैंप पर इब्राहिम का हाथ थामकर एंट्री ली. दोनों के फेस पर कॉन्फिडेंस दिखा और वॉक में स्टाइल. इसलिए यूजर्स भी इनकी कमेंट सेक्शन में तारीफ करते दिखे.

यूजर्स ने के ऐसे-ऐसे कमेंट

राशा और इब्राहिम के वीडियो पर हजारों लाइक्स और कमेंट आ चुके हैं. एक यूजर ने लिखा कि, 'बॉलीवुड की बेस्ट जोड़ी', दूसरे ने लिखा कि, 'ये तो सैफ-रवीना का यंग वर्जन हैं.' इसके अलावा एक ने कमेंट में लिखा, 'स्वर्ग से आई हुई जोड़ी..' इसके अलावा कुछ यूजर्स राशा के वॉक की भी तारीफ करते हुए नजर आए.

राशा और इब्राहिम का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो राशा थडानी ने फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. फिल्म में उनके साथ अजय देवगन भी दिखाई दिए थे. फिल्म में राशा का काम लोगों को पसंद आया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये कुछ कमाल नहीं दिखा पाई. वहीं इब्राहिम इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सरजमीन' को लेकर सुर्खियों में हैं. जिसमें काजोल ने उनकी मां का रोल निभाया है. फिल्म में इब्राहिम का इंटेंस लुक देखने को मिला है.

छह महीने इंतजार के बाद धड़क 2 पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

सिद्धांत चतुर्वेदी-तृप्ति डिमरी स्टारर धड़क 2 सिनेमाघरों में 1 अगस्त यानी आज रिलीज हो रही है. फिल्म की एडवांस बुकिंग को ओपन नहीं किया गया है. जातिगत भेदभाव पर बनी इस सीरियस लव स्टोरी का सीधा क्लैश अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 से होने वाला है. वहीं 'सैयारा' की आंधी भी इन फिल्मों की रिलीज पर असर डाल सकती है.

लेकिन फिलहाल हम बात करेंगे धड़क 2 की, जिसकी राह मेकिंग से समय से ही मुश्किल रही है. फिल्म की कहानी भले ही रोमांटिक या लव स्टोरी है, लेकिन एक सीरियस इश्यू के बीच बुनी गई है. इस वजह से ये बहुत सेंसिटिव हो जाती है. मेकिंग के दौरान फिल्म को कई सोच और बाधाओं को पार करना पड़ा.

अप्रूवल के लिए 6 महीने का इंतजार, क्यों?

धड़क 2 तमिल फिल्मकी रीमेक है, जो कास्टिस्म की बात करती है. इसकी को-प्रोड्यूसर मीनू अरोड़ा ने बताया है कि तमिल फिल्म के प्रोड्यूसर रंजित को मनाना आसान नहीं था. उनसे रीमेक राइट्स लेने के लिए मीनू को 6 महीने तक चक्कर काटने पड़े. क्योंकि पा रंजित को डाउट था कि बॉलीवुड में रीमेक बनने से फिल्म का असली मतलब और आत्मा खो जाएगी. उन्हें मनाने में मीनू को 6 महीने का वक्त लगा.

आखिरकार जब उन्होंने देखा कि मीनू इस प्रोजेक्ट में इमोशनली कितनी इंवेस्टेड हैं, तब जाकर उन्होंने हां कहा. मीनू मानती हैं कि ऐसी कहानियों का अलग-अलग भाषा में कहा जाना बहुत जरूरी है. जाति भेदभाव की वजह से प्यार में आई दूरियां और तड़प ही धड़क 2 को खास बनाती है. ये सीधे तौर पर इंसान की भावनाओं पर चोट करती है.

फिल्म के सीन्स-डायलॉग पर जमकर चली कैंची, क्या हटाया?

फिर जहां देश में हर मुद्दे को सेंसिटिव और भावनाओं को आहत करने वाले पैमाने पर तोला जाता है. ऐसे में बहुत मुमकिन था कि फिल्म सेंसर बोर्ड में अटक जाती. हालांकि मेकर्स के मुताबिक फिल्म को पहले ही सभी पैमानों पर जांच कर फाइनल किया गया. लेकिन बावजूद इसके सेंसर बोर्ड की इस पर कैंची चली और धड़क 2 में 16 कट्स लगाए गए. फिल्म को 'U/A 16+' रेटिंग दी गई है, जो 'A' से एक स्तर नीचे की परिपक्वता श्रेणी है .

वहीं कई डायलॉग्स तक में बदलाव किए गए. जैसे- "3,000 साल का पिछड़ापन 70 साल में खत्म नहीं होगा." इसे बदलकर कर दिया गया- "सदियों पुराना पिछड़ापन 70 साल में खत्म नहीं होगा."

एक दूसरा डायलॉग जो कहा जा रहा है कि बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के उदाहरण से जुड़ा था, उसमें भी बदलाव हुआ. असली बातचीत थी- "नीलेश ये कलम देख रहे हो...., राज कर रहे हैं." इसे बदलकर कर दिया गया- "यह छोटा-सा ढक्कन पूरी कलम का थोड़ा सा हिस्सा है, और बाकी के हम, फिर भी हमारे सिर पर बैठे हुए हैं क्यों."

फिल्म की शुरुआत में पहले 20 सेकंड का डिस्क्लेमर दिखाया जाता था, जिसे अब बदलकर 1 मिनट 51 सेकंड लंबा कर दिया गया है और उसे जोर से पढ़ा भी जाता है. सेंसर बोर्ड ने न तो पुराने डिस्क्लेमर की सामग्री बताई, न ही नए डिस्क्लेमर की. एक जगह जहां गाली थी, उसे म्यूट कर दिया गया. एक सीन जिसमें महिला के साथ हिंसा दिखाई गई थी, उसे हटाकर वहां ब्लैक स्क्रीन कर दी गई.

धड़क 2 की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होती है, इसकी रिलीज डेट पर भी लंबी खींचतान रही है. ये फिल्म पहले नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी रिलीज को बाद में मार्च के लिए टाल दिया गया. हालांकि वो तारीख भी छूट गई. अब फिल्म 1 अगस्त को रिलीज होगी. को-प्रोड्यूसर मीनू अरोड़ा बता चुकी हैं कि ये उनकी दिली ख्वाहिश थी कि इस फिल्म को करण जौहर ही प्रोड्यूस करें, उनका मानना है कि वो इस फिल्म के इमोशन्स को बेहतर समझ सकते हैं. जोकि उनके मुताबिक हुआ भी है.

डॉक्टरी छोड़ आकांक्षा सिंह कैसे बनी टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस

बॉलीवुड हो या टीवी इंडस्ट्री बहुत ही हसीनाएं ऐसी हैं, जिन्होंने पहले दूसरे प्रपोफेशन को चुना था. बाद में उन्होंने एक्ट्रेस बनने का तय किया और ग्लैमरस वर्ल्ड में एंट्री कर खूब नाम भी कमाया.

आकांक्षा सिंह का जन्म 30 जुलाई को 1990 में जयपुर में हुआ था. एक्ट्रेस की मां एक थिएटर आर्टिस्ट रही हैं, ऐसे में घर में शुरू से कला का माहौल था. लेकिन, आकांक्षा ने पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी की डिग्री हासिल की.

पढ़ाई के साथ-साथ आकांक्षा थिएटर करती रहीं, इसी वजह से उन्हें एंटरटेनमेंट की दुनिया में एंट्री मिली. एक्ट्रेस को पहला ब्रेक ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा में मिला. इस शो में आकांक्षा की सादगी और दमदार एक्टिंग को फैंस ने खूब पसंद किया.

उसके बाद आकांक्षा को

'गुलमोहर ग्रैंड' में अहम भूमिका निभाते हुए देखा गया. उसके बाद उन्हें 'बॉक्स क्रिकेट लीग' जैसे रियलिटी शो में भी देखा गया. एक्ट्रेस ने शॉर्ट फॉर्मेट शोज 'ऐ जिंदगी' में भी एक्टिंग किया.

उसके बाद आकांक्षा ने 2017 में बद्रीनाथ की दुल्हनिया से बॉलीवुड में एंट्री की. एक्ट्रेस को तेलुगु फिल्म मल्ली रावा में लीड रोल में देखा गया. इसके बाद उन्हें देवदास और पैलवान में देखा गया.

टीवी की ये पॉपुलर एक्ट्रेस शुरू से एक्टिंग में करियर नहीं बनाना चाहती थी पहले ये फिजियोथेरेपिस्ट थीं और बाद में एंटरटेनमेंट की दुनिया में एंट्री मारी. 2021 में आकांक्षा ने 'परंपरा' से ओटीटी पर भी कदम रखा. इसके बाद उन्हें 'रंगबाजः डर की राजनीति', 'एस्केप लाइव' और 'मीट क्यूट' जैसी वेब सीरीज में देखा गया.

2022 में रिलीज हुई फिल्म रनवे 34 में आकांक्षा ने अजय देवगन की वाइफ पत्नी समायरा खन्ना की भूमिका निभाई थी. इस फिल्म में उन्होंने शानदार एक्टिंग की जिससे फैंस काफी इंप्रेस किया.

पूर्व पति संजय के संपत्ति विवाद के बीच करिश्मा बच्चों संग पहुंची दिल्ली

करिश्मा कपूर अपने पूर्व पति संजय कपूर के निधन के बाद से सुर्खियों में हैं। अब एक्ट्रेस इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि दिवंगत पूर्व पति की 30 हजार करोड़ की संपत्ति को लेकर परिवार में विवाद छिड़ा हुआ है। इसी बीच एक्ट्रेस का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें अपने बच्चों के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर देखा जा रहा है। आइए देखें क्या है वायरल वीडियो।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें करिश्मा कपूर अपने बच्चों कियान और समायरा के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर दिख रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री व्हाइट शर्ट और ब्लू जींस के साथ ब्लैक कलर का गॉगल लगाए दिख रही हैं।

साथ ही एक एक्ट्रेस के दोनों बच्चे भी उनके साथ आते हुए नजर आ रहे हैं। फिर अंत में देखा जाता है अभिनेत्री वहां खड़ी ब्लैक कलर की गाड़ी में बैठकर कहीं रवाना होने के लिए निकल जाती हैं।

मशहूर बिजनेसमैन और करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर की मौत के बाद उनकी 30 हजार करोड़ की संपत्ति के मालिकाना हक को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ये विवाद दिवंगत बिजनेसमैन की मां रानी कपूर और उनकी पत्नी प्रिया सचदेवा के बीच उलझा हुआ नजर आ रहा है। इसी बीच करिश्मा कपूर का ये वीडियो कई सवाल खड़े करता हुआ नजर आ रहा हैं। हालांकि, आपको बताते चलें कि अभिनेत्री अपने दिवंगत पूर्व पति संजय कपूर की संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं चाहती हैं।

12 जून को लंदन में पोलो मैच खेलने के दौरान संजय कपूर अचानक जमीन पर गिर पड़े थे, जिस कारण उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। निधन के कारणों में बताया गया कि उन्हें एक मधुमक्खी ने काट लिया था। 19 जून को बिजनेसमैन संजय कपूर का अंतिम संस्कार किया गया और 22 जून की उनकी श्रद्धांजलि सभा दिल्ली में आयोजित की गई थी, जिसमें कई दिग्गज सितारे शामिल हुए और अभिनेत्री करिश्मा कपूर भी अपने बच्चों संग पहुंची थी।

पीएम शरीफ ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को 'ऐतिहासिक' बताया,ट्रंप की भारत को चिढ़ाने की कोशिश

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की खबरों के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को इस्लामाबाद और वाशिंगटन के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को धन्यवाद दिया। लंबे समय तक ओसामा बिन लादेन जैसे खूंखार आतंकी को पालने वाले देश के पीएम ने यह भी उम्मीद जताई कि इससे दोनों देशों (अमेरिका-पाकिस्तान) के बीच सहयोग बढ़ेगा। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की खबरों के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को इस्लामाबाद और वाशिंगटन के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को धन्यवाद दिया। लंबे समय तक ओसामा बिन लादेन जैसे खूंखार आतंकी को पालने वाले देश के पीएम ने यह भी उम्मीद जताई कि इससे दोनों देशों (अमेरिका-पाकिस्तान) के बीच सहयोग बढ़ेगा। पाकिस्तान लंबे समय से अपने तट पर बड़े तेल भंडार होने का दावा करता रहा है, लेकिन इन भंडारों का इस्तेमाल करने में कोई प्रगति नहीं हुई है। देश वर्तमान में अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मध्य पूर्व से तेल आयात करता है। प्रधानमंत्री शरीफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मैं ऐतिहासिक अमेरिका-पाकिस्तान व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में उनकी नेतृत्वकारी भूमिका के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प को हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसे कल रात वाशिंगटन में दोनों पक्षों की ओर से सफलतापूर्वक अमलीजामा पहनाया गया। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को बढ़ाएगा, जिससे आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी की सीमाओं का विस्तार होगा।सरकारी रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, यह सफलता वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब की वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जैमीसन ग्रीर के साथ हुई बैठक के दौरान मिली। टुथ सोशल पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। पाकिस्तान के साथ समझौते का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को चिढ़ाने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा, हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जाने, शायद वे किसी दिन भारत को तेल बेचेंगे! रिपोर्ट के अनुसार, व्यापार समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना, बाजार पहुंच का विस्तार करना, निवेश आकर्षित करना और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है। इसमें कहा गया है, इस समझौते के परिणामस्वरूप, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका को पाकिस्तानी निर्यात पर पारस्परिक शुल्क में कमी आएगी। यह समझौता विशेष रूप से ऊर्जा, खनन और खनिज, आईटी, क्रिप्टोकरेंसी और अन्य क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के दायरे को व्यापक बनाने के पाकिस्तान के मौजूदा प्रयासों का पूरक है, तथा अमेरिकी बाजार तक उसकी पहुंच को भी बढ़ाता है।

मुनाफा भी गिरा और कमाई भी कम हुई... अडानी की 'दुधारू गाय' का आया नतीजा, क्यों आई गिरावट?

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। गौतम अडानी की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने गुरुवार को अपने वित्तीय नतीजे जारी किए। कंपनी को जून 2025 में समाप्त तिमाही में 976.48 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 1,772.26 करोड़ रुपये था। इस तरह मुनाफे में 45% की गिरावट आई है।कंपनी की कमाई भी कम हुई है। वित्त वर्ष 2026 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी ने 21,961.20 करोड़ रुपये कमाए। जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 25,472.40 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी की कमाई में 13.7% की गिरावट आई है। कंपनी ने बताया कि एकीकृत संसाधन प्रबंधन (आईआरएम) और वाणिज्यिक खनन सेग्मेंट्स में कम व्यापार और कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण जून तिमाही के नतीजों पर असर पड़ा है। आईआरएम में कंपनी कोयला और अन्य संसाधनों का व्यापार करती है। वाणिज्यिक खनन में कंपनी कोयला खदानों से कोयला निकालती है। अडानी ग्रुप की मुख्य कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का ईबीआईटीडीए 3786 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 4,300 करोड़ रुपये था। इस तरह ईबीआईटीडीए में 12% की गिरावट आई है। ईबीआईटीडीए का मतलब होता है कंपनी की कमाई, जिसमें ब्याज, टैक्स, डिप्रिसिएशन और अमॉर्टाइजेशन शामिल नहीं होते हैं। इससे पता चलता है कि कंपनी का ऑपरेशन कैसा चल रहा है। जून 2025 तिमाही में कंपनी का टैक्स से पहले का मुनाफा 1,466 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी अवधि में यह 2,236 करोड़ रुपये था। इस तरह मुनाफे में 34% की गिरावट आई है। कंपनी के नए व्यवसायों से ईबीआईटीडीए 5% बढ़कर 2,800 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल यह 2,667 करोड़ रुपये था। एयरपोर्ट और रोड सेग्मेंट में अच्छी ग्रोथ के कारण ऐसा हुआ है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा, 'हमारे नए व्यवसायों से ईबीआईटीडीए में बढ़ोतरी हमारी ऑपरेटिंग मॉडल की ताकत और विस्तार को दिखाती है।

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को मिलेगी 2000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता, कैबिनेट की मंजूरी मिली

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक 4 साल की अवधि के लिए 2000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्रीय क्षेत्र योजना 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को अनुदान सहायता' को मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी है। सरकार की ओर से बताया गया है कि वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक 4 वर्षों की अवधि के लिए 2000 करोड़ रुपये का परिव्यय किया जाएगा। एनसीडीसी चार वर्षों की अवधि में खुले बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी। एनसीडीसी की ओर से नई परियोजनाओं की स्थापना/संयंत्रों के विस्तार, सहकारी समितियों को ऋण देने और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देने हेतु निधियों का उपयोग किया जाएगा। सरकार ने बताया है कि इस कदम से देश भर में डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और कोल्ड स्टोरेज जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के 2.9 करोड़ सदस्यों; श्रम और महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को लाभ मिलेगा। वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दी है। इस कदम से संगठन को ऋण देने के लिए अधिक धन जुटाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, एक अच्छे वित्तीय मॉडल को और अधिक समर्थन देने के लिए, मंत्रिमंडल ने एनसीडीसी के लिए चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी अनुदान सहायता को मंजूरी दी। एनसीडीसी 8.25 लाख से अधिक सहकारी समितियों को ऋण देता है, जिनके 29 करोड़ सदस्य हैं। कुल सदस्यों में से 94 प्रतिशत किसान हैं। मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय सहायता से एनसीडीसी आगे ऋण देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त जुटाने में सक्षम हो सकेगी।

चांदी 1,655 गिरकर 1.12 लाख किलो पर आई

सोने का दाम 603 कम होकर 98,414 प्रति 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 31 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 603 रुपए गिरकर 98,414 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोने का भाव 99,017 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,655 रुपए कम होकर 1,11,745 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,13,400 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,180 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,850

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,030 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,700

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,030 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,700

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,030 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,700

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,080 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800

हैदराबाद :24 कैरेट सोने की कीमत 101,987 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट के लिए 93,957

रतन टाटा का अधूरा काम पूरा करेंगे चंद्रशेखरन!

टाटा ट्रस्ट्स ने दी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस है। इस कंपनी में टाटा ट्रस्ट्स की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है। टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को एक खास काम सौंपा है। उन्हें कहा गया है कि वह टाटा संस के सबसे बड़े माइनॉरिटी शेयरहोल्डर शापूरजी पलौनजी ग्रुप से बात करें। टाटा ट्रस्ट्स मिस्त्री फैमिली के मालिकाना हक वाले एसपी ग्रुप को टाटा संस से बाहर निकलने का रास्ता देना चाहते हैं। यह पहला मौका है जब टाटा ट्रस्ट्स ने खुलकर टाटा संस से कहा है कि वह एसपी ग्रुप के लिए एग्जिट प्लान बनाए। इससे पहले रतन टाटा के समय में टाटा ट्रस्ट्स ने एसपी ग्रुप के एग्जिट के अनुरोध को ठुकरा दिया था। एसपी ग्रुप चाहता था कि टाटा संस की संपत्ति और देनदारियों को उसकी 18.37% हिस्सेदारी के हिसाब से बांटा जाए, लेकिन टाटा ट्रस्ट्स ने तब मना कर दिया था। टाटा ट्रस्ट्स का नया फैसला ऐसे समय आया है जब आरबीआई ने टाटा संस को 30 सितंबर तक स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने का आदेश दिया है। अगर टाटा संस लिस्ट हो जाती है, तो एसपी ग्रुप को अपने आप ही कंपनी से बाहर निकलने का मौका मिल जाएगा। एसपी ग्रुप 1928 से टाटा संस में शेयरहोल्डर है। लेकिन टाटा ट्रस्ट्स चाहते हैं कि टाटा संस प्राइवेट कंपनी ही बनी रहे। वे आरबीआई के लिस्टिंग के नियम से बचना चाहते हैं।

तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ का फैसला अमेरिकी उद्योगों पर पड़ सकता है भारी, जीटीआरआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अर्ध-निर्मित तांबे और तांबा आधारित उत्पादों के आयात पर 1 अगस्त से 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाने का फैसला अमेरिकी उद्योगों पर ही भारी पड़ सकता है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने यह दावा किया है। जीटीआरई का कहना है कि यह फैसला आयात निर्भरता कम करने के बजाय अमेरिकी घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा सकता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिका ने लगाया टैरिफ

अमेरिका ने व्यापरा विस्तार अधिनियम की धार 232 के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हावला देते हुए यह बड़ा फैसला किया है। इस कदम को 29 जुलाई, 2025 को जारी राष्ट्रपति की घोषणा के जरिए औपचारिक रूप दिया। इस निर्णय का उद्देश्य विदेशी तांबे पर निर्भरता को कम करना है। इसके बारे में अमेरिका का दावा है कि यह रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण घरेलू क्षेत्रों के लिए खतरा पैदा करता है।

अमेरिका है कच्चे माल पर निर्भर

जीटीआरआई का अनुमान अमेरिकी दावों से विपरीत है। उनके अनुसार तांबा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), पावर ग्रिड, अर्धचालकों और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक आधारभूत कच्चा माल है। रिपोर्ट में कहा गया कि इनपुट लागत में अचानक 50% की वृद्धि से इन क्षेत्रों में प्रभाव पड़ेगा, उत्पादन धीमा हो जाएगा, कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिका में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को नुकसान पहुंचेगा।

वित्त वर्ष25 में भारत ने यूएस को 360 मिलयन डॉलर का तांबे का किया निर्यात

भारत ने वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका को 360 मिलियन डॉलर मूल्य के तांबे के उत्पादों का निर्यात किया। इसमें प्लेट, ट्यूब और अन्य अर्ध-तैयार उत्पाद शामिल हैं। इसमें कहा गया कि ये शिपमेंट अब ज्यादा महंगे होंगे। हालांकि टैरिफ सभी देशों पर समान रूप से लागू होता है, जिसमें जापान और यूरोपीय संघ जैसे सहयोगी देश भी शामिल हैं। इससे वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के बीच समान अवसर पैदा होते हैं। भारत को दूसरों की तुलना में किसी विशेष नुकसान का सामना करने की संभावना नहीं है।

अमेरिका के डाउनस्ट्रीम उद्योगों को होगा नुकसान

इसके अलावा, जीटीआरआई का मानना है कि भारत के तांबा व्यापार पर इसका प्रभाव सीमित होगा। अपने घरेलू क्षेत्र की रक्षा करने की कोशिश में, अमेरिका अपने डाउनस्ट्रीम उद्योगों को दंडित करने का जोखिम उठा रहा है।

ट्रंप के टैरिफ बम से बाजार हिला

सेंसेक्स 296 अंक टूटा, निफ्टी भी लुढ़का

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप के भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले का असर घरेलू बाजार में देखने को मिला। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 296.28 अंक या 0.36 प्रतिशत गिरकर 81,185.58 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 786.71 अंक या 0.96 प्रतिशत गिरकर 80,695.15 पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 86.70 अंक या 0.35 प्रतिशत गिरकर 24,768.35 अंक पर बंद हुआ।

अमेरिका की दबाव बनाने वाली रणनीति

टैरिफ की इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसने हाल के दिनों में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं। यह जुर्माना ऐसे समय लगाया गया है जब भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीदारी की है। भारत रूसी आयात के लिए जुर्माना झेलने वाला पहला देश है।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी पोर्ट्स, एनटीपीसी और एशियन पेंट्स सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। वहीं एफएमसीजी प्रमुख हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने 3.48 प्रतिशत की छलांग लगाई, क्योंकि फर्म ने वित्त वर्ष 26 की जून तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में 5.97 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,768 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा इटरनल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और पावर ग्रिड भी लाभ में रहे।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिलाजुला रुख

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ। मध्य सत्र के कारोबार में यूरोपीय बाजार मिश्रित रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 72.70 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत गिरकर 72.70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 850.04 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। पिछले सत्र में सेंसेक्स 143.91 अंक या 0.18 प्रतिशत चढ़कर 81,481.86 पर बंद हुआ था।निफ्टी 33.95 अंक या 0.14 प्रतिशत बढ़कर 24,855.05 पर बंद हुआ था।

सेना के 25.20 लाख पात्र पेंशनधारकों को मिली 'वन रैंक वन पेंशन', जारी हुआ 16,925 करोड़ रुपए का भुगतान

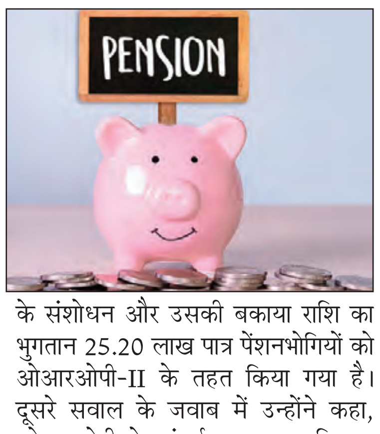

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के 25.20 लाख पात्र पेंशनभोगियों को बतौर 'वन रैंक वन पेंशन', के तहत 16,925.20 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। संसद के मानसून सत्र के दौरान रक्षा मंत्रालय में राज्यमंत्री संजय सेठ ने यह जानकारी दी है। रक्षा राज्यमंत्री ने बताया कि ओआरओपी-I और ओआरओपी-II के अंतर्गत रक्षा बल कार्मिकों के सभी पात्र लाभार्थियों को बकाया राशि का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। राज्यसभा में 28 जुलाई को डॉ.वी शिवादासन ने वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) को लेकर तीन सवाल पूछे थे। इनमें पहला सवाल, क्या 'वन रैंक वन पेंशन' योजना के अंतर्गत संपूर्ण बकाया राशि का भुगतान कर दिया गया है। दूसरा सवाल, विगत तीन वर्षों के दौरन ओआरओपी योजना के बकाया भुगतान के लिए सरकार द्वारा कितनी राशि आवंटित और व्यय की गई है। तीसरा सवाल, पूर्व सैन्य कर्मियों को भुगतान के लिए लंबित बकाया राशि कितनी है। रक्षा मंत्रालय में राज्यमंत्री संजय सेठ ने पहले सवाल के जवाब में बताया कि ओआरओपी-I और ओआरओपी-II के अंतर्गत रक्षा बल कार्मिकों के सभी पात्र लाभार्थियों को बकाया राशि का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। हालांकि, पेंशन के संशोधन और उसकी बकाया राशि का भुगतान 25.20 लाख पात्र पेंशनभोगियों को ओआरओपी-II के तहत किया गया है। दूसरे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ओआरओपी के अंतर्गत बकाया राशि का भुगतान करने के लिए कोई पृथक बजट शीर्ष आवंटित नहीं किया गया है। तथापि, ओआरओपी-II के अंतर्गत मार्च 2024 तक बकाया राशि के रूप में 16,925.20 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है और ओआरओपी-III के अंतर्गत 18.07.2025 तक 1,271.74 करोड़ रुपए की बकाया राशि का भुगतान किया जा चुका है। तीसरे सवाल के जवाब में रक्षा राज्यमंत्री ने बताया कि भुगतान के लिए लंबित बकाया राशि परिवर्ती (डायनेमिक) होती है। भूतपूर्व सैनिकों की पेंशन के संशोधन के अनुसार, प्राप्त जानकारी के आधार पर संवितरण एजेंसी द्वारा निर्धारित की जाती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 — 05-58 / 18-46
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क...	04-53 बजे
चन्द्र	तुला	सिंह---	07-05 बजे
मंगल	कन्या	कन्या...	09-11 बजे
बुध	कर्क	तुला----	11-17 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक...	13-27 बजे
शुक्र	मिथुन	धनु......	15-41 बजे
शनि	मीन	मकर...	17-47 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ....	19-37 बजे
केतु	सिंह	मीन....	21-15 बजे
		मेष.....	22-51 बजे
		वृष....	00-36 बजे
		मिथुन..	02-37 बजे

दिशाशूल- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी अहोरात्र तक
मास- श्रावण शुक्ल , शुक्रवार 01 August
नक्षत्र- स्वाति 03-40 तक उपरान्त विशाखा
योग - शुभ 05-29 तक उप शुक्ल
करण- विष्टी 18-11 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10-46 से 12-22 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05-57 - 07-33	शुभ	रोग	18-46 - 20-14	शुभ
लाभ	07-33 - 09-09	शुभ	काल	20-14 - 21-37	शुभ
अमृत	09-09 - 10-46	शुभ	लाभ	21-37 - 22-59	अशुभ
काल	10-46 - 12-22	अशुभ	उत्पात	22-59 - 00-23	अशुभ
शुभ	12-22 - 13-59	शुभ	शुभ	00-23 - 01-46	शुभ
रोग	13-59 - 15-35	अशुभ	अमृत	01-46 - 03-09	अशुभ
उत्पात	15-35 - 17-12	अशुभ	चंचल	03-09 - 04-32	शुभ
चंचल	17-12 - 18-46	शुभ	रोग	04-32 - 05-58	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं ।आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे ।अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे ।आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा ।आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्हीं गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है । हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है । आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है । कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दोनों निर्दोष हैं, उन्हें रिहा करें

ननों की गिरफ्तारी में आया ट्विस्ट, महिला ने धर्मांतरण से किया इनकार

रायपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार दो ननों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। लेफ्ट नेताओं जेल में जाकर ननों से मुलाकात की है। ननों पर धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप लगे हैं। वहीं, इस मामले में अब नया मोड़ आ गया है। जिन महिलाओं की तस्करी के आरोप में इन ननों को गिरफ्तार किया गया है। उस महिला ने कहा है कि ननों के खिलाफ बयान देने के लिए पुलिस ने उन्हें मजबूर किया।

दुर्ग रेलवे स्टेशन से हुई थी गिरफ्तारी

दरअसल, बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की शिकायत पर दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने नन प्रीति मैरी, वंदना फ्रांसिस और सुखमन मंडावी को गिरफ्तार किया था। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार नारायणपुर में इन लोगों ने तीन महिलाओं का धर्मांतरण करवाया है। साथ ही उनकी तस्करी की जा रही है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम और अनैतिक व्यापार अधिनियम की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

महिला का आरोप डराया और धमकाया गया

वहीं, जिन महिलाओं के धर्मांतरण के आरोप लगे हैं, उनमें से एक महिला ने इंडियन एक्सप्रेस अखबार से बातचीत में कहा कि ज्योति शर्मा नाम की एक महिला ने उसे धमकाया और पीटा। ज्योति शर्मा एक हिंदूवादी संगठन से जुडी हैं। महिला ने आरोप लगाया है कि ज्योति शर्मा ने ही उसे बयान बदलने के लिए कहा। इसके साथ ही महिला का आरोप है कि पुलिस ने जो शिकायत दर्ज की है, वह बजरंग दल के सदस्यों की दी हुई जानकारी के आधार पर है।

आरोप है कि यह पूरी कार्रवाई बजरंग दल की शिकायत पर हुई है। इस केस से जुड़े बजरंग दल कार्यकर्ता ऋषि मिश्रा का कहना है कि बजरंग दल से जुड़े एक रिक्शा चालक ने ननों और महिलाओं के बीच बातचीत सुनी थी। उसे ही शक हुआ कि महिलाओं की तस्करी हो रही है। उसकी सूचना के आधार पर बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंचे और जीआरपी में शिकायत दर्ज करवाई। ज्योति शर्मा के बारे में ऋषि मिश्रा ने जानकारी दी है कि वह दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति से हैं।

वहीं, ज्योति शर्मा नाम की महिला ने खुद को हिंदुत्ववादी बताया है। साथ ही कहा कि जहां हिंदुत्व को बचाने की जरूरत होती है, वहां पहुंच जाती हैं।

छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण गौतम से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि महिला के आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा कि मामला विचाराधीन है। जिस महिला के

धर्मांतरण का आरोप ननों पर लगाया जा रहा है, वह 21 साल की है। दुर्ग स्टेशन से ले जाकर उसे आश्रय गृह में रखा गया था। पांच दिन वहां रहने के बाद वह नारायणपुर स्थित अपने घर पहुंची।

अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उसने कहा कि उसे बयान बदलने के मजबूर किया गया था। तीनों आरोपियों को रिहा कर दें, वे निर्दोष हैं। उसने कहा कि वह अपनी मर्जी से और अपने माता-पिता की सहमति से ननों के साथ यात्रा करने के लिए शुक्रवार को दुर्ग रेलवे स्टेशन गई थी।

आदिवासी महिला ने आरोप लगाया कि ज्योति शर्मा ने उस पर हमला किया था। दुर्ग में जीआरपी ने हमारा बयान दर्ज नहीं किया। बजरंग दल के सदस्यों के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

उसने बताया कि वह अपने माता-पिता और चार बहनों के साथ रहती है। दिहाड़ी मजदूरी करके हर दिन 250 रुपए कमाती है। गिरफ्तार मंडावी से उसे नौकरी के बारे में पता चला। मंडावी उसी चर्च में जाता है, जहां की दोनों नन हैं। महिला ने कहा कि मंडावी भाई जैसा है।

आदिवासी महिला ने यह भी कहा कि मैं हर दिन नौ किमी साइकल चलाती थी। मैंने 10वीं तक पढ़ाई की है। मंडावी ने मुझे ननों के लिए खाना बनाने और मरीजों की देखभाल करने की नौकरी की पेशकश की थी। उन्होंने खाना-पीना, कपड़े और रहने के लिए घर के साथ 10000 रुपए देने का वादा किया था। मैं खुश थी।

महिला ने गिरफ्तारी के दिन के बारे में बताते हुए कहा कि वह और नारायणपुर के ओरछा की दो अन्य महिलाएं सुबह करीब छह बजे दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचीं। उनके साथ मंडावी भी था। सुबह नौ बजे वहां ननें आईं, जिनसे मैं कभी नहीं मिली थी। इसके तुरंत बाद बजरंग दल का एक कार्यकर्ता और जीआरपी मौके पर पहुंची और पूछताछ शुरू कर दी।

गिरफ्तारी के बाद हमें पुलिस स्टेशन ले गए। वहां बहुत डांटा। साथ ही ज्योति शर्मा नाम की महिला ने दो बार चेहरे पर मारा। साथ ही कहा कि तुम हमारी बात नहीं मानोगी तो तुम्हारे भाई-बहनों को जेल में डाल देंगे और उन पर हमला करेंगे। उन्होंने इसलिए डराया कि हम कहे कि हमें जबरदस्ती लाया गया।

महिला ने कहा कि मैंने उन्हें बताया कि अपनी मर्जी से आई हूं। मेरे माता-पिता ने सहमति दी है। यह पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में कही। वहीं, अंग्रेजी अखबार ने जब ज्योति शर्मा से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि मैंने उनमें से किसी को नहीं छुआ। वहां पहुंची तो ये लोग पुलिस स्टेशन के अंदर थे। क्या पुलिस मुझे उन्हें छूने देगी। मैं पहली बार यह आरोप सुन रही हूं। पहले वे कह रहे थे कि मैंने एक नन को पीटा, यह झूठा आरोप है।

यह पूछे जाने पर कि उन्हें रेलवे स्टेशन पर महिलाओं के बारे में कैसे पता चला, शर्मा ने कहा कि एक कार्यकर्ता ने मुझे फोन किया और कहा कि प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर एक महिला रो रही है और घर जाना चाहती है। उसने मुझे फोन किया और मुझे सतर्क किया।

भूकंप के झटके, कांपी धरती

सुबह हिलने लगे पंखे और बर्तन, घरों से बाहर निकले लोग, 4.1 मांपी गई तीव्रता, कोई नुकसान नहीं

जशपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 7 बजकर 28 मिनट पर तेज आवाज के साथ धरती हिलने लगी। लोग घबराकर घरों ने बाहर निकल आए। 3 से 4 सेकेंड तक झटके महसूस किए गए। फिलहाल, किसी नुकसान की खबर नहीं है।

जानकारी के मुताबिक भूकंप का सेंटर जशपुर का बगीचा नगर था। रिक्टर स्केल पर जिसकी तीव्रता 4.1 मांपी गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, झटका इतनी तेज आवाज के साथ आया कि पहले लगा कोई विस्फोट हुआ है। कुछ सेकेंड दीवारें और छतें थरथराने लगीं।

कई घरों में पंखे, बर्तन और दीवारों पर टंगे सामान हिलने लगे। 3 से 4 सेकेंड बाद ही स्थिति सामान्य हो गई। हालांकि, प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए हैं। जिले में किसी प्रकार की आपात स्थिति घोषित नहीं की गई है।

भूकंप के झटके सिर्फ बगीचा क्षेत्र तक ही सीमित नहीं थे। जिले के अन्य हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए हैं। इसे लेकर प्रशासन की ओर से भौगोलिक सर्वेक्षण और जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया जारी है।

8 महीने पहले बस्तर में आया था भूकंप

बता दें कि, 8 महीने पहले नक्सल प्रभावित इलाके बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

भूकंप का केंद्र तेलंगाना का मुलुगु जिला था, लेकिन झटके महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी महसूस किए गए थे। 5.3 की तीव्रता का भूकंप आया था। जिसका केंद्र जमीन से 40 किलोमीटर की गहराई पर था।

प्रतिष्ठित सराफा-व्यापारी ने खरीदे चोरी के गहने

ढाई लाख की ज्वेलरी को 40 हजार में लिया, वर्धमान ज्वेलर्स का संचालक गिरफ्तार

खैरागढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। खैरागढ़-गंडई-छुईखदान जिले के प्रतिष्ठित सराफा व्यवसायी और वर्धमान ज्वेलर्स के संचालक वैभव लूनिया को राजनांदगांव पुलिस ने पकड़ा है। उन पर चोरी के 2.30 लाख के जेवर को 40 हजार में खरीदने का आरोप है।

वैभव को ये जानकारी थी कि ये चोरी का सामान है, फिर भी उसने गहने खरीदे। पुलिस ने इस आधार पर उसकी गिरफ्तारी की। पकड़ में आने के बाद आरोपी ने खुद स्वीकार किया है कि उसने चोरी के गहने खरीदे।

आरोपी के पास से लाखों रुपए के चोरी के गहने बरामद किए हैं। मामला राजनांदगांव थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, दो अलग-अलग चोरी की घटना में पकड़ाएं चोरों ने ही वैभव लूनिया का नाम बताया था।

राजनांदगांव में चोरी के 2 अलग-अलग मामले सामने आए। पहला मामला तुलसीपुर बख्तावर चाल के रहने वाले मोहम्मद शाहरुख खान के घर में 7 जून 2025 को सेंधमारी हुई थी। वे अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में गए थे, तभी चोरों ने घर का ताला तोड़कर 2.30 लाख रुपए के गहने-नकद चुरा लिए थे। दूसरा मामला 13 जून का है। जहां टांकापारा के रहने वाले बेला प्रसाद के घर से अज्ञात चोरों ने 58 हजार के गहने और नकदी चुराए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। दो अलग-अलग घरों में हुई नकबजनी (कपडे से मुंह ढककर चोरी करना) की जांच के बाद जब पकड़े गए चोरों से पूछताछ की गई तो उन्होंने वैभव लूनिया का नाम बताया, तब राजनांदगांव एसपी मोहित गर्ग के निर्देशन में पुलिस ने कार्रवाई की।

जंगली मशरूम खाने से नौ लोग अस्पताल में भर्ती

बीमार लोगों में एक ही परिवार के 6 सदस्य शामिल, खाने के दो घंटे बाद बिगड़ी तबीयत

पलामू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रबदा केवाल टोला गांव में जंगली मशरूम (खुखड़ी) खाने से नौ लोगों की हालत बिगड़ गई। इनमें एक ही परिवार के छह सदस्य शामिल हैं।

प्रभावित लोगों में आदर्श चौधरी, प्रभा देवी, दुर्गावती देवी, रीता कुमारी, अशोक चौधरी, अखिलेश्वर कुमार, कुर्ती कुंवर, अरविंद कुमार और सुषमा देवी शामिल हैं। तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन सभी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए।

खाने के लगभग दो घंटे बाद सभी को चक्कर आने लगा

घटना बुधवार दोपहर की है, जब सभी ने बांस में निकले जंगली मशरूम को पकाकर खाया था। खाने के लगभग दो घंटे बाद सभी को चक्कर आने लगा। उल्टी होने लगी और वे बेहोशी की स्थिति में पहुंच गए।

परिजन ललन चौधरी ने बताया कि जब घर के लोगों को मशरूम के जहरीले होने का संदेह हुआ, तब वे सभी बीमार लोगों को लेकर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों को मशरूम की तस्वीर दिखाई गई, जिसे डॉक्टरों ने जहरीला बताया।

वर्तमान में सभी मरीज मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सकों की देख-रेख में हैं और उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर है। डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि वे मशरूम खाने से पहले उसकी पहचान सुनिश्चित करें।

नीलांबर इनक्लेव अपार्टमेंट में चोरी

5वें तल्ले पर पहुंचे 2 चोर 3 मिनट में फ्लैट का ताला तोड़ा 15 लाख निकाले

हजारीबाग, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग शहर के पॉश इलाके कोर्रा थाना क्षेत्र में स्थित नीलांबर इनक्लेव अपार्टमेंट में दिनदहाड़े बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने अपार्टमेंट के पांचवें तल पर स्थित एक फ्लैट का ताला तोड़कर करीब 15 लाख रुपए नकद चुरा लिए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के मुताबिक दोपहर 3:18 बजे दो युवक अपार्टमेंट में लिफ्ट से दाखिल होते हैं। पहले वे तीसरे माले पर उतरते हैं, फिर सीढ़ियों से होते हुए पांचवें तल पर पहुंचते हैं। सिर्फ तीन मिनट में ताला तोड़ते हैं और अगले तीन मिनट में अलमारी से नकदी निकालकर फरार हो जाते हैं। दोनों आरोपी पैदल ही अपार्टमेंट से निकलते हैं। थोड़ी दूर जाकर एक ऑटो पकड़ते हैं, लेकिन 50-60 मीटर बाद ही उतरकर देवांगना चौक की ओर पैदल चले जाते हैं।

जिम ट्रेनर निकला स्कूली छात्रा का किडनैपर

2 घंटे में बच्ची मुक्त, 10 घंटे में 4 किडनैपर अरेस्ट

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रांची में एक छात्रा के अपहरण कांड का पुलिस ने महज कुछ ही घंटे में उद्भेदन कर लिया है और किडनैपर को अरेस्ट भी कर लिया है। इससे पहले किडनैपिंग के महज 2 घंटे बाद ही छात्रा को सही सलामत बरामद भी कर लिया गया था।

रांची पुलिस को सूचना मिली कि सिरम टोली फ्लाईओवर से टोटो पर सवार एक स्कूली छात्रा का एक कार पर सवार अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा अपहरण कर फायरिंग करते हुए मेकॉन चौक की तरफ भागे हैं। इस सूचना पर डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की ओर से छात्रा की बरामदगी के लिए टीम गठित करते हुए पूरे जिले की नाकाबंदी के साथ पड़ोसी जिलों में बरामदगी के लिए सघन चेकिंग करने का निर्देश जारी किया गया।

एसएसपी ने बताया कि सभी पड़ोसी जिलों के एसपी से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध किया कि वे सघन चेकिंग अभियान

चलाएं। जिसके तहत 10 जिलों में 90 से ज्यादा स्थानों पर चेकिंग शुरू कर दी गई। गठित टीम की ओर से त्वरित कार्रवाई और पुलिस दबिश के चलते रामगढ़ पुलिस के सहयोग से कुजू ओपी क्षेत्र में अपहृत को सकुशल बरामद किया गया। लेकिन अपराधी वाहन सहित वहां से चकमा देकर फरार हो गए।

वहीं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने 8 टीम गठित की और उन्हें अलग-अलग टास्क दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार, तकनीकी जांच और सभी टीमों की ओर से जांच के बाद अपहरण कांड की घटना में शामिल चारों अपराधी और एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना में शामिल चारों अपराधी ने अपना छद्म नाम अपराध के दौरान रखा था।ताकि पीड़ित पक्ष को या पुलिस को असली अपराधी का नाम पता नहीं चल पाए। अपराधियों ने अपना छद्म नाम हसबुल्ला, सुनील, बिट्टू और प्रीतम रखा था। वहीं घटना में उपयोग किया हुआ हथियार और वाहन भी रांची पुलिस ने बरामद कर लिया गया है। इस घटना में शामिल अपराधकर्मियों में रुद्रांशु विश्वकर्मा, ऋषभ वर्मन और विकास कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि तीन दिन पहले छात्रा की रेकी की गई और भाड़े पर कार लिया गया। उसी कार से यह छात्रा का पीछा कर रहे थे और ऑटो को उन्होंने टक्कर मारी। फिर बीच सड़क पर दहशत फैलाने के मकसद से पहले फायरिंग की उसके बाद अपहरण की घटना को अंजाम दिया गया।

उन्होंने बताया कि इस अपहरण कांड में एक और अपराधी शामिल है। जिसकी गिरफ्तारी का प्रयास पुलिस कर रही है।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी झड़प

लाठी-डंडे और तलवार से हमला पांच लोग घायल, दो की हालत गंभीर

गिरिडीह, 31 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के देवरी थाना क्षेत्र के खोजाटोल गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी झड़प हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई और लाठी-डंडे के साथ तलवार और भाले भी चले।

इस हिंसक घटना में पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों में कुनी महथा (60), सुखनी देवी (55), संजय महथा (38), कौशल्या देवी (55) और गुंजा कुमारी (16) शामिल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल कुनी महथा और सुखनी देवी को बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह रेफर कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दोनों तरफ से लोग हथियारों से लैस होकर एक-दूसरे पर टूट पड़े

घटना की सूचना मिलते ही देवरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले से ही जमीन विवाद चल रहा था। विवाद के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गाली-गलौज से शुरू हुआ।

इटारसी-नागपुर चौथी रेल लाइन 5,451 करोड़ में बनेगी

किसान संपदा का बजट 6,520 करोड़ किया, मोदी कैबिनेट के 6 फैसले

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट बैठक हुई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'मोदी कैबिनेट की बैठक में 6 अहम फैसले लिए गए हैं। इनमें 2 किसानों और फूड सेक्टर से जुड़े हैं। वहीं चार फैसले नॉर्थ-ईस्टर्न सेक्टर में रेलवे नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए हैं।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना का बजट बढ़ाकर 6520 रुपए कर दिया गया है। इससे किसानों को फूड प्रोसेसिंग में फायदा मिलेगा। वहीं, नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के लिए 2,000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इससे सहकारी समितियों (कोऑपरेटिव सोसाइटीज) को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा, 4 रेलवे लाइनों के लिए 11,168 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। इसमें इटारसी से नागपुर चौथी रेल लाइन के लिए 5,451 करोड़ रुपए दिए गए हैं। वहीं, अलुआबाड़ी रोड से न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे लाइन के लिए 1,786 करोड़, छत्रपति संभाजीनगर-परभानी रेलवे लाइन दोहरीकरण के लिए 2,179 करोड़ और डंगोआपोसी-करौली रेलवे लाइन के लिए 1,752 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

चीनी वेबसाइट बेच रही भगवान जगन्नाथ की फोटो वाली डोरमैट

भुवनेश्वर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। चीनी ई-कॉमर्स वेबसाइट अलीएक्सप्रेस भगवान जगन्नाथ की तस्वीर वाले डोरमैट बेचने पर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य की उप मुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने इसे 'अपमानजनक' बताया और अलीएक्सप्रेस से माफी की मांग की है। सोशल मीडिया पर विरोध बढ़ने पर ई-कॉमर्स वेबसाइट ने प्रोडक्ट को हटा दिया।

परिदा ने X पर लिखा, 'महाप्रभु जगन्नाथ प्रत्येक ओडिया के दिल और आत्मा से जुड़े हैं। मैं चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अली एक्सप्रेस द्वारा भगवान जगन्नाथ की फोटो वाले डोरमैट बेचने की कड़ी निंदा करती हूं। इसे तुरंत हटाया जाए और भक्तों से माफी मांगी जाए।

फिरदौस ने अपनी पोस्ट में कहा- भगवान जगन्नाथ की पवित्र फोटो वाले डोरमैट को अली एक्सप्रेस पर बेचने का यह कृत्य घोर निंदनीय है। यह करोड़ों भक्तों की धार्मिक भावनाओं पर सीधा हमला है। तुरंत कार्रवाई हो और सार्वजनिक माफी मांगी जाए।

सोफिया की पोस्ट के जवाब में अलीएक्सप्रेस ने कहा कि उसने डोरमैट प्रोडक्ट को लिस्टिंग से हटा दिया है । कंपनी ने लिखा, 'आपकी सूचना के लिए धन्यवाद। संबंधित प्रोडक्ट की समीक्षा कर हटाया गया है। आपके सुझावों से हमें अपने प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। धन्यवाद कि आपने हमें एक सुरक्षित और सम्मानजनक ऑनलाइन अनुभव बनाने में सहयोग दिया।'

एक महिला ने दूसरी महिला पर डंडे से किए ताबड़तोड़ वार

बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला

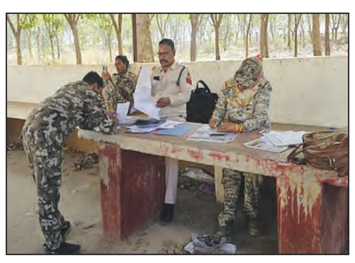

जगदलपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जगदलपुर के परपा थाना क्षेत्र के पखनारचा में बीती रात को एक महिला ने दूसरी महिला की डंडे से पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी लगने के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेकाज लाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग ने बताया कि पखनारचा निवासी महिला शांति कश्यप का बीती रात एक महिला के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद आरोपी महिला ने घर में रखे डंडे से पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी लगते ही गांव में दहशत फैल गई। वहीं, गांव में सन्नटा पसर गया। आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। जहां कुछ घंटे के अंदर ही महिला आरोपी को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

झारखंड में अगले 2 दिन गरज के साथ बारिश

रांची सहित 11 जिलों में बरसेंगे बादल, 3 अगस्त तक 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में दो दिनों तक लगभग नहीं के बराबर बारिश हुई है। अब एक बार फिर मौसम बदलने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अगले दो दिनों तक राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग का कहना है कि इस दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, लेकिन 3 अगस्त तक तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

विभाग के अनुसार, आज पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

इन इलाकों में आंधी-तूफान के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। वहीं, उत्तर पूर्वी झारखंड जिसमें देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहेबगंज जिले आते हैं, में भी कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश का अनुमान है। 31 जुलाई को राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, 1 और 2 अगस्त को भी राज्य में आंशिक बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, इन तारीखों को भी पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी झारखंड में 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चल सकती हैं। 4 और 5 अगस्त को भी झारखंड के अधिकांश हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना जताई गई है।

हाईकोर्ट बोला-तलाक के बाद पति की प्रॉपर्टी पर हक नहीं

पत्नी ने मकान पर किया था कब्जा, सिविल-कोर्ट के आदेश के खिलाफ लगी याचिका खारिज

बिलासपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तलाक के बाद पति की प्रॉपर्टी पर पत्नी कोई अधिकार दावा नहीं कर सकती। तलाक की डिक्री मिलने के बाद पत्नी का वैवाहिक दर्जा खत्म हो जाता है। वो पति की संपत्ति पर उत्तराधिकार या स्वामित्व का दावा करने का हक नहीं जता सकती है।

बिलासपुर हाईकोर्ट ने रायगढ़ सिविल कोर्ट के आदेश के खिलाफ पत्नी की अपील को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की है। इससे पहले सिविल कोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी। जिसे चुनौती देते हुए पत्नी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

दरअसल, रायगढ़ का रहने वाला एक युवक जिंदल स्टील में काम करता था। उसने 11 मई 2007 को जिंदल स्टील प्लांट के ही महिला स्टाफ से लव मैरिज की थी। कुछ साल बाद पत्नी की चरित्र को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। दोनों साल 2010 से अलग-अलग रहने लगे। पति ने साल 2013 में रायगढ़ के फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए आवेदन दिया। फैमिली कोर्ट ने मार्च 2014 को पति के पक्ष में तलाक की डिक्री आदेश मंजूर कर ली। आदेश के अनुसार, पति-पत्नी का वैवाहिक संबंध 31 मार्च 2014 से समाप्त हो गया है।

तलाक के बावजूद पति की संपत्ति पर किया कब्जा

महिला के पति ने रायगढ़ में एक मकान खरीदा था। जिसे किराए पर दिया था। तलाक के बाद पत्नी ने अपने 8-10 लोगों के साथ जबरन उस मकान में घुसकर कब्जा कर लिया। वहां रहने लगी। पति ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने पत्नी समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 452 (घर में जबरन प्रवेश) और 448/34 के तहत केस दर्ज भी किया।

भारत-अमेरिका में 6 महीने बाद भी ट्रेड डील क्यों नहीं

भारत मांसाहारी गाय का दूध लेने को तैयार नहीं तो ट्रम्प ने 25% टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच फरवरी में ट्रेड डील पर बातचीत शुरू हुई थी। यानी 6 महीने हो चुके हैं, लेकिन दोनों देश अभी तक किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच पाए हैं।

अमेरिका, भारत के एग्री और डेयरी सेक्टर में एंट्री चाहता है, लेकिन भारत इसके लिए तैयार नहीं है। इसके पीछे किसानों के हित के अलावा धार्मिक वजहें भी हैं। इसके अलावा भारत अपने छोटे और मंझोले उद्योगों (एमएसएमई) को लेकर ज्यादा सावधानी बरत रहा है।

अभी भारत पर अमेरिका ने 10% टैरिफ लगा रखा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को ऐलान किया है कि वो भारत पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाएंगे और रूस से हथियार और तेल खरीदने की वजह से जुर्माना भी लगाएंगे।

इतनी लंबी बातचीत के बाद भी दोनों देशों के बीच ट्रेड डील न हो पाने की 4 संभावित वजह हो सकती हैं।

एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर में मतभेद

अमेरिका चाहता है कि उसकी डेयरी प्रोडक्ट्स (जैसे दूध, पनीर, घी आदि) को भारत में आयात की अनुमति मिले। अमेरिकी कंपनियां दावा करती हैं कि उनका दूध स्वच्छ और गुणवत्ता वाला है, और वो भारतीय बाजार में सस्ता भी पड़ सकता है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा, धार्मिक भावना भी जुड़ी हुई है।

भारत में ज्यादातर लोग शुद्ध शाकाहारी दूध उत्पाद चाहते हैं, जबकि अमेरिका में कुछ डेयरी उत्पादों में जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) का इस्तेमाल होता है।

इसलिए भारत की शर्त है कि कोई भी डेयरी उत्पाद तभी भारत में बिक सकता है जब वह यह प्रमाणित करे कि वह पूरी तरह शाकाहारी स्रोत से बना हो।

इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि गेहूं, चावल, सोयाबीन, मक्का और फलों जैसे सेब, अंगूर आदि को भारत के बाजार में कम टैक्स पर बेचा जा सके। वह चाहता है कि भारत अपनी इम्पोर्ट ड्यूटी को कम करे। जबकि भारत अपने किसानों की सुरक्षा के लिए इन पर उच्च टैरिफ लगाता है ताकि सस्ते आयात से भारतीय किसान प्रभावित न हों।

इसके अलावा, अमेरिका जैव-प्रौद्योगिकी (जीएमओ) फसलों को भी भारत में बेचने की कोशिश करता रहा है, लेकिन भारत की सरकार और किसान संगठन इसका कड़ा विरोध करते हैं।

ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी पर असहमति

अमेरिका ने 2 अप्रैल, 2025 को भारत समेत कई देशों पर 26% रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जिसे 9 जुलाई तक के लिए सस्पेंड कर दिया।

भारत इस एक्स्ट्रा टैरिफ से सहमत नहीं है। इसके अलावा वह स्टील, एल्युमीनियम, और ऑटो पार्ट्स पर पहले से लागू अमेरिकी टैरिफ में छूट की मांग कर रहा है। दूसरी तरफ, अमेरिका 10% बेसलाइन टैरिफ को बनाए रखना चाहता है और भारत से कुछ सेक्टर्स में जीरो टैरिफ की मांग कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में यूट्यूब अकाउंट के लिए 16 साल उम्र जरूरी

10 दिसंबर से लागू होगा नियम, पिछले साल सोशल मीडिया इस्तेमाल पर कानून बना था

कैनबरा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चे 10 दिसंबर से यूट्यूब पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। हालांकि, ये यूट्यूब का इस्तेमाल कर सकेंगे यानी यूट्यूब पर वीडियो देख सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया के संचार मंत्री अनीका वेल्स ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने का बिल संसद से पास किया था। इसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैप चैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स शामिल थे। तब यूट्यूब को इस कानून से छूट दी गई थी। ऑस्ट्रेलिया ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश है।

इस कानून में माता-पिता की सहमति या पहले से मौजूद खातों के लिए कोई छूट नहीं दी गई है। प्लेटफॉर्म के पास प्रतिबंध को लागू करने के तरीके पर काम करने के लिए कानून बनने के बाद से एक साल का वक्त है।

गेमिंग और मैसेजिंग ऐप्स पर बैन नहीं

यह जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की होगी कि इस उम्र के बच्चे प्लेटफॉर्म पर अकाउंट न बना पाएं। ऐसा न करने पर प्लेटफॉर्म्स पर 5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी करीब 282.34 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लग सकता है।

हालांकि, प्लेटफॉर्म यूजर्स को अपनी उम्र साबित करने के लिए पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज अपलोड नहीं करने होंगे। ऑनलाइन गेमिंग, मैसेजिंग, एजुकेशन और हेल्थ ऐप्स को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। इन्हें बच्चों के लिए कम हानिकारक माना गया है।

यूट्यूब बोला- हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं

यूट्यूब ने कहा- हम ऑनलाइन नुकसान को कम करने और रोकने के सरकार के लक्ष्य को साझा करते हैं। हमारा रुख साफ है कि यूट्यूब एक वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म है। इसमें फ्री, हाई-क्वालिटी कंटेंट का कलेक्शन है। इसे टीवी पर भी देखा जा रहा है। यह सोशल मीडिया नहीं है। हम अपने अगले कदमों पर विचार करेंगे और सरकार से बातचीत करेंगे।

रिसर्च फर्म 'रेडसियर' के मुताबिक इंडियन यूजर्स हर दिन औसतन 7.3 घंटे अपने स्मार्टफोन पर नजरें गड़ाए रहते हैं। इसमें से अधिकतर टाइम वे सोशल मीडिया पर बिताते हैं। जबकि अमेरिकी यूजर्स का औसतन स्क्रीन टाइम 7.1 घंटे और चीनी यूजर्स का 5.3 घंटे है।

सोशल मीडिया ऐप्स भी इंडियन यूजर्स ही सबसे ज्यादा यूज करते हैं।

अमेरिका और ब्रिटेन में एक इंसान के औसतन 7 सोशल मीडिया अकाउंट्स हैं, जबकि एक भारतीय कम से कम 11 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद है।

भारत में सोशल मीडिया पर बच्चों के बैन की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने 4 अप्रैल को 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर कानूनी प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा था- यह नीतिगत मामला है। आप संसद से कानून बनाने के लिए कहें। यह हमारे दायरे से बाहर है।

जेप फाउंडेशन की याचिका में केंद्र सरकार और अन्य अथॉरिटी को सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच को रेगुलेट करने के लिए बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन जैसा एज वैरिफिकेशन सिस्टम शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

ब्रिटेन, फ्रांस अब नहीं रहे ईसाइयों के देश

10 साल में कैसे बदली दुनिया की डेमोग्राफी, रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की बदलती डेमोग्राफी अब वैश्विक चिंता की वजह बन रही है। भारत में भी इस पर आए दिन राजनीति होती रहती है। इन सबके बीच प्रतिष्ठित प्यू रिसर्च सेंटर की एक नई रिपोर्ट में ईसाई देशों की घटती संख्या के बारे में बड़ा खुलासा हुआ है।

प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट बताती है कि 10 सालों में ईसाई बहुल देशों की संख्या में गिरावट आई है। रिसर्च डेटा से पता चलता है कि 2010 से 2020 के बीच ईसाई आबादी की अधिकता वाले देशों की संख्या में 4 की कमी आई है। हालांकि, अभी भी ईसाई बहुल आबादी वाले देशों की संख्या सबसे ज्यादा है, लेकिन संख्या में गिरावट वैश्विक डेमोग्राफी में महत्वपूर्ण बदलाव दर्शाता है।

प्यू रिसर्च सेंटर ने 2020 तक किए गए विश्लेषण में पाया कि 201 देशों और क्षेत्रों में से 120 में ईसाई आबादी बहुसंख्यक बनी रही, जबकि 2010 में यह संख्या 124 थी।

सर्वेक्षण किए गए सभी देशों में ईसाई बहुल देशों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है, जो एक दशक पहले 62% थी। इस गिरावट का मुख्य कारण ईसाई धर्म छोड़ने वाले लोगों की बढ़ती संख्या है।

प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, हाल के वर्षों में दुनिया भर में लाखों ईसाई धर्म छोड़ रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप पिछले दशक में कई देशों में ईसाइयों की संख्या में गिरावट आई है। इनमें से अधिकांश लोग खुद को किसी धर्म से नहीं जोड़ रहे हैं।

फ्रांस-ब्रिटेन के बाद कनाडा भी फिलिस्तीन को मान्यता देगा

प्रधानमंत्री कार्नी ने ऐलान किया, सितंबर में यूएन में औपचारिक घोषणा होगी

ओटावा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा भी फ्रांस और ब्रिटेन की तरह फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के तौर में मान्यता देगा। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को इसका ऐलान किया।

यह मान्यता औपचारिक रूप से सितंबर 2025 में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के दौरान दी जाएगी।

इसके साथ ही कनाडा, फ्रांस और ब्रिटेन के बाद जी7 का तीसरा देश बन गया है जिसने हाल ही में फिलिस्तीन को मान्यता देने का ऐलान किया है।

गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच करीब दो साल से जंग जारी है। वहां में पानी और खाद्य संकट और रिफ्यूजी शिविरों की हमलों से मानवीय संकट गहरा गया है। इसके चलते इजराइल पर लगातार अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है।

कनाडा ने मान्यता के लिए शर्तें रखीं

प्रधानमंत्री कार्नी ने मान्यता के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं। इन्हें फिलिस्तीन को पूरा करना होगा।

>> अगले वर्ष चुनाव कराना अनिवार्य होगा, जो कि 2006 के बाद पहली बार होगा।

>> चुनाव और शासन में हमास की कोई भागीदारी नहीं होगी। (हमास को आतंकी संगठन माना जाता है)

>> फिलिस्तीनी राज्य का डिमिलिटराइजेशन यानी यानी हथियारों और लड़ाकू क्षमताओं से मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा।

कार्नी ने कहा कि उन्होंने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से सीधे बात की है और इन शर्तों पर सहमति मिल गई है। उन्होंने कहा कि गाजा में जो हो रहा है, वह मानवता के खिलाफ अपराध जैसा है।

उन्होंने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह अंतरराष्ट्रीय संगठनों को राहत सामग्री देने नहीं दे रहा, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक अब तक 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 89 बच्चों सहित 154 लोगों की मौत भुखमरी से हुई है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

कनाडा ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी को 63 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। इससे भविष्य में राज्य का ढांचा तैयार किया जाएगा। साथ ही, कनाडा ने 190 करोड़ रुपए की मानवीय सहायता देने की घोषणा की है।

इस प्रक्रिया में कनाडा, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रीय देशों की मदद ले रहा है, ताकि जरूरतमंदों तक मदद पहुंचे।

चीनी विमान जे-20 को बड़ी सफलता

अमेरिकी डिफेंस सिस्टम थाड को चकमा देकर भरी उड़ान, जापान से ताइवान तक दहशत

बीजिंग, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के कई मोर्चों पर प्रतिद्वंद्वी चीन को एक अहम सफलता मिली है।

चीन ने अपने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान जे-20 को जापान और दक्षिण कोरिया के पास कड़ी निगरानी वाले त्सुशिमा जलडमरूमध्य और फिलीपींस-ताइवान के बीच महत्वपूर्ण चोक-पॉइंटवाशी चैनल पर उड़ाया है।

यह पहली बार है, जब चीन ने इस क्षेत्र में अमेरिका और उसको सहयोगियों को चौंकाया है। दक्षिण कोरिया और जापान अमेरिका के खास सहयोगी हैं।

चीन ने जिन क्षेत्रों से अपना जेट उड़ाया है, वहां अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम थाड तैनात है। ऐसे में इसे अमेरिका के लिए झटके की तरह देखा जा रहा है। खासतौर से ताइवान पर चीन के हमले की सूरत में अमेरिका मुश्किल में पडड़ सकता है।

चीनी सरकारी सीसीटीवी पर कहा गया है कि बीजिंग ने कड़ी निगरानी वाले चैनलों से अपने स्टील्थ लड़ाकू विमानों को उड़ाया है। स्पष्ट नाम नहीं लेने के बावजूद माना जा रहा है कि यह जेट जे-20 माइटी ड्रैगन था, जो चीन का सबसे उन्नत स्टील्थ लड़ाकू विमान है। चीन जे-20 की स्टील्थ क्षमताओं और हवाई युद्ध क्षमताओं को लेकर काफी आश्वस्त होता जा रहा है।

त्सुशिमा जलडमरूमध्य एक संकरा और कड़ी निगरानी वाला जलमार्ग है, जो दक्षिण कोरिया को जापान से अलग करता है।

कर्नाटक में नया ब्लड ग्रुप 'सीआरआइबी' मिला

10 महीने की रिसर्च के बाद खोजा गया, ये बेहद दुर्लभ, दुनियाभर में केवल 10 लोगों का

बेंगुलुरु, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोलार जिले की एक 38 वर्षीय महिला में डॉक्टरों ने एक ऐसा ब्लड ग्रुप खोजा है, जो अब तक दुनिया में कहीं भी पहचाना नहीं गया था। इसे सीआरआइबी नाम दिया गया है। अभी तक दुनिया में इस ब्लड ग्रुप के 10 लोग ही सामने आए हैं।

यह मामला तब सामने आया जब महिला को दिल की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। महिला का ब्लड ग्रुप O Rh+ था, जो कि सबसे आम माना जाता है। लेकिन जब सर्जरी के लिए खून जुटाया गया, तो कोई भी O पॉजिटिव यूनिट उसके शरीर से मेल नहीं खा रही थी।

मामला गंभीर था, इसलिए जांच के लिए सैंपल को बेंगलुरु के रोटरी बैंगलोर टीटीके ब्लड सेंटर की एडवांस्ड लैब में भेजा गया। टीम ने महिला के 20 परिजनों के ब्लड सैंपल भी जांचे, लेकिन कोई मेल नहीं मिला। डॉ. अंकित माथुर ने बताया, हमने एडवांस टेस्टिंग की, जिसमें पाया गया कि मरीज का खून हर सैंपल से 'पैन-रिएक्टिव' था, यानी किसी भी खून से मेल नहीं खा रहा था। हमें शक हुआ कि यह कोई नया या बहुत दुर्लभ ब्लड ग्रुप हो सकता है।

सीआरआइबी ब्लड ग्रुप से जुड़ी खास बातें

पूरा नामः क्रोमोजोम रीजन आइडेंटिफाइड आस ब्लड ग्रूप

श्रेणीः आइएनआरए (इण्डियन रेर आनटिजन) सिस्टम

पहली खोजः भारत में, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने पुष्टि की

महत्वः गर्भावस्था और ब्लड ट्रांसफ्यूजन में जीवन रक्षक भूमिका

दुर्लभताः अब तक दुनिया में केवल 10 लोग पाए गए हैं

क्या है सीआरआइबी ब्लड ग्रुप?

सीआरआइबी का पूरा नाम क्रोमोजोम रीजन आइडेंटिफाइड आस ब्लड ग्रूप है। इसका संबंध आइएनआरए (इण्डियन रेर आनटिजन) ब्लड ग्रुप सिस्टम से है, जिसे इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आइएसबीटी) ने 2022 में मान्यता दी थी।

सीआरआइबी ब्लड ग्रुप में एक आम पाया जाने वाला एंटीजन नहीं होता, जो ज्यादातर लोगों में होता है। इस वजह से सीआरआइबी ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति को सिर्फ सीआरआइबी-नेगेटिव खून ही चढ़ाया जा सकता है, जो पूरी दुनिया में बेहद दुर्लभ है।

सीआरआइबी ब्लड ग्रुप की पहचान उन मामलों में जीवन रक्षक साबित हो सकती है, जहां गर्भवती महिला के शरीर में ऐसे एंटीबॉडी बनते हैं जो भ्रूण के रक्त को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे मामलों में समय रहते जांच और सावधानी बरती जा सकती है।

डॉक्टरों का कहना है कि इस ब्लड ग्रुप वाली महिला को भविष्य में अगर दोबारा खून की जरूरत पड़ी, तो उसे दूसरों के डोनेशन पर निर्भर नहीं रहना होगा।

उसे पहले से अपना ही खून ऑटोलॉगस ट्रांसफ्यूजन के जरिए स्टोर करना पड़ेगा।

लिथुआनिया के प्रधानमंत्री गिनटॉटस ने दिया इस्तीफा

घोटालों की जांच और जनविरोध के चलते लिया फैसला

विनियस, 31 जुलाई (एजेंसियां)। लिथुआनिया में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तहत प्रधानमंत्री गिनटॉटस पलुकस ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, वे सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख भी थे और इन दोनों पदों से हटने का फैसला उन्होंने बढ़ते राजनीतिक दबाव और निजी कारोबारी लेनदेन की जांच के चलते लिया है। राष्ट्रपति गितानास नाउसेदा ने पुष्टि की कि पलुकस ने उन्हें फोन कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी और उन्होंने इस फैसले को सही दिशा में लिया गया कदम बताया।

इस राजनीतिक संकट की शुरुआत तब हुई जब 'डेमोक्रेटिक यूनियन फॉर लिथुआनिया' के नेता और संसद (सेइमास) के अध्यक्ष साउलियस स्कवर्नेलिस ने कहा कि उनकी पार्टी पलुकस के प्रधानमंत्री बने रहने की स्थिति में सत्तारूढ़ गठबंधन में नहीं रहेगी। इसके बाद राष्ट्रपति से मुलाकात और दबाव के बीच पलुकस के इस्तीफे का रास्ता साफ हो गया। पार्टी की कार्यकारिणी से भी इस्तीफे को मंजूरी देने की संभावना है।

जांच एजेंसियों ने की छापेमारी

गुरुवार सुबह लिथुआनिया की फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन सर्विस (एफएनटीटी) ने पलुकस की सालियों की कंपनी 'डनकोरा' पर छापा मारा। यह कंपनी यूरोपीय संघ से सब्सिडी लेकर 'गार्निस' नाम की उस कंपनी से बैटरी सिस्टम खरीद रही थी जिसमें खुद पलुकस की हिस्सेदारी है। इससे पहले भी मीडिया रिपोर्टों में कई ऐसे कारोबारी सौदों का खुलासा हुआ था, जो उनके प्रधानमंत्री रहते हुए हुए थे। जांच में सामने आया कि पलुकस ने 2012 में एक संपत्ति उस कारोबारी से खरीदी थी जिससे उन्होंने सार्वजनिक रूप से कोई संबंध होने से इनकार किया था।

इसी तरह, उनकी पूर्व कंपनी 'सागटा' ने बड़ी रकम का कर्ज लिया था जिसे अब तक चुकाया नहीं गया। इसके अलावा, एक और रिपोर्ट में बताया गया कि पलुकस ने 2012 में एक सरकारी प्लॉट पर छूट में फ्लैट खरीदा था और 16,500 यूरो के जुर्माने में से करीब 4,900 यूरो ही 2025 में जाकर चुकाए।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, अगर पलुकस को समर्थन नहीं मिलता है तो कई नामों पर विचार हो सकता है। इनमें सेइमास के डिप्टी स्पीकर जुयोसास ओलेकास, विलनियस जिले के मेयर रॉबर्ट डुचनविच और जॉनावा के मेयर मिंडौगस सिंकेविचियस शामिल हैं। सामाजिक सुरक्षा मंत्री इंगा रुगिनिएने का नाम भी चर्चा में है। एक प्रस्ताव यह भी है कि ओलेकास प्रधानमंत्री बनें और सिंकेविचियस पार्टी का नेतृत्व संभालें।

पलुकस ने इस्तीफा देने से पहले दो हफ्ते की छुट्टी ली थी। इस दौरान सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ने उनके समर्थन में बयान जारी किया था, लेकिन जनता और सहयोगी दलों के विरोध को देखते हुए अंततः उन्होंने पद छोड़ने का फैसला लिया।

रूस ने 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइलों से मचाई यूक्रेन की राजधानी में तबाही, 6 की मौत

कीव, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर भीषण हवाई हमला किया है। बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव को निशाना बनाते हुए, सैकड़ों मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया है। इस हमले में छह साल के बच्चे समेत कम से कम आठ लोग मारे गए हैं। वहीं 82 लोग इन हमलों में घायल हैं। घायलों में पांच महीने की बच्ची भी शामिल है। ये हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस को यूक्रेन में युद्ध ना रोकने पर टैरिफ लगाने की धमकी के ठीक बाद हुआ है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया है कि रूस की ओर से 300 से ज्यादा ड्रोन और आठ मिसाइलें दागीं गईं, जिनसे कीव में आवासीय इमारतों को निशाना बनाया गया। कीव सिटी सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने कहा कि रूस ने आम लोगों को निशाना बनाया। रूसी हमले से नौ मंजिला आवासीय इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। तकाचेंको ने बताया कि कीव में कम से कम 27 स्थानों पर हमला हुआ, जिसमें सबसे अधिक नुकसान सोलोमिंस्की और स्वियातोशिंस्क्यी जिलों में हुआ। इस हमले के बाद कीव के कई इलाकों में मलबे का ढेर देखा गया है। खासतौर से सोलोमिंस्की जिले में रूसी ड्रोन हमले के बाद कई जगहों पर भीषण आग लग गई।

भारी बारिश और बाढ़ से अब तक 44 लोगों की मौत

नौ लापता, सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए 80000 से ज्यादा लोग

बीजिंग, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बीजिंग में बीते हफ्ते हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण 44 लोगों की मौत हो गई और नौ लोग अभी भी लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

बीते चार दिनों से बीजिंग में राहत और बचाव कार्य चल रहा है। बारिश ने सड़कों को नुकसान पहुंचाया, बिजली आपूर्ति बाधित की और हजारों लोगों को घर खाली करने पर मजबूर कर दिया। सरकारी शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, मौतें बीजिंग के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों मियुन और यानछिंग जिलों में हुईं। यहां शनिवार से भारी बारिश शुरू हुई थी।

इससे पहले सोमवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आदेश दिया था कि बारिश और भूस्खलन से प्रभावित इलाकों में लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं।

केवल बीजिंग में ही 80,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। बारिश के कारण 31 सड़क मार्ग टूट गए और 136 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। चीन के वित्त मंत्रालय और आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने मंगलवार को 350 मिलियन युआन (लगभग 49 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि नौ प्रांतीय क्षेत्रों को राहत कार्यों के लिए दी, जिनमें बीजिंग भी शामिल है। इसी दिन राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग ने बीजिंग में राहत कार्यों के लिए 200 मिलियन युआन (लगभग 28 मिलियन डॉलर) की अतिरिक्त राशि देने की घोषणा की।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी के 166 नेताओं को दस साल की सजा

पीटीआई ने बताया राजनीतिक साजिश

इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ' (पीटीआई) के 166 नेताओं और कार्यकर्ताओं को दस-दस साल की सजा सुनाई है। इन नेताओं में नेशनल असेंबली और सीनेट के विपक्षी नेता भी शामिल हैं। यह सजा नौ मई 2023 को आईएसआई बिल्डिंग और सैन्य ठिकानों पर हमले के मामले में दी गई है। उस दिन इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पार्टी समर्थकों ने सेना के कई ठिकानों, जैसे जिन्ना हाउस (लाहौर), मियांवाली एयरबेस, रावलपिंडी में सेना मुख्यालय और फैसलाबाद की आईएसआई बिल्डिंग पर हमला किया था। सजा पाने वालों में नेता प्रतिपक्ष उमर अयूब, सीनेट में नेता प्रतिपक्ष शिबली फराज, जरताज गुल और हमीद रजा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अदालत ने फैसलाबाद में पुलिस स्टेशन पर हमले के एक अन्य मामले में भी 58 लोगों को 10 साल की सजा सुनाई। कुल मिलाकर अब तक 14 सांसद अयोग्य ठहराए जा चुके हैं।

पीटीआई ने अदालत के फैसले को राजनीति से प्रेरित बताया। साथ ही कहा कि इससे पार्टी के नेताओं को संसद और सीनेट से बाहर करने की कोशिश की जा रही है। पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष गोहर अली ने कहा कि वे इस फैसले को लाहौर हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अप्रैल 2022 में भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराकर पद से हटाया गया था और अगस्त 2023 से वे जेल में हैं। उनके भतीजे हसन खान को भी सेना की अदालत ने दस साल की सजा दी है। इमरान की बहन अलीमा खान ने कहा है कि उनके बेटे सुलेमान और कासिम 5 अगस्त से शुरू हो रहे पीटीआई के देशव्यापी प्रदर्शन में हिस्सा लेने पाकिस्तान आएंगे। इस पर पंजाब सरकार ने चेतावनी दी है कि यदि उन्होंने कोई हिंसक प्रदर्शन किया, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

अब एसओजी किरोड़ी लाल के निशाने पर क्यों?

कहा तमाशा कर रही है एसओजी, सीएम से करूंगा शिकायत

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बीते दिनों चित्तौड़गढ़ की मेवाड़ यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री के बड़े घोटाले का खुलासा किया। इस बीच अब किरोड़ीलाल मीणा के निशाने पर एसओजी है। इस फर्जीवाड़े के मामले में किरोड़ीलाल एसओजी पर जमकर भड़कते हुए नजर आए हैं। उन्होंने कहा एसओजी यहां जांच अधूरी ही छोड़कर चली गई। उन्होंने कहा कि एसओजी तमाशा कर रही है, यह अब तमाशा नहीं चलेगा। इस दौरान किरोड़ी लाल ने इस मामले की शिकायत सीएम से करने की बात भी कही है।

एसओजी पर जमकर भड़के किरोड़ी, कहा तमाशा नहीं चलेगा

इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि मेवाड यूनिवर्सिटी को लेकर एसओजी की टीम यहां एक बार आई और चली गई, लेकिन फर्जी डिग्री का खेल जारी है। उन्होंने भड़कते हुए कहा कि एसओजी तमाशा कर रही है, फर्जी डिग्री का खेल अब नहीं चलेगा। एसओजी अपनी जांच अधूरी छोड़कर चली गई। उन्होंने कहा कि मामले में कृषि विभाग की ओर से मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। इस मामले की जांच जयपुर स्तर से की जा रही है।

बीकानेर के छात्र की शिकायत में पर हुआ खुलासा

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री का खेल काफी समय से चल रहा है। यह मामला उस समय प्रकाश में आया, जब कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को बीकानेर के स्वतंत्र बिश्नोई नाम के छात्र ने शिकायत की। वह कॉमर्स का छात्र है और 12वीं क्लास पास कर चुका है। शिकायत में छात्र ने बताया कि एक दलाल ने उससे वादा किया कि वह उसे एग्रीकल्चर डिप्लोमा का प्रमाण पत्र दिलवा देगा। इसके लिए उसने 50 हजार रुपए दिए, जब स्वतंत्र को प्रमाण पत्र दिया गया, तो उस पर लिखा था कि उसने 66 प्रतिशत अंकों से पास किया है। इस शिकायत के बाद एक्शन में आए मंत्री किरोड़ी लाल ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी पर छापा मारा।

पांच सालों में जमकर हुआ फर्जी डिग्री का खेल

बता दें कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री बांटने का जमकर खेल हुआ। साल 2024 में एसओजी ने यूनिवर्सिटी में छापेमारी की थी, तो सामने आया था कि नोएडा स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस में सैकड़ों छात्रों को मोटी रकम लेकर फर्जी डिग्री बांट दिए गए। इस दौरान पूछताछ में मेवाड़ यूनिवर्सिटी के डीन कौशल किशोर ने कबूल किया था कि पिछले 5 सालों में उन्होंने ऐसे सैकड़ों फर्जी प्रमाणपत्र बांटे हैं।

जयपुर में टूटी सड़कों और जल भराव को लेकर हाईकोर्ट की फटकार, सीएस, जेडीसी से मांगा जवाब

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बारिश में जर्जर हो चुकी जयपुर की सड़कें अब वाहन चलाने लायक तो दूसरी बार पैदल चलने लायक भी नहीं बची हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर की बदहाल हालत, मानसून में टूटी सड़कों और जलभराव की स्थिति को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की बेंच ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर प्रसंज्ञान लेते हुए कहा है कि शहर की टूटी सड़कें गुलाबी नगरी की प्रतिष्ठा खराब कर रही हैं। कोर्ट ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस पर विचार किया जाए कि क्या जयपुर अपनी सुंदरता और विरासत के लिए पचहाना जाना चाहिए या फिर यह अपनी बुनियादी संरचना की समस्याओं के चलते एक डूबते शहर में बदल जाएगा। हाईकोर्ट ने इसे लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत, प्रमुख सचिव यूडीएच, जेडीसी, हेरिटेज व ग्रेटर नगर निगम आयुक्त को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

गौरतलब है, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में टूटी सड़कों का जायजा लिया। जल भराव के चलते उनका काफिला भी सांगानेर में काफी देर ट्रैफिक जाम में फंसा रहा। स्थानीय लोगों ने सीएम से शिकायत की कि सड़कें ठीक नहीं करवा सकते हैं तो कम से कम गड्ढे भरवा दीजिए।

जयपुर में भारी बारिश हुई। सड़कों की हालत पहले से ही जर्जर है, बारिश के चलते स्थिति और ज्यादा खराब हो गई। वैशाली नगर में जल भराव इतना ज्यादा था कि रोडवेज बसों के अंदर तक पानी आ रहा था। दुपहिया वाहन तो दूर की बात चौपहिया वाहन भी पानी में तैरते नजर आए। मानसून में सड़कों के हालात खराब कोर्ट ने आदेश में कहा कि मानसून में शहर की सड़कों के हालात खराब हो रहे हैं। जिससे उसकी विश्वव्यापी इमेज पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हर मानसून में यहां जलभराव, बाढ़ और जल निकासी की समस्या होती है। जल निकासी की समस्या से रोजमर्रा के जीवन, पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रहा है। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी समस्या का समाधान करने में विफल हो गए हैं। शायद ही किसी ठेकादार को ब्लैकलिस्ट किया हो कोर्ट ने कहा कि सड़क निर्माण और उसके मेंटेनेंस के लिए पर्याप्त पैसे के आवंटन के बावजूद घटिया और कम गुणवत्ता के मेटेरियल का उपयोग किया जाता है। जिससे करदाताओं के पैसे के इस्तेमाल से बनने वाली सड़क अगले दिन ही क्षतिग्रस्त हो जाती है। यह लापरवाही को दर्शाती है। बिना निरीक्षण बिल पास करने वालों के नाम बताओ कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को कहा है कि वे चार सप्ताह में शहर की सड़कों की मरम्मत का समयबद्ध प्लान पेश करे। शहर में जलभराव की स्थिति खत्म करने और सीवरेज समस्या को हल करने की क्या योजना है। इसके साथ ही सड़क निर्माण में घटिया सामग्री और तकनीक अपनाने वाले,सड़क निर्माण के बाद बिना प्रभावी निरीक्षण के ही बिल पास करने वाले अधिकारियों के नाम बताने के निर्देश दिए हैं।

स्कूल हादसों के बाद सख्त हुई सरकार

शिक्षामंत्री ने शिक्षकों को दी ये खुली छूट; लगाना होगा ताला

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान में इस समय भारी बारिश का दौर चल रहा है। कई गांवों में पानी भर गया है और नदी-नाले उफान पर हैं। कुछ जगहों पर मकानों और स्कूल भवनों में भी पानी घुसने की आशंका है। ऐसी स्थिति में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। अगर स्कूल का कोई कमरा जर्जर है या उसमें खतरा महसूस हो रहा है तो न तो शिक्षक उसमें जाएं और न ही बच्चों को वहां बैठने दें। ऐसे कमरों को लाल निशान लगाकर ताला लगाकर सील कर देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि जहां स्कूल छोटे हैं या हालात ठीक नहीं हैं, वहां शिक्षक स्वयं छुट्टी का निर्णय ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल सक्षम अधिकारी को सूचना देनी होगी। सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को भी भारी बारिश और बाढ़ के हालात को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी घोषित करने की शक्तियां प्रदान की हैं। कई जिलों में कलेक्टरों ने इस

अधिकार का उपयोग कर स्कूलों में छुट्टी की घोषणा भी कर दी है।

मदन दिलावर ने कहा कि छुट्टी के बाद भी सावधानी बरतना जरूरी है। बारिश थमने के बाद जब बच्चे स्कूल लौटें, तब भी जर्जर भवनों में उनकी एंट्री न हो। यदि स्कूल भवन बारिश के बाद भी असुरक्षित है तो बच्चों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। शिक्षा विभाग की गाइडलाइंस के अनुसार, ऐसी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए उचित कदम उठाए जाएं।

मरम्मत के लिए 169 करोड़ रुपये मंजूर

मंत्री दिलावर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए विशेष ध्यान दिया है। सरकार ने राज्य के 1936 सरकारी स्कूलों की मरम्मत के लिए 169 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की है। दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि कोई भी स्कूल जर्जर हालत में न रहे। हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चे को सुरक्षित और व्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण मिले। आने वाले समय में राजस्थान का कोई भी स्कूल जर्जर नहीं होगा।

छुट्टी का फैसला ले सकते शिक्षक- दिलावर

गौरतलब है कि इस मानसून में पहली बार शिक्षकों को इतनी स्वतंत्रता दी गई है कि वे स्कूल की स्थिति के आधार पर छुट्टी का फैसला ले सकते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी स्कूल व्यवस्थित हों, ताकि न तो बच्चों को और न ही शिक्षकों को किसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़े।

शाहपुरा में हुई सर्वाधिक 156 मि.मी बारिश

आईएमडी ने 6 जिलों के लिए दे दिया ऑरेंज अलर्ट

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वी राजस्थान में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कहीं-कहीं पर भारी से अति भारी बारिश दर्ज की गई और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश और कहीं-कहीं पर भारी वर्षा दर्ज की गई। वहीं राजस्थान में सर्वाधिक बारिश जयपुर के शाहपुरा में 156 मिलीमीटर दर्ज की गई। जिसके साथ ही सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में 37.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और निम्नतम न्यूनतम तापमान सिरोही में 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। मौसम विभाग ने भी अगले 48 घंटे तक बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए अजमेर, जयपुर, सीकर, चूरू, नागौर और पाली जिले में मेघगर्जन और वज्रपात के साथ अतिभारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं येलो अलर्ट जारी करते हुए अलवर, भीलवाड़ा, बूंदी, दौसा, झुंझुनूं, कोटा, राजसमंद, टोंक, बीकानेर, हनुमानगढ़, जोधपुर और श्री गंगानगर में भारी बारिश, मेघगर्जन और वज्रपात की संभावना जताई है।

आईएमडी ने 8 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। जिसमें भारी बारिश, मेघगर्जन और वज्रपात की संभावना जताते हुए अजमेर, झुंझुनूं, सीकर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, नागौर और श्रीगंगानगर में अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार मध्यप्रदेश और आसपास के पूर्वी राजस्थान के ऊपर परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। जिससे भारी बारिश का दौर जारी है लेकिन 1 अगस्त से भारी बारिश से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। हालांकि शेखावाटी क्षेत्र और बीकानेर संभाग के कुछ भागों में 1 अगस्त को भी कहीं-कहीं भारी बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

अहमदाबाद विमान हादसा : उदयपुर में मृतक आश्रितों के घर पहुंचे ठग

10 करोड़ दिलाने का झांसा, साइन करने का बनाया दबाव

उदयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों के आश्रितों को 10 करोड़ तक का मुआवजा दिलाने का लालच देकर ठग अब उनके घरों तक पहुंचने लगे हैं। जिले के वल्लभनगर के रुण्डेडा गांव में भी 13 दिन पहले एक महिला और युवक गुजरात रजिस्ट्रेशन नंबर की एक गाड़ी से उनके घर पहुंचे।

बता दें कि उन्होंने परिजनों को लालच दिया तथा खाली स्टाम्प पर हस्ताक्षर करवाने का दबाव बनाया। इनकार करने पर उन्होंने वॉइस कॉल और मैसेज के जरिए धमकियां दी।

डरे सहमे परिवार ने कलेक्टर, एसपी के समक्ष पेश होकर घटनाक्रम बताया। एसपी के आदेश पर वल्लभनगर थाने में मामला दर्ज हुआ। पुलिस ने रुण्डेडा निवासी दीपक मेनारिया की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

झालावाड़ स्कूल हादसाः बालाजी मंदिर में पूजा कर घायल बच्चों के लिए मांगी दुआ, निर्मल चौधरी ने मृतकों के परिजनों को दिए एक-एक लाख

गांव पहुंचने के बाद रात करीब 10 बजे व्हाट्सएप मैसेज किया। दोबारा घर आने की बात लिखी। इसके बाद भी मैसेज और ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजने का क्रम जारी रहा। पीड़ित परिवार की मदद की बात कहते हुए खुद को दिल्ली के एडवोकेट होना बताया।

बॉइंग की ओर से जारी फंड को लेकर वेरिफिकेशन की बात कही। इसी बीच धमकी भरे मैसेज भी भेजे। आरोपियों ने दबाव डालते हुए कुछ दस्तावेज भी भेजे। पीड़ित परिवार ने 19 जुलाई को पुलिस से मदद मांगी।

कॉल आने के अगले ही दिन 18 जुलाई को रात 7:45 बजे के गुजरात रजिस्ट्रेशन नंबर की गाड़ी में एक महिला व पुरुष परिवादी के घर रुण्डेडा पहुंच गए। मृतक की पत्नी को भ्रमित करने लगे तो उसने बेटे दीपक को सूचना दी। बताया कि आरोपियों ने स्वयं को सुप्रीम कोर्ट से आना बताया और दबाव बनाया कि दस्तावेजों पर अंगूठा निशानी एवं हस्ताक्षर कर दो। पूछताछ की गई तो कहा कि अमेरिका में बॉइंग पर केस करना है। परिवादी ने कहा कि बॉइंग, एयर इंडिया एवं भारत सरकार एवं एयरपोर्ट अथॉरिटी के विरुद्ध में स्वयं केस करूंगा तो आरोपियों ने जबरन हस्ताक्षर के लिए दबाव डाला।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बच्ची की मौत, गुस्साए लोगों ने लगाया जाम

अलवर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के एनईबी थाना क्षेत्र स्थित 60 फीट रोड पर दर्दनाक हादसे में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से 8 वर्षीय बालिका दिव्या गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दिव्या के माता-पिता सब्जी विक्रेता हैं। बेटी की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया, माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

हादसे से गुस्साए स्थानीय लोगों ने 60 फीट रोड पर जाम लगा दिया। उनका कहना था कि वे पिछले दो वर्षों से सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग कर रहे थे, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। स्थानीय निवासी रामकिशन ने बताया कि ब्रेकर नहीं होने के कारण यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। हादसे की सूचना मिलते ही यातायात डीएसपी मुकेश कुमार मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत कर स्थिति को शांत किया। इसके बाद यूआईटी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और तुरंत ब्रेकर निर्माण का काम शुरू करवा दिया। प्रशासन अब इस रोड पर अन्य स्थानों पर भी ब्रेकर लगाने की योजना बना रहा है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को हिरासत में ले लिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। दिव्या के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पीडब्ल्यूडी इंजीनियर रिश्वत लेते गिरफ्तार, सीबीआई ने दिल्ली-जयपुर के ठिकानों पर छापा मारा, 1.60 करोड़ बरामद

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एक्सईएन की इस गिरफ्तारी से न सिर्फ भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हुआ बल्कि दिल्ली से जयपुर तक फैले उसके काले धन के नेटवर्क का भी खुलासा हुआ है।

सीबीआई की टीम ने योजना बनाकर 28 जुलाई को अभियंता के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया। जांच एजेंसी को शिकायत मिली थी कि अभियंता निर्माण से जुड़े ठेकेदारों से लंबित

बिल पास कराने के एवज में 3% रिश्वत मांग रहा था। इसके बाद टीम ने शिकायतकर्ता को 30 हजार रुपये की तय घूस राशि के साथ अभियंता के पास भेजा। जैसे ही अभियंता ने रिश्वत की रकम स्वीकार की, घात लगाए सीबीआई अधिकारियों ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने अभियंता के दिल्ली और जयपुर स्थित आवासों और कार्यालयों पर सघन छापेमारी की। इस दौरान जांच एजेंसी को कुल 1.60 करोड़ रुपये नकद, बैंक खातों में जमा रकम, रियल एस्टेट से जुड़े दस्तावेज और कई संदिग्ध कागजात बरामद हुए।

सूत्रों के मुताबिक अभियंता की काली कमाई को रियल एस्टेट और अन्य निवेशों में लगाने के भी संकेत मिले हैं। जब्त दस्तावेजों को आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय के साथ साझा किया जा रहा है ताकि पूरे नेटवर्क की परतें खोली जा सकें। साथ ही सीबीआई अब अभियंता के साथ पूछताछ कर रही है ताकि यह पता चल सके कि इस घोटाले में विभाग के और कौन-कौन से अधिकारी या कर्मचारी शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह जांच सिर्फ एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि पीडब्ल्यूडी विभाग के अंदर फैले पूरे भ्रष्टाचार नेटवर्क को उजागर करने की दिशा में एक अहम कड़ी है। फिलहाल आरोपी अभियंता को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद लोक निर्माण विभाग में हड़कंप मच गया है, और अन्य इंजीनियर भी जांच के दायरे में आ चुके हैं।

उदयपुर में सांवलिया जी से लौट रहे बोलेरो में लगी आग

उदयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के डबोक-उदयपुर रोड पर एक बोलेरो गाड़ी में अचानक आग लग गई। हादसा हरिप्रिया पेट्रोल पंप के सामने उस समय हुआ, जब बोलेरो सांवलिया जी से बालोतरा की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि गाड़ी में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे वाहन ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरी तरह जलकर खाक हो गई। बोलेरो में सवार चार लोग किसी धार्मिक यात्रा से लौट रहे थे। गनीमत रही कि समय रहते सभी यात्री गाड़ी से बाहर निकल गए, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। हालांकि, जब तक राहत कार्य शुरू होते, तब तक गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी। हादसे के कारण सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। प्रशासन ने मुख्य मार्ग को बंद कर दोनों तरफ की सर्विस लेन से वाहनों को निकाला। घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए। बोलेरो के मालिक की पहचान पारसमल पुत्र मिश्राराम प्रजापत, निवासी बालोतरा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान अचानक धुंआ निकलने लगा और कुछ ही पलों में गाड़ी में आग फैल गई।

सीबीआई और ईडी की जब्त जमीन को भी भूमाफिया ने बेच डाला

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आप जयपुर या किसी भी बड़े शहर के पास जमीन खरीदने की सोच रहे हैं तो जरा सावधान रहे। कई शातिर भूमाफिया ऐसे भी हैं जो सरकार की ओर से जब्त जमीन को भी बेच रहे हैं। अगर आप जब्त जमीन को भी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो भी आपको सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि सीबीआई और ईडी की ओर से जब्त जमीन को भी भूमाफिया बेच डालते हैं। जयपुर पुलिस ने दो शातिर भू माफियाओं को गिरफ्तार किया जो जयपुर सहित देश के कई शहरों में सीबीआई और ईडी द्वारा जब्त जमीन को फर्जी दस्तावेजों और बैंकों से मिलीभगत कर बेचते रहे हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

भूमाफियाओं की एक गैंग ऐसी है जो देशभर में फर्जीवाड़ा करते हुए जमीन बेचती है। जो जमीन सीबीआई, ईडी या अन्य कोई एजेंसी जब्त करती है तो उस जमीन को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा निलामी के जरिए बेचा जाता है। प्राप्त रकम उन निवेशकों में बांटी जाती है जिनके साथ संस्था या कंपनी ने धोखाधड़ी की हो। देश के कई राज्यों में पीएसीएल और पीजीएफएल की जमीन भी को कुछ वर्षों पहले सीबीआई और ईडी ने जब्त किया था। जयपुर के बगरू खुर्द में भी इस संस्था की जमीन है। भू माफियाओं ने करीब एक करोड़ रुपए में इस जमीन का सौदा कर दिया था।

भूमाफियाओं ने यह धोखाधड़ी जयपुर निवासी अमित कुमार बंसल के साथ की। सेबी के अधिकारी और जमीन बेचने के लिए बनी कमेटी का सदस्य बनकर जमीन का सौदा कर दिया था। 98,47,387 रुपए में सौदा होने के बाद 14,77,387 रुपए का डीडी सेबी के नाम का ले लिया गया। इसके बाद भूमाफियाओं ने बैंक कर्मियों से मिलीभगत करते सेबी के नाम से बने डीडी को प्राइवेट बैंक दी सिरसा केन्द्रीय सहकारी लिमिटेड में खुले संदीप नामक व्यक्ति के खाते में क्लीयर करवा लिया गया। इस तरह से भू माफियाओं ने जयपुर के अमित कुमार बंसल को करीब 15 लाख रुपए का चूना लगा दिया। पीड़ित ने बजाज नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। इस प्रकरण में पुलिस ने दो भूमाफियाओं को गिरफ्तार किया है।

शिक्षक की हत्या का खुलासा

पांच आरोपी गिरफ्तार, केरलापादर-सिवेरा मार्ग पर हुई थी वारदात

सिरोही, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले में 24 जुलाई 2025 को हुए सरकारी स्कूल के शिक्षक की हत्या के मामले में पिंडवाड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा पिंडवाड़ा थानाधिकारी भवानीसिंह राजावत ने किया। पुलिस के अनुसार, घटना केरलापादर से सिवेरा जाने वाले मार्ग पर हुई थी, जहां सरकारी शिक्षक पप्पाराम गरासिया की बेरहमी से मारपीट कर हत्या कर दी गई थी। पप्पाराम, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कानाराम की ढाणी, राणासर खुर्द में कार्यरत थे और घटना के दिन स्कूल से लौटते वक्त घर भारला जा रहे थे। परिजनों ने बताया कि 24 जुलाई की शाम को पप्पाराम के सिरोही पहुंचने की सूचना मिली थी, लेकिन रात करीब साढ़े आठ बजे उनके एक संबंधी को फोन आया कि कुछ लोग पप्पाराम के साथ मारपीट कर रहे हैं। अगली सुबह 25 जुलाई को केरलापादर-सिवेरा मार्ग पर एक कच्चे रास्ते में उनका शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गिरफ्तारी के दौरान पिंडवाड़ा थाने के उपनिरीक्षक प्रभुराम, कांस्टेबल लोकेश कुमार, जीवाराम, जितेन्द्रसिंह, विनोद कुमार एवं छगनलाल शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और अग्रिम जांच की जा रही है। घटना के बाद शिक्षक समुदाय और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि इस हत्याकांड में न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

डेढ़ साल के बच्चे का अपहरण, ट्रेन बदल-बदलकर भागी महिला, पुलिस ने नागौर से किया गिरफ्तार

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में एक महिला ने अपने निःसंतान दामाद के लिए फुटपाथ पर सो रहे डेढ़ साल के मासूम को अगवा कर लिया। पूरी वारदात रेलवे स्टेशन के पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जयपुर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर इस केस को सुलझाते हुए मासूम को सकुशल बरामद कर आरोपी महिला को नागौर जिले के नावां से गिरफ्तार कर लिया है।

घटना मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे की है। मध्यप्रदेश के गुना जिले की रहने वाली एक महिला अपने डेढ़ साल के बेटे के साथ जयपुर रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर सो रही थी। बताया जा रहा है कि महिला घरेलू विवाद के चलते जयपुर आकर हसनपुरा पुलिया के पास रह रही थी और काम की तलाश में थी। उसी इलाके में 46 वर्षीय रेखा देवी गुजराती नाम की महिला भी सो रही थी, जो देखने में सामान्य लग रही थी, लेकिन उसके मन में एक खौफनाक साजिश चल रही थी। मौका मिलते ही उसने मां की गोद से मासूम को चुपचाप उठा लिया और वहां से फरार हो गई। सुबह जब मां की आंख खुली और बच्चा गायब मिला, तो उसकी चीख निकल गई। आसपास के लोग जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। सदर थाने में मामला दर्ज होते ही एसीपी धर्मवीर सिंह और एसएचओ लक्ष्मीनारायण के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने रेलवे स्टेशन और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें आरोपी महिला बच्चे को लेकर स्टेशन की ओर जाती नजर आई। इसके बाद पुलिस ने ट्रेनों की लोकेशन ट्रेस करनी शुरू की। रेखा देवी पहले अजमेर की ओर निकली, फिर कासगंज की ट्रेन से वापस आई लेकिन जयपुर की बजाय फुलेरा स्टेशन पर उतर गई। यहां से उसने जोधपुर जाने वाली ट्रेन पकड़ी और नागौर जिले के नावां स्टेशन पर उतर गई।

पुलिस ने नावां पहुंचते ही रेलवे स्टेशन और आसपास की बस्तियों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया और कुछ घंटों की मशक्कत के बाद आरोपी महिला को एक कच्ची बस्ती से मासूम के साथ दबोच लिया गया। पुलिस ने जैसे ही बच्चे को मां के सुपुर्द किया, वह फूट-फूटकर रो पड़ी। मासूम पूरी तरह सुरक्षित था और उसे मेडिकल जांच के बाद मां को सौंप दिया गया।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स की 100 प्रतिशत धमाका सेल में उमड़ा ग्राहकों का सैलाब!

❊ हीरे, पोल्की और चांदी की ज्वेलरी बनी आकर्षण का केंद्र

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित सोमाजीगुडा के प्रतिष्ठित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स द्वारा आयोजित 100 प्रतिशत धमाका सेल में पहले ही कुछ दिनों में भारी ग्राहक प्रतिसाद देखा जा रहा है। ग्राहकों का उत्साह देखते ही बन रहा है- खासकर विवाह प्रसंग और तीज-त्योहार को ध्यान में रखते हुए लोग बड़ी संख्या में खरीदारी कर रहे हैं।

❊ हीरे व पोल्की ज्वेलरी पर विशेष आकर्षण : नई डिजाइनों वाली पोल्की ज्वेलरी और क्लासिक डायमंड सेट्स ने खासकर दुल्हनों व परिजनों का ध्यान खींचा है। ग्राहकों को मिल रही 15 प्रतिशत विशेष छूट ने हीरे की ज्वेलरी को और भी आकर्षक बना दिया है। शानदार डिजाइन, उत्कृष्ट क्वालिटी और पारदर्शी रेटिंग ने ग्राहकों का दिल जीत लिया।

❊ चांदी का सेक्शन बना हॉट फेवरेट : इस बार का चांदी कलेक्शन (जिसमें शामिल हैं मंदिर सजावट की वस्तुएं, गिफ्टिंग आइटम्स, ट्रेंडी चांदी की ज्वेलरी) को भी शानदार प्रतिसाद मिला है। ग्राहक इसे गुणवत्ता, कारीगरी और मूल्य के अनुसार अत्यंत लाभदायक मान रहे हैं।

❊ ग्राहकों ने जताया भरोसा : खरीदारों ने खुले दिल से शिवराज ज्वेलर्स के सेवा भाव, ट्रांसपेरेंसी और वैरायटी की सराहना की। सेल के दौरान मॉडल्स पर ज्वेलरी ट्रायल, पर्सनलाइज्ड गाइडेंस और भव्य डिसप्ले ने खरीदारी के अनुभव को खास बना दिया है। शो-रूम में चल रही है खरीदारी की धूम, सीमित समय के इस अवसर का लाभ उठाएं! ध्यान दें- यह ऑफर कुछ ही दिनों तक सीमित है, अतः शीघ्र पधारें।

कृष्णा और गोदावरी दोनों नदियों के अधिकारों पर खतरा

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महत्वाकांक्षी गोदावरी-बनकचेरला लिंक परियोजना को लेकर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच बढ़ते जल विवाद ने तेलंगाना में खतरे की घंटी बजा दी है, क्योंकि आशंका है कि कृष्णा और गोदावरी नदी के जल पर राज्य का उचित हिस्सा गंभीर खतरे में है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा समर्थित इस परियोजना को रायलसीमा क्षेत्र के साथ-साथ नेल्लोर और प्रकाशम जिलों को सूखा-रोधी बनाने की आड़ में आगे बढ़ाया जा रहा है। तेलंगाना अब कृष्णा और गोदावरी, दोनों नदियों के पानी के अपने अधिकार से वंचित होने के खतरे का सामना कर रहा है। नायडू की भ्रामक योजनाओं में गोदावरी और कृष्णा नदियों के पानी की एक बड़ी मात्रा को मोड़ना, तेलंगाना की जल सुरक्षा को कमजोर करना और कानूनी ढाँचों का उल्लंघन करना शामिल है। 80,112 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली बनकचेरला परियोजना का उद्देश्य गोदावरी नदी के अतिरिक्त जल को कृष्णा नदी के माध्यम से पेन्ना बेसिन की ओर मोड़ना है। यह परियोजना तीन खंडों में विभाजित है। खंड I में पोलावरम परियोजना से कृष्णा नदी पर स्थित प्रकाशम बैराज में जल स्थानांतरित करना शामिल है, खंड II में प्रकाशम बैराज से जल को गुंटूर जिले के बोलपल्ली में प्रस्तावित 150 टीएमसी जलाशय में ले जाया जाएगा और खंड III में बोलपल्ली से जल को नंदयाल जिले के बनकचेरला रेगुलेटर की ओर मोड़ा जाएगा।

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने आज तेलंगाना सचिवालय में नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम के साथ बैठक की।

बिल्डर को 11.25 लाख रुपये वापस करने का दिया आदेश

टीजीआरईआरए ने दिया निर्देश

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (टीजीआरईआरए) ने हैदराबाद स्थित बिल्डर, जयश्री इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया, कुकटपल्ली को एक वाणिज्यिक स्थान सौदे में समझौता ज्ञापन (एमओयू) का अनुपालन न करने के लिए शिकायतकर्ता को 10.807 ब्याज के साथ 11.25 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। चौधरीगुडा निवासी कलवाला सुमन ने 2022 में जयश्री इंफ्रा के साथ एक 'एमओयू' किया था और गोपनपल्ली गांव में वेस्टर्न गैलेक्सी परियोजना में 250 वर्ग गज व्यावसायिक जगह खरीदने के लिए 10.25 लाख रुपये का भुगतान किया था। शिकायतकर्ता ने कहा कि बिल्डर ने आश्वासन दिया था कि पूरी तरह से निर्मित संपत्ति दिसंबर 2024 तक सौंप दी जाएगी।

शिकायतकर्ता ने परियोजना के पूरा होने में हो रही अत्यधिक देरी के संबंध में टीजीआईआरए से संपर्क किया और राहत की मांग की। टीजीआरईआरए ने इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ईएससीआई) को अक्टूबर 2023 में स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। ईएससीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा, परियोजना स्थल खाली पड़ा है और कोई प्रगति नहीं हुई है।

बदमाशों ने 6 साल के बच्चे पर चाकू से किया हमला

महबूबाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के केसमुद्रम मंडल के नारायणपुरम गांव में अज्ञात बदमाशों ने छह वर्षीय एक लड़के पर चाकू से हमला कर दिया। मनीष कुमार नाम का यह लड़का अपने माता-पिता पंडुला उपेंद्र और सिरिशा के साथ घर में सो रहा था, तभी हमलावरों ने घर में घुसकर उसकी गर्दन पर गहरा घाव कर दिया। माना जा रहा है कि हमला उस समय हुआ जब परिवार गहरी नींद में सो रहा था। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर उसकी दादी मंगमा जाग गईं और उन्होंने बच्चे के माता-पिता को इसकी सूचना दी।

बच्चे को पहले एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए महबूबाबाद के जिला सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मंगमा ने मीडिया को बताया कि छह महीने पहले मनीष के छोटे भाई की पानी की टंकी में गिरने से मौत हो गई थी और किसी ने मनीष को मारने का प्रयास किया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर रामनाथ केकण के निर्देश के बाद पुलिस ने अपराधियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

ट्रेन के नीचे आकर युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को जेम्स स्ट्रीट रेलवे स्टेशन के पास तेज गति से आ रही ट्रेन के नीचे आकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, आदिलाबाद निवासी एस धनुष (28) जेम्स स्ट्रीट और संजीवैया पार्क रेलवे स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर एक यात्री ट्रेन के सामने गिर गए। रेलवे पुलिस के अनुसार, आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पीड़ित के परिवार को सूचित कर दिया गया है। मामले की जांच पड़ताल चल रही है।

शराब के नशे में पत्नी की हत्या के जुर्म में उम्रकैद

जगतियाल, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल जिला अदालत ने एरा चंद्रैया को गुस्से में अपनी पत्नी गंगाराजू की हत्या करने के जुर्म में आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुगाली नारायण ने फैसला सुनाया और दोषी पर 2,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोरुतला थाना क्षेत्र के यकीनपुर निवासी चंद्रैया, एक दिहाड़ी मजदूर, अपनी पत्नी के साथ मिलकर जीविकोपार्जन करता था। शराब की लत के कारण जाना जाने वाला, वह अक्सर अपनी पत्नी और बेटे को परेशान करता था।

महिला से धोखाधड़ी के मामले में सेना के जवान को 10 साल की जेल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक जिला सत्र अदालत ने गुरुवार को एक सेना के जवान को छह साल पहले शादी के बहाने एक महिला को धोखा देने के लिए 10 साल की कैद और 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

न्यायाधीश एमवी रमेश ने कागजनगर के ईसगांव निवासी मोहनंद सरकार को 2019 में एक महिला से शादी का वादा करके उसका यौन शोषण करने का दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। अदालत ने फैसला सुनाने से पहले 10 चश्मदीद गवाहों से पूछताछ की और ठोस सबूतों की समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने दोषसिद्धि सुनिश्चित करने में किए गए प्रयासों के लिए कागजनगर के डीएसपी रामानुजम, ग्रामीण निरीक्षक कुमारस्वामी और ईसगांव के उपनिरीक्षक कल्याण की सराहना की।

आसिफाबाद में जंगली सूअर के हमले में महिला की मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतलामनेपल्ली मंडल की 55 वर्षीय महिला की बुधवार शाम को खेत से लौटते समय जंगली सूअर के हमले में मौत हो गई। मृतका, दुब्बुला लक्ष्मी, शनिवार को चिंतालमनेपल्ली मंडल के बालाजी अनुकोडा गांव में सड़क किनारे झाड़ियों से अचानक एक जंगली सूअर के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उस समय, वह धान की रोपाई का काम देखकर घर लौट रही थी। उसे पहले कागजनगर के एक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में करीमनगर रेफर कर दिया गया। हालांकि, उसकी हालत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। उसके परिवार के सदस्यों ने वन विभाग से मुआवजा बढ़ाने की अपील की है, क्योंकि लक्ष्मी की मौत एक जंगली जानवर ने की थी।

वन अधिकारियों ने हफ्तों की तलाश के बाद पकड़ा तेंदुआ

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गांधीपेट और आसपास के इलाकों में दहशत फैलाने वाले एक तेंदुए को बुधवार रात वन ट्रेक पार्क में वन अधिकारियों ने पकड़ लिया। बिल्ली को नेहरू प्राणी उद्यान में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां उसे निगरानी में रखा जाएगा और बाद में जंगल में छोड़ दिया जाएगा। इस महीने की शुरूआत में तेंदुए के देखे जाने के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने गांडीपेट के आसपास विभिन्न स्थानों पर जाल पिंजरे लगाए थे। अंततः तेंदुआ चारे में फंस गया और फॉरेस्ट ट्रेक पार्क में जाल के पिंजरे में फंस गया।

बूढ़े माता-पिता फल नहीं, पर छाया देते

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत महोपाध्याय ललितप्रभ सागर ने कहा कि जैसे बिना पानी का तालाब और बिना पैसे का पर्स काम का नहीं होता ठीक वैसे ही बिना प्रेम का परिवार होता है। अगर हम अपने सभी दिनों को आनंददायी बनाना चाहते हैं तो परिवार को प्रेम और मिठास से भरें।

उन्होंने कहा कि पहले पांच भाई छोटे घरों में भी जैसे-तैसे साथ रहना चाहते थे क्योंकि उनके दिल बड़े थे, आज दो भाई भी जैसे-तैसे अलग होना चाहते हैं क्योंकि मकान तो बड़े हो गए, पर लोगों के दिल बहुत छोटे हो गए। माँ-बाप पांच बेटों को पाल-पोषकर बड़ा कर लेते हैं और पांच बेटे मिलकर भी एक माँ-बाप का पालन-पोषण कर नहीं पा रहे हैं। संतप्रवर ने कहा कि लोगों ने आजकल अपने बूढ़े-बुजुर्गों की सेवा को नौकरों के भरोसे छोड़ दिया है। क्या पत्नी से प्यार करना हो तो उसे भी नौकरों के भरोसे छोड़ते हो। अब हम छोटा परिवार सुखी परिवार का नारा हटाएं और प्रेम भरा परिवार सुखी परिवार का नारा अपनाएं।

वे गुरुवार को नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में परिवार की दूरियों को कैसे करें दूर विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि माँ-बाप का रिश्ता दुनिया का सबसे बड़ा रिश्ता है क्योंकि वह रिश्ता जन्म से नौ माह पहले ही शुरू हो जाता है। माँ-बाप तो भगवान से भी बड़े दाता है जिन्होंने नख से लेकर शिख तक हमें सब कुछ दिया है। इसलिए एक बार भाग्य या भगवान भी हमसे रूठ जाए तो कोई दिक्कत नहीं, पर माँ-बाप हमसे रूठने नहीं चाहिए। वे लोग किस्मत वाले होते हैं जिनके सिर पर माँ-बाप का साया होता है। याद रखें, माँ-बाप उस बूढ़े पेड़ की तरह होते हैं जो फल भले ही न दे, पर छाया जरूर देते हैं। कहते हैं, बच्चा जब पैदा होता है तो माँ को उतना दर्द होता है जितना दर्द एक साथ बीस हड्डियों के टूटने पर हुआ करता है। जिन्होंने दर्द सहकर हमें जन्म दिया हम संकल्प लें कि हम उन्हें कभी दर्द नहीं देंगे। अगर हमारे कारण उनकी आंखों में आंसू आ गए तो इससे बड़ा और कोई पाप नहीं होगा। संतप्रवर ने महिलाओं से कहा कि अगर वे श्रवणकुमार की माँ बनना चाहती है तो कुछ न करें बस अपने पति को श्रवणकुमार बना दें। आखिर दुनिया में वही लौटकर आता है जैसा हम दूसरों को दिया करते हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि महीने में कुछ दिन अपनी बूढ़ी माँ या दादी के पास सोने की भी आदत डालें। उन्होंने कहा कि हो सके तो माँ-बाप की किसी बात को न काटें। अपने मन की करने के लिए तो पूरी जिंदगी पड़ी है, पर माँ-बाप कोई हमेशा थोड़े ही रहने वाले हैं।

संतप्रवर ने युवाओं की आत्मा को झकझोरते हुए कहा कि जिन माँ-बाप ने कष्ट उठाकर हमारा भविष्य बनाया हम जॉब के नाम पर उन्हें अकेले छोड़कर कहीं उनका भविष्य तो नहीं बिगाड़ रहे हैं। आपको अपनी पत्नी को अपने साथ परदेश या विदेश ले जाना याद रहता है, पर माँ-बाप को साथ ले जाना क्यों याद नहीं रहता। जैसे आपने उनको भगवान भरोसे छोड़ दिया है सोचो बचपन में उन्होंने भी आपको भगवान भरोसे छोड़ दिया होता तो आप किसी की दया पर जीवन काट रहे होते। संतप्रवर ने कहा कि वे लड़के-लड़कियां नासमझ होते हैं जो किसी वेलेंटाइन डे के आने पर किसी को छिप-छिपाकर आई लव यू कहते हैं, अगर कहना ही है तो अपने माँ-बाप, दादा-दादी से गले लगकर कहो- आई लव यू। जिंदगी में प्रेम की शुरूआत उससे मत करो जो कल मिला है वरन् उनसे करो जिनसे जीवन मिला है। फैमिली का मतलब ही है फादर एंड मदर आई लव यू। इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर जी महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई।

सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने इरिसेट का दौरा किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। नवीन गुलाटी, सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन सचिव ने इरिसेट और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के संबंध में इरिसेट का दौरा किया। उन्होंने, महानिदेशक/इरिसेट शरद कुमार श्रीवास्तव और इरिसेट एवं उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के अधिकारियों के साथ भारतीय रेलवे के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और उद्योग कर्मियों को विभिन्न सिगनल और दूरसंचार गतिविधियों तथा भारतीय रेलवे में कवच के कार्यान्वयन से संबंधित उनके ज्ञान को बढ़ाने हेतु दिए जा रहे प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा की। नवीन गुलाटी ने इरिसेट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे क्षेत्रीय रेलवे के सिगनल एवं दूरसंचार विभागों के प्रधान विभागाध्यक्षों के समूह को भी संबोधित किया और सिगनल एवं दूरसंचार पेशेवरों के कौशल विकास तथा भारतीय रेलों पर कवच के शीघ्र क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कवच प्रयोगशाला में संस्थापित विभिन्न प्रशिक्षण उपकरणों और इरिसेट एवं उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) द्वारा किए जा रहे अन्य विकास कार्यों का भी अवलोकन किया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव और दक्षिण मध्य रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा किए जा रहे कार्यों की व्यापक समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर सदस्य (अवसंरचना) के साथ रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी, विजयलक्ष्मी कौशिक, अपर सदस्य (सिगनल) और सौरभ बंदोपाध्याय, प्रमुख कार्यकारी निदेशक (एस एंड टी)/विकास भी मौजूद थे।

लॉज के कर्मचारियों ने अंतरंग पलों की रिकॉर्डिंग कर प्रेमियों से की जबरन वसूली

कोत्तागुडेम, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिरों के शहर भद्राचलम में एक ब्लैकमेल और जबरन वसूली रैकेट का पर्दाफाश हुआ है, जहां एक लॉज के कर्मचारियों ने कथित तौर पर एक जोड़े की निजी क्षणों की बिना सहमति के रिकॉर्डिंग की और उनसे पैसे की मांग की। 16 अप्रैल को घटी यह घटना मंगलवार को तब प्रकाश में आई जब भद्राचलम के गोलाबाजार निवासी 19 वर्षीय पॉलिटेक्निक छात्र मोहम्मद हर्षद ने स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एफआईआर के अनुसार, हर्षद और उसका साथी रामालयम घूमने के बाद श्री रघुराम रेजीडेंसी के कमरा नंबर 206 में रुके थे। उनके ठहरने के दौरान, होटल के एक कर्मचारी ने कथित तौर पर उनकी जानकारी के बिना उनके अंतरंग पलों के वीडियो रिकॉर्ड किए और तस्वीरें लीं।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 149वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 3 को

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा शिव मंदिर कमेटी पब्लिक गार्डन के सहयोग से 149वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 3 अगस्त को सुबह 6 से 9 बजे तक नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन में आयोजित किया जाएगा। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। फिजियोथैरेपी बजाज फिजियो केयर के डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लीप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे। साथ ही आवश्यक रोगी को निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 8 बजे तक किया जाएगा। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, कैलाशचंद केडिया, मणिलाल शाह, उत्तम सुगंध, गोविन्द केडिया से संपर्क किया जा सकता है।

डॉ. रविकृष्ण चेबोलू ने विशिष्ट वैज्ञानिक प्रमुख का पदभार संभाला

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने डॉ. रविकृष्ण चेबोलू को विशिष्ट वैज्ञानिक और सीएसआईआर इनोवेशन कॉम्प्लेक्स (सीएसआईआर-आईसी), मुंबई का प्रमुख नियुक्त किया है। सीएसआईआर के अध्यक्ष के रूप में प्रधान मंत्री द्वारा इन्हे वेतन मैट्रिक्स के स्तर 16 पर नियुक्ति को अनुमोदित किया गया है। मुंबई स्थित सीएसआईआर इनोवेशन कॉम्प्लेक्स को ट्रांसलेशनल रिसर्च, उद्योग सहयोग और नवाचार-आधारित विकास के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। यह स्टार्टअप्स, एमएसएमई और उद्योग जगत के दिग्गजों को सीएसआईआर की वैज्ञानिक क्षमताओं से जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण को बढ़ावा मिलेगा। डॉ.सी. हेबोलू ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से कार्बनिक रसायन विज्ञान में पीएचडी की है और रटगर्स विश्वविद्यालय और कनेक्टिकट विश्वविद्यालय (अमेरिका) से पोस्ट-डॉक्टरल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने दवा उद्योग में एक प्रक्रिया रसायनशास्त्री के रूप में अपना करियर शुरू किया और बाद में व्यवसाय विकास, विपणन, रणनीति और सामान्य प्रबंधन में प्रॉफ़िट एण्ड लॉस रेसपोंसबिलिटी के साथ कई नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाईं। उनकी पेशेवर यात्रा अरागेन और लॉरस लैब्स जैसी भारतीय फार्मा/सीडीएमओ संस्थाओं और एजिलेंट टेक्नोलॉजीज, वेस्ट फार्मास्युटिकल्स और यूरोफिन्स जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक फैली हुई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे (द.म.रे.) की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

सं. वाय/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/2025-26, दि.29-07-2025 PUB/0932

दक्षिण मध्य रेलवे (द.म.रे.) के हैदराबाद डिवीजन में एटीएम तथा छिटपुट स्थैतिक सेवा श्रेणी हेतु वाणिज्यिक संविदाएं प्रदान करना। ई-नीलामी का शेड्यूल नीचे दिया गया हैः-

क्रम सं.	श्रेणी	कैटलाग नं.-	कार्य विवरणः	नीलामी तिथिः	नीलामी शुरू समयः	
1.	एटीएम-एचवायबी-जीडब्ल्यूडी-जनरल-48-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एटीएम-11	हैदराबाद डिवीजन के गद्वाल रेलवे स्टेशन पर अटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) को प्रदान करना।	11-08-25	11.30	12.00
2.	एटीएम-एचवायबी-जेसीएल-जनरल-46-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एटीएम-11	हैदराबाद डिवीजन के जेडचेर्ला रेलवे स्टेशन पर अटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) को प्रदान करना।	11-08-25	11.40	12.10
3.	एटीएम-एचवायबी-एसएचएनआर-जनरल-45-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एटीएम-11	हैदराबाद डिवीजन के शादनगर रेलवे स्टेशन पर अटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) को प्रदान करना।	11-08-25	11.50	12.20
4.	एटीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जनरल-3-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एटीएम-11	हैदराबाद डिवीजन के सीताफलमण्डी रेलवे स्टेशन पर अटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) को प्रदान करना।	11-08-25	12.00	12.30
5.	एटीएम-एचवायबी-वीडीआय-जनरल-49-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एटीएम-11	हैदराबाद डिवीजन के वेलदुर्ती रेलवे स्टेशन पर अटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) को प्रदान करना।	11-08-25	12.10	12.40
6.	एमएसएस-एचवायबी-डीवायइ-बीएस-95-25-1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-044	दयानन्द नगर पर बैटरी स्वैपिंग ठेका	12-08-25	11.30	12.00
7.	एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-बीएस-95-25-1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-044	सीताफलमण्डी रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिंग एरिया में बैटरी स्वैपिंग ठेका	12-08-25	11.30	12.00
8.	एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स-जीजेड-71-24-1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-गेमिन्ग झोन)	एचवायबी-एमएसएस-044	सफीलगुडा रेलवे स्टेशन पर गेमिंग झोन(बाक्स क्रिकेट) की स्थापना	12-08-25	11.40	12.20

A1150 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फालो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सं. जीटीएल-इएम-04 एण्ड 05-2025-26 दि.30-07-2025 PUB/0921

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. जीटीएल-इएम-04 -2025-26 कार्य विवरणः डीएलएस/गुण्टकलः मौजूदा एचआर बे, टीएम बे तथा टीजी बे संबंधित फ्लूरिन्ग का प्रस्तावित सुधार कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित लागः रु.1,23,44,469.75

क्रम सं.2, निविदा सं. जीटीएल-इएम-05 -2025-26 **कार्य विवरणः** गुण्टकल डिवीजनः 1. तिरुपति-एसएसइ-पी.वे आफिस पाकाला के एवज में स्टोर डिपो सहित तिरुपति पर एसएसइ/पी.वे आफिस का प्रस्तावित निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 2. एडीइएन/आरयु क्षेत्राधिकार के तहत आरयु, केएचटी, वीकेआय एण्ड वीडीडी स्टेशनों पर स्टाफ क्वार्टर्स में विभिन्न स्टाफ एमेनिटीज या कर्मचारियों के सुविधाओं का सुधार कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 3. एडीइएन/एटीपी सब-डिवीजन के डीएमएम एण्ड एटीपी पर कालोनियां का सुधार कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। **अनुमानित लागतःरु.**63,68,221.12

बंद करने की तिथि व समयः 19-08-2025 के 15.00 बजे

टेन्डर बिड्डींग या निविदा बोली तथा अन्य विवरण हेतु http://.ireps.gov.in पर लागिन करें। इस निविदा का कोई शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदादातागण निःशुल्क रूप में, निविदा दस्तावेज को http://.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणी : इस निविदा में सहभागिता/बोली में भाग लेने के लिए, निविदादाता के पास वैध डीएससी(डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुण्टकल

सं. डीवाय. सीइ-जीएस-बीजेडए-24-2025-26 दि.29-7-2025 PUB/0922

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा/सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेन्डरिंग में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.बीजेडए-जीएसयु-इलेक.-24-2025-26 दि.28-07-2025 **कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः** विजयवाडा डिवीजन के अनकापल्ले यार्ड पर ओएचइ माडिफिकेशन या परिवर्तन कार्यों सहित एवं डाउन साइड पर प्रस्तावित एडीशनल लूप लाइन के लिए 25 केवी कन्वेन्शनल टाइप-रेग्युलेटेड ओएचइ का प्रावधान। **निविदा मूल्यः रु.**2,04,24,286.10, **पूर्व धरोहर राशिः रु.**2,52,100.00, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 09 महिने, निविदा **प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य,** बंद करने की **तिथि व समयः** 21-08-2025 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

2. पूर्व धरोहर राशि का भुगतान, आनलाइन के आयआरइपीएस पर उपलब्ध केवल नेट बैंकिंग/पेमेंट गेटवे सुविधाओं द्वारा ही किया जाना चाहिए (या) भौतिक या मैन्युएल रूप में, बोली सुरक्षा या बिड सेक्युरिटी से जुडे बैंक गारंटी को, एफए एण्ड सीएओ/सीओएन/एस.सी. रेलवे, सिकंदराबाद के पक्ष में प्रस्तुत करना चाहिए।

3. निविदादाताओं को, अपने अपने आफर्स को, आनलाइन तौर पर, निविदा प्रस्तुति/बिड्डिंग अवधि के दौरान निविदा बंद करने से पहले, पंद्रह दिनों के भीतर, प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदादाता, तत्संबंधित किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति /बिड्डिंग अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

विभागीय बिजली अभियंता, गति शक्ति, विजयवाडा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से) PUB/0923

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्य हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेन्डरिंग में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1, एनआयटी सं.- सी/इ.29/टीआरडी/एससी/35/2025-26, कार्य विवरणः निविदा सं. सी/इ.29/टीआरडी/एससी/35/2025-26, दि.7-7-2025, एससी डिवीजनः एएसएएफ-आरइसीएच, एचएसपी-एनकेडी एण्ड वायपी-केएमटी सेक्शन में एबीएस कार्यों के लिए, 25 केवी एट सप्लाई का प्रावधान तथा एससीआर (वर्क कोडः008071) पर जीडी/जीक्यू रूट्स (बीपीक्यू-एमटीएमआय 391 किमी) पर इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग/इन्टरफेसेज एण्ड ब्लाक आप्टिमाइजेशन सिस्टम सहित सेन्ट्रलाइज्ड कंट्रोल सिस्टम का प्रावधान। **विवरणः** अनुमानित लागतः रु.3,15,27,711.30, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 120 दिन, बंद करने की तिथिः 22-08-2025 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in **पर लागिन करें।**

2. निविदादाता, तत्संबंधित में केवल ई-टेन्डरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा इस मामले में किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

3. सभी भावी निविदाकरों से अनुरोध है कि, निविदा प्रपत्र एवं पूधरा या पूर्व धरोहर राशि का भुगतान केवल आनलाइन पेमेन्ट्स द्वारा ही करें।

4. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, तत्संबंधित किसी भी निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

5.सभी भावी निविदाकरों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर्स के साथ प्रस्तुत करें।

6. निविदादाता, तत्संबंधित किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

A1136 वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता-टीआरडी-सिकंदराबाद

अतिरिक्त निविदा शर्तों विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अंडर-19 भारतीय टीम घोषित

वैभव सूर्यवंशी को भी फिर से मिली जगह

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच 21 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज में 3 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड दौरे पर भी मिली थी वैभव को जगह

वैभव इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में टेस्ट सीरीज खेल चुके हैं और इंग्लैंड दौरे पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड में उन्होंने 5 वनडे मैचों में 355 रन बनाए, जिसमें एक शतक शामिल था। वैभव ने 52 गेंदों में शतक बनाकर रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था।

21 सिंतबर को खेला जाएगा पहला वनडे

इंडिया अंडर 19 बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के बीच पहला वनडे मैच रविवार (21 सितंबर) को खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा वनडे 24 सितंबर को होगा जबकि तीसरा वनडे मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में टकराएंगी। सीरीज का पहला चार दिनी टेस्ट मैच 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेला जाएगा।

जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक खेला जाएगा। तीनों वनडे नॉर्थेम्प्टनशॉयर में खेला जाएगा जबकि पहला टेस्ट भी इसी वेन्यू पर खेला जाएगा वहीं दूसरा टेस्ट मैक्के में आयोजित होगा।

खिलाड़ीः वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, नमन पुष्पक, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार, अनमोलजीत सिंह, खिलन पटेल, उधव मोहन, अमन चौहान। स्टैंडबाय खिलाड़ीः युधजीत गुहा, लक्ष्मण, बी.के. किशोर, अलंकृत रापोल, अर्नव बुग्गा।

टीम इंडिया ने की अंपायर की शिकायत

लॉड्र्स टेस्ट में सरेआम ऐसे दिया धोखा, लगाया सनसनीखेज आरोप

लंदन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के दौरान इंटनेशनल क्रिकेट काउंसिल से अंपायर की शिकायत की है. उनका दावा है कि लॉड्र्स में हुए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान उनको जो गेंद दी गई थी, वो 10 ओवर की बजाय 30 ओवर पुरानी थी. इससे मैच का रुख बदल गया. इस मामले में अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से नियमों के मुताबिक हस्तक्षेप करने की मांग की है. लॉड्र्स टेस्ट के दौरान गेंद बदलने को लेकर टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल का अंपायर से विवाद हो गया था. इस मैच में टीम इंडिया को 22 रनों से हार झेलनी पड़ी थी.

टीम इंडिया ने किया दावा

रिपोट्र्स के मुताबिक गेंद बदलने के मामले में भारतीय टीम के एक अधिकारी ने दावा किया कि लॉड्र्स टेस्ट के दौरान अंपायर ने टीम को पुरानी गेंद दी थी और उन्होंने गेंद की स्थिति के बारे में टीम को कुछ नहीं बताया. इतना ही नहीं टीम इंडिया को अपनी पसंद की गेंद चुनने का भी अधिकार नहीं दिया गया, क्योंकि उन्होंने जो गेंद चुनी थी, उसे इंग्लैंड टीम ने अपनी दूसरी नई गेंद के रूप में पहले ही चुन लिया था.

रिपोट्र्स के मुताबिक टीम इंडिया के अधिकारी ने बताया कि "लॉड्र्स में लगभग 10 ओवर के बाद, ड्यूक्स गेंद अपना आकार खो बैठी थी, जैसा कि इस सीरीज में अक्सर होता रहा है. गेंद उन छल्लों से नहीं गुजर पाई जो अंपायर मैदान पर ये जांचने के लिए रखते हैं. हालांकि अंपायरों के पास 10 ओवर पुरानी गेंद नहीं थी, इसलिए मैच के एक अहम मोड़ पर भारतीय टीम को 30-35 ओवर पुरानी गेंद मिली". जबकि ICC के नियमों के मुताबिक जब गेंद बदला जाए तो, जो बॉल टीम को दी जाए वो सटीक उसी ओवर की होनी चाहिए.

लॉड्र्स में क्या हुआ था?

लॉड्र्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान टीम इंडिया ने दस ओवर के बाद दूसरी नई गेंद की जांच की. जांच में अंपायरों ने पाया कि वो रिंग से होकर नहीं गुजर रही है. उस समय तक इंग्लैंड का स्कोर 7 विकेट पर 271 रन हो चुका था. जसप्रीत बुमराह ने 14 गेंदों के अंदर बेन स्टोक्स, जो रूट और क्रिस वोक्स को आउट कर दिया था.

गेंद बदलने के बाद स्कोर इंग्लैंड के पक्ष में जाने लगा. इंग्लैंड ने पहली पारी में 355 रन बनाए. इस दौरान जेमी स्मिथ और ब्राइडन कार्स ने शानदार पारी खेली थी. टीम के अधिकारी ने बताया कि इसके बाद खेल कैसे बदला? ये देखने के लिए स्कोरबोर्ड देख सकते हैं. गेंदबाजों की स्विंग चली गई और इंग्लैंड ने आसानी से रन बना लिए. रिपोट्र्स के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि अगर टीम को पता होता कि गेंद 30 से 35 ओवर पुरानी है तो वो पहले वाली गेंद से ही बॉलिंग करते.

मैच रेफरी के कमरे में हो गेंदों का चयन

रिपोट्र्स के मुताबिक गेंद रिप्लेसमेंट के दौरान जब अंपायर ड्रेसिंग रूम में गेंद की बॉक्स लेकर आए तो, टीम इंडिया ने एक गेंद को चुना. इस पर अंपायर ने कहा कि इंग्लैंड ने इसे अपनी दूसरी नई गेंद के रूप में पहले ही चुन लिया है. अधिकारी ने बताया कि सही यही होगा कि गेंद का चयन मैच रेफरी के कमरे में हो न कि ड्रेसिंग रूम में जहां स्थानीय अंपायर ही एकमात्र अधिकारी के रुप में मौजूद होते हैं. अब भारतीय टीम ने इसकी शिकायत आईसीसी से की है. इस टेस्ट मैच में टीम इंडिया को नजदीकी मुकाबले में 22 रनों से हार झेलनी पड़ी थी.

इंग्लैंड में युजवेंद्र चहल ने मचाया तहलका

इंग्लिश बल्लेबाजों के उड़ गए होश

लंदन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। लंबे समय से युजवेंद्र चहल टीम इंडिया में कमबैक करने का प्रयास कर रहे हैं। इस बीच वो काउंटी चैंपियनशिप में भी खेलते हुए नजर आ रहे हैं। चहल ने एक बार फिर से गेंद के साथ अपना जादू करना शुरू कर दिया है। नॉर्थहैम्पटनशायर के लिए खेलते हुए चहल लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। डर्बीशायर के खिलाफ मुकाबले में चहल ने गेंद के साथ कमाल का प्रदर्शन किया है। जिसको देखकर सभी इंग्लिश बल्लेबाजों के होश उड़ गए हैं।

युजवेंद्र चहल गेंद के साथ चमके

डर्बीशायर और नॉर्थ हैम्पटनशायर के बीच खेले जा रहे मुकाबले में गेंद और बल्ले का अच्छा संतुलन देखने को मिल रहा है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी डर्बीशायर ने 377 रन बनाए। जहां पर गेंद के साथ युजवेंद्र चहल ने 33.2 ओवर में 118 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए। इस मुकाबले में जब भी डर्बीशायर की टीम ने कोई पार्टनरशिप की तो उसे चहल ने ही तोड़ा। जिसके कारण ही उनकी टीम बेहतर स्थिति में पहुंच सकी। डर्बीशायर के लिए मार्टिन एंडरसन ने शतक जड़ा, तो वहीं बेन एचिसन और जो हॉकिन्स ने भी एंडरसन का अच्छा साथ निभाया। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक नॉर्थहैम्पटनशायर की टीम बेहतर स्थिति में नजर आ रही है।

नॉर्थहैम्पटनशायर के बल्लेबाजों ने भी मचाया धमाल

पहली पारी में नॉर्थहैम्पटनशायर की टीम ने अभी तक 5 विकेट गंवाकर 265 रन बना लिए हैं। उनकी टीम अब सिर्फ 112 रन ही पीछे हैं। नॉर्थहैम्पटनशायर के लिए कप्तान ल्कूक प्रॉक्टर ने 71 रनों की अहम पारी खेली। वहीं जॉर्ज बार्टलेट 60 रन तो जस्टिन ब्रॉड 64 रन बनाकर खेल रहे हैं। चहल दूसरी पारी में भी गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन करके टीम इंडिया में वापसी का अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे। गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद से टीम इंडिया युवा स्पिनरों पर ज्यादा निवेश कर रही है।

महिला एथलीट्स को जेंडर टेस्ट कराना होगा

वरना वर्ल्ड चैंपियनशिप में नहीं खेल सकेंगी; वर्ल्ड एथलेटिक्स ने एसआरवाई जीन टेस्ट लॉन्च किया

मोनाको, 31 जुलाई (एजेंसियां)। महिला एथलीट्स को अब जीवन में एक बार जेंडर टेस्ट कराना जरूरी हो गया है। इसके लिए वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने एसआरवाई जीन टेस्ट लागू किया है।

जो खिलाड़ी इस टेस्ट से नहीं गुजरेगी, वह वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकेगी। यह कानून बीते सालों में जेंडर चेंज कराके महिला बनकर कॉम्पिटिशन में उतरने वाली खिलाड़ियों को रोकने के लिए बनाया गया है।

ये नियम 1 सितंबर 2025 से लागू होगा। 13 सितंबर से टोक्यो में होने जा रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला एथलीट्स इस टेस्ट को पास किए बिना भाग नहीं ले सकेंगी।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अनुसार, यह टेस्ट लाइफ में एक बार ही कराना होगा। गाल से स्वैब या ब्लड सैंपल के जरिए टेस्ट होगा, जिससे खिलाड़ी के जेंडर की पहचान होगी।

महिला खेलों की गरिमा और निष्पक्षता की रक्षा करना हमारा लक्ष्य है। हमारा मानना है कि अगर कोई महिला खेलों में आए, तो उसे यह विश्वास होना चाहिए कि वहां जैविक (बायोलॉजिकल) बाधा नहीं है। बायोलॉजिकल जेंडर की पुष्टि करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि विमेंस कैटेगरी में कम्पीट करने के लिए आपको बायोलॉजिकल तौर पर महिला होना चाहिए। यह हमेशा से क्लियर था कि बायोलॉजिकल जेंडर से ऊपर लिंग पहचान नहीं हो सकती।

एक साल पहले पेरिस ओलिंपिक के दौरान बॉक्सिंग में भी जेंडर विवाद हुआ था। तब अल्जीरिया की मुक्केबाज इमान खलीफ पर पुरुष होने के आरोप लगे थे। उनकी प्रतिद्वंद्वी ने यह कहकर मुकाबला छोड़ दिया था कि मुझे पुरुषों से भिड़ा दिया गया है।

पाकिस्तान वेटरन लीग डब्ल्यूसीएल के फाइनल में पहुंचा

भारत ने सेमीफाइनल खेलने से मना कर दिया था; चौथे नंबर पर रही इंडियन टीम

स्पोर्ट्स डेस्क, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रिटायर्ड क्रिकेटर्स के टूर्नामेंट वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान फाइनल में पहुंच गया है। डब्ल्यूसीएल ने जानकारी दी। भारत ने पाकिस्तान के साथ सेमीफाइनल मैच खेलने से मना कर दिया था। यह मुकाबला 31 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाना था।

इससे पहले भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तान के साथ 20 जुलाई को होने वाला ग्रुप मैच भी नहीं खेला था। तब मैच रद्द करके दोनों टीमों में अंक बांट दिए गए थे। लेकिन अब पाकिस्तानी टीम अपने ग्रुप में टॉप पर होने और चार जीत के साथ नौ अंक हासिल करने के कारण फाइनल में पहुंच गई है।

वहीं, भारत छह टीमों वाले इस टूर्नामेंट में चौथे नंबर पर रहा। टीम को एक मैच में जीत और तीन में हार मिली, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। पाकिस्तान का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल के विजेता (ऑस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका) से होगा।

हम हमेशा खेल की ताकत पर भरोसा करते हैं। हालांकि, जनभावना का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। आखिर हम जो कुछ भी करते हैं, अपने दर्शकों के लिए ही करते हैं। हम भारत चैंपियंस के सेमीफाइनल से हटने के फैसले का सम्मान करते हैं और पाकिस्तान चैंपियंस की प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी का भी सम्मान करते हैं। सभी बातों को ध्यान में रखते हुए भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच का मैच रद्द कर दिया गया है। पाकिस्तान चैंपियंस फाइनल में जाएगा। लीग की स्पॉन्सर कंपनी ईजमाई ट्रिप ने भी ही सेमीफाइनल मैच से हटने का ऐलान किया था। कंपनी के को-फाउंडर निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट में लिखा था- 'हम डब्ल्यूसीएल में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकता।'

'ईजमाई ट्रिप भारत के साथ खड़ा है। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो। कुछ चीजें खेल से भी बड़ी होती हैं। देश पहले, व्यापार बाद में।'

एक दिन पहले ओवैसी ने लोकसभा में मामला उठाया था

एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने 29 जुलाई को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा के दौरान एशिया कप में भारत के पाकिस्तान से मैच खेलने पर सवाल उठाया था। ओवैसी ने सरकार से पूछा था-

क्या आपकी अंतरात्मा अनुमति देती है कि आप पहलगाम में मारे गए लोगों के परिवार वालों से कहें कि अब भारत–पाक मैच देखिए। हमने पाकिस्तान का 80% पानी रोक दिया। खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, फिर क्रिकेट खेलने की अनुमति कैसे दे सकते हैं?

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध हो रहा

26 जुलाई को एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी होने के बाद से ही भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध हो रहा है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में के बाद से ही लोग कह रहे हैं कि जिस देश से आतंकवाद आता है, उससे नहीं खेलना चाहिए। इस पर बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों के बीच 14 सितंबर को मैच खेला जाना है। इसके अलावा भारतीय महिला टीम 6 अक्टूबर को कोलंबो में आईसीसी महिला विश्वकप में पाकिस्तान के साथ मैच खेलेगी।

लक्ष्य-तरुण और रक्षिता भी मकाऊ ओपन के दूसरे दौर में, आयुष भी अगले राउंड में पहुंचे

मकाऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली ने मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरूष वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य ने कोरिया के जियोन हियोक जिन को 21-8, 21-14 से हराया । वहीं विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के हुआंग यू केइ को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के चिको औरा द्वि वार्दोयो और रित्विक संजीवी सतीश कुमार के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा । वहीं तरूण की टक्कर शीर्ष वरीयता प्राप्त हांगकांग के ली चियुक यू से होगी। महिला एकल में रक्षिता रामराज एकमात्र भारतीय रहीं जिन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने थाईलैंड की पोर्नपिचा चोएकीवोंग को 63 मिनट में 18-21 21-17 22-20 से शिकस्त दी।

मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया। वहीं पुरुष युगल में पी कृष्णामूर्ति रॉय और एस प्रतीक की भारतीय जोड़ी ने डी कोनाथोयूजाम और अमान मोहम्मद की हमवतन जोड़ी को 21-18 21-19 से शिकस्त देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

एच एस प्रणय को इंडोनेशिया के योहानेस एस मार्शेलिनो के हाथों 21-18, 15-21, 15-21 से पराजय झेलनी पड़ी। पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। रित्विक संजीवी सतीश कुमार एक अन्य मैच में चिको से 16-21 8-21 से हार गए।

ओलिंपिक 2028 से बाहर हो सकते हैं पाकिस्तान-न्यूजीलैंड

खेल डेस्क, 31 जुलाई (एजेंसियां)। लॉस एंजिल्स ओलिंपिक 2028 में पूर्व टी-20 वर्ल्ड चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की पुरुष टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो सकती हैं। इसका मुख्य कारण इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए निर्धारित क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली है। 128 साल बाद 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जिसमें मेंस और विमेंस टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी। इसमें 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने ओलिंपिक के लिए क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत एशिया, ओशिनिया, यूरोप, और अफ्रीका की टॉप रैंक वाली टीमें क्वालिफाई करेंगी। मेजबान देश होने के नाते अमेरिका (अमेरिका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए) को भी सीधा प्रवेश मिलेगा। इस प्रणाली से वेस्टइंडीज की टीमें भी प्रभावित हो सकती हैं, क्योंकि कैरेबियाई देशों को अमेरिका के साथ एक ही क्षेत्र में रखा गया है। वर्तमान टी-20 रैंकिंग के आधार पर, भारत (एशिया), ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया), ग्रेट ब्रिटेन (यूरोप), और साउथ अफ्रीका (अफ्रीका) क्वालिफाई करेंगे। अमेरिका मेजबान के रूप में हिस्सा लेगा। हालांकि, न्यूजीलैंड (वर्तमान में टी-20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर) को ओशिनिया क्षेत्र से ऑस्ट्रेलिया (दूसरे स्थान पर) के सामने क्वालिफाई करने का मौका नहीं मिलेगा। इसी तरह, पाकिस्तान (आठवें स्थान पर) और श्रीलंका (सातवें स्थान पर) को एशिया क्षेत्र से भारत के सामने जगह नहीं मिलेगी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड आईसीसी के इस फैसले से नाखुश हैं। हालांकि, इस प्रस्ताव को अभी आईसीसी बोर्ड की औपचारिक मंजूरी मिलनी बाकी है, लेकिन इसे बदलने की संभावना कम है। हैरानी की बात है कि मेजबान होने के बावजूद अमेरिका की भागीदारी भी अनिश्चित है।

चेस वर्ल्ड कप विजेता दिव्या देशमुख का नागपुर में स्वागत

नागपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जॉर्जिया के बटुमी में खत्म हुई चेस वर्ल्ड कप में जीतने वाली 19 साल की दिव्या देशमुख का नागपुर पहुंचने पर स्वागत किया गया। बुधवार को जब वे अपने गृहनगर नागपुर लौटीं, तो हवाई अड्डे पर उनके रिश्तेदारों और प्रशंसकों ने उनका भव्य स्वागत किया।

दिव्या ने इस टूर्नामेंट में भारत की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को टाई-ब्रेकर में हराकर यह खिताब अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच दो क्लासिकल गेम ड्रॉ रहे थे, जिसके बाद टाई-ब्रेकर में दिव्या ने जीत हासिल की। इस जीत ने दिव्या को ग्रैंडमास्टर (जीएम) का खिताब दिलाया, साथ ही उन्हें कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह और 50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 42 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि भी मिली।

दिव्या ने टूर्नामेंट में अंडरडॉग के रूप में हिस्सा लिया था और उनका लक्ष्य केवल जीएम-नॉर्म हासिल करना था, लेकिन उन्होंने सभी को चौंकाते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

दिव्या अपनी मां के साथ बटुमी से मुंबई होते हुए नागपुर पहुंचीं। हवाई अड्डे पर उनके प्रशंसक और रिश्तेदार पहले से ही उनके स्वागत के लिए मौजूद थे।

दिव्या ने स्वागत पर खुशी जताते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है कि इतने सारे लोग मेरा स्वागत करने आए हैं। शतरंज को इतना सम्मान मिल रहा है, यह मेरे लिए गर्व की बात है।

परिवार और कोच को दिया जीत का श्रेय

दिव्या ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार और अपने पहले कोच राहुल जोशी को दिया, जिनका 2020 में 40 साल की उम्र में निधन हो गया था। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता ने मेरे करियर में सबसे बड़ा योगदान दिया है।

उनके बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती। मेरी बहन आर्या देशमुख, मेरे दादा-दादी, और मेरे पहले कोच राहुल जोशी सर का भी बहुत बड़ा हाथ है। राहुल सर हमेशा चाहते थे कि मैं ग्रैंडमास्टर बनूं, और यह जीत उनके लिए है।

दिव्या ने ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे को भी अपनी सफलता का भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि अभिजीत सर मेरे लिए लकी चार्म हैं। जब भी वे मेरे साथ होते हैं, मैं ट्रॉफी जीतती हूं। 2 से 16 सितंबर तक उज्बेकिस्तान में होने वाले ग्रैंड स्विस में हिस्सा लेंगी

विश्व कप की जीत के बाद दिव्या अब कुछ समय आराम करना चाहती हैं। इसके बाद वे उज्बेकिस्तान के समरकंद में 2 से 16 सितंबर तक होने वाले ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा कि इस महीने मैं थोड़ा आराम करूंगी और अगले महीने ग्रैंड स्विस में खेलूंगी।दिव्या की इस उपलब्धि ने न केवल नागपुर बल्कि पूरे देश को गर्व से भर दिया है। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें शतरंज की दुनिया में एक नया सितारा बना दिया है।

संजू सैमसन एशिया कप में खेलने को बेताब

भारत और पाकिस्तान मैच विवाद के बीच दिया बड़ा बयान

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला पहला टेस्ट मैच रद्द हो गया है. भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया. इसके बाद पाकिस्तान बिना खेले ही इस लीग के फाइनल में पहुंच गया है. अब एशिया कप 2025 पर भी इस लीग का साया पड़ने लगा है. एशिया कप में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को रद्द करने की मांग उठने लगी है. इस दौरान टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक बड़ा बयान देकर सबको चौंका दिया. वो एशिया कप में खेलने को काफी बेताब हैं. उनका ये बयान सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

इस बार एशिया कप भारत की मेजबानी में यूएई में खेला जाना है. 9 सितंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में खेलने के लिए संजू सैमसन काफी बेताब हैं. उन्होंने कहा कि पिछली बार मैं यहां अंडर-19 वर्ल्ड कप और इंडियन प्रीमियर लीग में खेला था. मुझे यहां के लोगों से हमेशा शानदार समर्थन और उत्साह मिला है. मुझे उम्मीद है कि मैं फिर से ऐसा अनुभव करूंगा. अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है और संजू सैमसन टीम इंडिया की टी20 टीम के अहम सदस्य हैं. साल 2023 में हुए एशिया कप में संजू सैमसन टीम का हिस्सा नहीं थे. हालांकि एशिया कप 2025 में विवादों का सिलसिला अभी थम नहीं रहा है.

महानिदेशक चिकित्सा सेवाएं ने सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद का दौरा किया

> संचालन उत्कृष्टता और नवाचार की सराहना की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस. नायर, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएमएस (सेना) और वरिष्ठ कर्नल कमांडेंट, सेना चिकित्सा कोर ने सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद का दौरा किया।

ब्रिगेडियर विशाल वीर शर्मा, एसएम, कमांडेंट ने जनरल ऑफिसर का स्वागत किया और उन्हें अस्पताल की नैदानिक देखभाल सुविधाओं, परिचालन तैयारियों, कार्यात्मक चुनौतियों और दक्षिण भारत क्षेत्र में सबसे व्यस्त स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में से एक के रूप में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी। डीजीएमएस सेना ने बुनियादी ढांचे, चिकित्सा क्षमताओं और स्वास्थ्य सेवा वितरण में हालिया प्रगति का आकलन करने के लिए अस्पताल के प्रमुख विभागों का व्यापक दौरा किया।

उनका दौरा अत्याधुनिक कैथ लैब से शुरू हुआ, जहां उन्होंने उन्नत हृदय हस्तक्षेप व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्हें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई और उच्च जोखिम वाली हृदय संबंधी आपात स्थितियों से निपटने में टीम की तैयारी की सराहना की। उन्होंने नैदानिक प्रोटोकॉल के पालन और आपातकालीन हृदय देखभाल में बनाए गए उच्च मानकों की सराहना की। एमआरआई केंद्र में, उन्होंने उन्नत इमेजिंग क्षमताओं की समीक्षा की, जिसमें उच्च-रिज़ॉल्यूशन एमआरआई प्रणालियों का समावेश भी शामिल है, जिससे कई चिकित्सा और शल्य चिकित्सा विशेषज्ञताओं में नैदानिक सटीकता में वृद्धि हुई है। इन उन्नयनों ने न केवल इमेजिंग की गति और स्पष्टता में सुधार किया है, बल्कि जटिल निदानों में सहायता करने की अस्पताल की क्षमता को भी मजबूत किया है। प्रसव केंद्र के अपने दौरे के दौरान, जनरल ऑफिसर ने नैदानिक कर्मचारियों के साथ बातचीत की और मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल को बेहतर बनाने के लिए हाल ही में की गई पहलों की समीक्षा की। उन्होंने रोगी-अनुकूल सुविधाओं के एकीकरण, बेहतर निगरानी प्रणालियों और कुशल प्रसूति टीमों की चौबीसों घंटे उपलब्धता पर ध्यान दिया।

बेहतर प्रसवोत्तर सहायता और नवजात गहन देखभाल सहित रोगी-केंद्रित उन्नयनों की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने में योगदान के लिए सराहना की गई। लेफ्टिनेंट जनरल नायर ने प्रयोगशाला सेवाओं का भी दौरा किया, जहां उन्हें हाल ही में स्थापित प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (एलआईएस) के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने देखा कि कैसे प्रयोगशाला प्रक्रियाओं के स्वचालन ने टर्नअराउंड समय को कम किया है, मानवीय त्रुटियों को न्यूनतम किया है और समग्र नैदानिक दक्षता में वृद्धि की है। उन्होंने नैदानिक विभागों के साथ एलआईएस के निर्बाध एकीकरण की सराहना की, जो बेहतर नैदानिक निर्णय लेने और रोगी देखभाल में सहायक है।

पूरे दौरे के दौरान, उन्होंने चिकित्सा और सहायक कर्मचारियों के साथ बातचीत की और उनकी भूमिकाओं, चुनौतियों और आगे सुधार के सुझावों में गहरी रुचि ली। इसके बाद, जनरल ऑफिसर ने 454 फील्ड अस्पताल का दौरा किया, जहां उन्हें 354 फील्ड अस्पताल के सीओ और 454 फील्ड अस्पताल के कार्यवाहक सीओ ने परिचालन चिकित्सा तत्परता और संचालन के दौरान सहायक क्षमताओं की तैनाती के बारे में जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस. नायर ने सभी रैंकों के समर्पण और व्यावसायिकता की सराहना की और एएमसी प्रतिष्ठानों में परिचालन उत्कृष्टता, नवाचार और रोगी-केंद्रित सेवा वितरण पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

18 साइबर अपराध मामलों का खुलासा 31 गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्थित साइबर अपराध पुलिस ने पिछले एक सप्ताह में देश के विभिन्न राज्यों से 18 साइबर अपराध के मामलों का पता लगाया और 31 अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए 31 लोगों में से 19 लोग ट्रेडिंग धोखाधड़ी से जुड़े हैं। गिरोह बनाकर साइबर अपराध की साजिश रचने के आरोप में नौ अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने दो कारें, एक लैपटॉप, 32 मोबाइल फोन, सात चेकबुक और 82,500 रुपये नकद जब्त किए हैं। इसी अवधि के दौरान अधिकारियों ने 60 मामलों में 283 रिफंड आदेश सफलतापूर्वक संसाधित किए तथा पीड़ितों को 1,20,77,214 रुपये की धनराशि वापस करने के लिए न्यायालय से आदेश प्राप्त किए।

हैदराबाद मंडल ने 72वीं डीआरयूसीसी बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल की 72वीं मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) बैठक गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद भवन के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई ने की। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक के. मुत्याला नायुडू, सचिव एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. अनिरुद्ध पामर जेड और हैदराबाद मंडल के अन्य शाखा अधिकारी भी उपस्थित थे। वर्तमान समिति की यह दूसरी बैठक है। 17 मनोनीत सदस्यों में से 9 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान, हैदराबाद के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 और 2025-2026 (जून, 2025 तक) के दौरान हैदराबाद मंडल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सदस्यों को हैदराबाद मंडल में शुरू की गई विभिन्न विकास गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से बताया, जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत चयनित स्टेशनों पर चल रहे कार्य भी शामिल हैं। इसके अलावा, अध्यक्ष ने सदस्यों को यात्री सुविधा कार्यों और चल रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। सदस्यों ने मंडल द्वारा की गई विकासात्मक गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया और विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। साथ ही, अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत स्टेशनों पर चल रहे कार्यों की प्रगति की भी सराहना की। उन्होंने नई ट्रेनों की शुरूआत, ट्रेनों के ठहराव, विशेष ट्रेनों के संचालन, विभिन्न स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर आदि के प्रावधान का भी उल्लेख किया। अध्यक्ष ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि उनके सुझावों/अभ्यावेदनों की प्रचलित दिशानिर्देशों/मानदंडों के अंतर्गत जांच की जाएगी और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी।

न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग ने सरकार को कालेश्वरम रिपोर्ट सौंपी

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति पिनाकिनी घोष आयोग ने गुरुवार को कालेश्वरम बहु-स्तरीय लिफ्ट सिंचाई परियोजना से संबंधित अपनी रिपोर्ट आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार को सौंप दी। कालेश्वरम आयोग के अध्यक्ष पीसी घोष ने गुरुवार को बीआरके भवन में सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव राहुल बोज्जा को एक सुरक्षित लिफाफे में सीलबंद रिपोर्ट सौंपी। राहुल बोज्जा रिपोर्ट को आगे की कार्रवाई के लिए राज्य के मुख्य सचिव को भेजने के लिए ज़िम्मेदार हैं। दिसंबर 2023 में तेलंगाना में सत्ता संभालने वाली कांग्रेस सरकार ने एक सतर्कता जांच शुरू की और मेडिगड्डा बैराज को हुए नुकसान और अन्नाराम व सुंडिला बैराज को प्रभावित करने वाले रिसाव के मुद्दों के संबंध में राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) से आकलन का अनुरोध किया। सतर्कता जांच ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की जिससे संकेत मिलता है कि ये मुद्दे महत्वपूर्ण थे। विधानसभा में एक चर्चा के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने न्यायिक जांच का आदेश देने की अपनी मंशा की घोषणा की, जिसके बाद सरकार ने तुरंत एक आयोग का गठन किया।

14 मार्च, 2024 को, राज्य सरकार ने कालेश्वरम परियोजना से जुड़ी अनियमितताओं की जांच के लिए न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग का गठन किया। अपनी 15 महीने की जांच के दौरान, आयोग ने 115 व्यक्तियों से पूछताछ की और साक्ष्य एकत्र किए। इस जांच के तहत, आयोग ने परियोजना से जुड़े विभिन्न पक्षों, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव और सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, से पूछताछ की और आवश्यकतानुसार जिरह की।

घरेलू कलह के बाद दंपत्ति ने कर ली आत्महत्या

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली में एक दम्पति ने कुछ घंटों के अंतराल पर आत्महत्या कर ली, ऐसा कथित तौर पर घरेलू विवादों के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार, वालपुरी दुर्गगिनी (22) की शादी 2019 में वालपुरी श्रीनिवासुलु से हुई थी।

दपति बाचुपल्ली के मिथिला नगर में एक इमारत के चौकीदार क्वार्टर में रहते थे। बुधवार की सुबह दुर्गगिनी ने कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगा ली, वह कथित तौर पर छोटी-छोटी बातों पर अपने पति के साथ अक्सर होने वाले झगड़े से अवसादग्रस्त थी। बाद में दोपहर में, कानूनी परिणामों के डर से श्रीनिवासुलु ने भी इलाके में ही एक अन्य घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बाचुपल्ली पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं और घटना की जांच कर रही है।

हिस्ट्रीशीटर को 15 दिन की जेल

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुडीमलकापुर में एक व्यक्ति पर हमला करने वाले हिस्ट्रीशीटर को शहर की एक अदालत ने 15 दिन की जेल की सजा सुनाई है। गुडीमलकापुर के हीरानगर निवासी ठाकुर शंकर सिंह उर्फ टैगोर (23) ने मंगलवार रात गुडीमलकापुर बाजार में एक व्यक्ति पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने शंकर सिंह के खिलाफ मामूली मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। अदालत ने उन्हें 15 दिन की जेल की सज़ा सुनाई। बाद में उन्हें चंचलगुडा केंद्रीय कारागार में स्थानांतरित कर दिया गया।

ब्रेन-डेड किसान के अंगों से बचाई गई 5 लोगों की जान

पत्नी ने दी थी अंगदान के लिए सहमति

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के चिन्तपल्ली मंडल के नेलवलापल्ली गांव के एक किसान वम्पू कोंडैया के परिवार ने उनके अंग दान करने की सहमति दे दी, जब हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। कोंडैया 21 जुलाई को अपने घर पर बेहोश हो गए और उन्हें पहले देवरकोंडा के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। बाद में उन्हें उन्नत उपचार के लिए हैदराबाद के एक कॉर्पोरेट अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद, उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और मंगलवार को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। घोषणा के बाद, कोंडैया की पत्नी यदम्मा ने जीवनदान अंगदान कार्यक्रम के तहत अंगदान के लिए सहमति दे दी, जो सरकार द्वारा संचालित एक पहल है जिसका उद्देश्य शव के अंगदान के माध्यम से जीवन बचाना है। शल्य चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक पांच अंग (यकृत, दो गुर्दे और दो कॉर्निया) निकाले, जिन्हें प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले पांच रोगियों को आवंटित किया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने परिवार के इस नेक निर्णय की सराहना की, जिससे न केवल पांच व्यक्तियों को आशा मिली, बल्कि शव अंगदान की जीवन रक्षक क्षमता के बारे में जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिली।

मुख्य अस्पताल में आवश्यक चिकित्सा उपकरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी : कोमटीरेड्डी

मंत्री ने डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन किया

नलगोंडा , 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। राज्य के सड़क, भवन एवं छायांकन मंत्री कोमटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि नलगोंडा राजकीय मुख्य अस्पताल के सभी विभागों में आवश्यक चिकित्सा उपकरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने मुख्य अस्पताल के अधीक्षक एवं अभियांत्रिकी अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

गुरुवार को उन्होंने नलगोंडा राजकीय मुख्य अस्पताल में विकसित डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने डायलिसिस केंद्र में आए नए चिकित्सा उपकरणों का भी निरीक्षण किया। बाद में, अस्पताल अधीक्षक के कक्ष में अस्पताल के डॉक्टरों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि नलगोंडा जिले में चिकित्सा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष रूप से, राजकीय मुख्य अस्पताल के माध्यम से लोगों को और अधिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से, उन्होंने कहा कि पदों को भरने के अलावा, एनआईसी, पीआईसी, ऑर्थोपेडिक आदि सभी विभागों में आवश्यक सुविधाएं स्थापित की जाएंगी और ब्लड बैंक के लिए आवश्यक रेफ्रिजरेटर एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक सुविधाओं और चिकित्सा उपकरणों पर स्पष्ट प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने ब्लड बैंक के माध्यम से शीघ्र ही निःशुल्क रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रसव के बाद माँ और बच्चे को एमसीएच किट प्रदान करने हेतु सभी आवश्यक वस्तुओं सहित किट वितरित करने के लिए कदम उठाए जाएं और इसके लिए प्रतीक फाउंडेशन के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

70 वर्षीय महिला से छीनी गई चेन

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने गुरुवार को केपीएचबी में एक बुजुर्ग महिला से सोने की चेन छीन ली। लगभग 70 वर्षीय महिला कॉलोनी में सड़क पर टहल रही थी, तभी एक कार में सवार बदमाश उसके पास आए। पता बताने में मदद के बहाने, बदमाशों ने कार महिला के पास ले जाकर उसके गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए।

शिकायत के आधार पर, केपीएचबी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जाँच कर रही है। अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

श्रीधर बाबू ने अमेरिकी महावाणिज्य दूत जेनिफर लार्सन को विदाई दी

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने गुरुवार को हैदराबाद में अमेरिकी महावाणिज्य दूत सुश्री जेनिफर लार्सन को उनके कार्यकाल के सफल समापन पर हार्दिक विदाई दी। इस बैठक में भारत-अमेरिका संबंधों की बढ़ती मजबूती और तेलंगाना तथा अमेरिका के बीच गहरे होते सांस्कृतिक एवं राजनयिक संबंधों पर प्रकाश डाला गया। सद्भावना के प्रतीक के रूप में, मंत्री ने सुश्री लार्सन को तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारतीय आतिथ्य का प्रतीक एक पारंपरिक हथकरघा साड़ी भेंट की। अपने कार्यकाल के दौरान, लार्सन ने शिक्षा, संस्कृति और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थागत साझेदारी और लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने में उनके प्रयासों की व्यापक रूप से सराहना की गई।

मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और समावेशी विकास के लिए तेलंगाना के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए उनकी सराहना की। मंत्री ने कहा, उनके नेतृत्व में, कई प्रभावशाली द्विपक्षीय पहलों को सफलतापूर्वक लागू किया गया, जिससे तेलंगाना-अमेरिका संबंध और भी समृद्ध हुए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में यह साझेदारी और भी मज़बूत होगी। उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि यह विदाई समारोह एक औपचारिक अवसर से कहीं बढ़कर था और यह स्थायी मित्रता, गर्मजोशी और साझा मूल्यों का उत्सव था।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

विदेशी मुद्रा विभाग

6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक के लाइसेंस को रद्द किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस को उनके नाम के सामने उल्लिखित कारणों से निरस्त कर दिया है।

क्र. सं.	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्तीकरण की तारीख	निरस्तीकरण का कारण
1.	प्रिज्म फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नं.212, एच.नं.2-157, ग्राउंड फ्लोर, विजयपुरी कॉलोनी, चौधरी गुडा, हैदराबाद, तेलंगाना - 500088	HYD-FFMC-0269-2023	26.04.2016	27.06.2025	मौजूदा फेमा प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन तथा लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।
2.	गरुड़ फॉरेक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एच.नं. 6-3-609/1/2/ए, ग्राउंड फ्लोर, खैरताबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004	HYD-FFMC-0434-2024	26.06.2024	27.06.2025	मौजूदा फेमा प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन तथा लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।
3.	श्री विमलनाथ फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड 12-2-718/2/बी/8, गांधी कॉम्प्लेक्स नानल नगर, हैदराबाद तेलंगाना-500 028	FE.HY.FFMC/93/2008-2009	24.06.2009	30.06.2025	मौजूदा फेमा प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन तथा लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।
4.	विक्ट्री फॉरेक्स एंड ट्रैवल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड 10-3-152/1, सेंट जॉन्स रोड, ईस्ट मरेडपल्ली, सिकंदराबाद, रंगारेड्डी, तेलंगाना - 500 026	FE.HY.FFMC/95/2008-2009	25.06.2009	30.06.2025	मौजूदा फेमा प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन तथा लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।
5.	एस आराध्या फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड दुकान नंबर 11, जी 3-5-890/11, पारस चैंबर, हिमायतनगर, हैदराबाद-500029	HYD-FFMC-0376-2024	19.02.2024	04.07.2025	लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।
6.	गोयम फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड 2-2-1109 / एमआईजी 80, बलखम्माकुंटा, बाग अम्बरपेट हैदराबाद-500013	FE.HY.FFMC/126/2014-15	22.05.2015	04.07.2025	नवीकरण की शर्तों का पालन न करना और लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।
7.	सैयद'स फॉरेक्स एक्सचेंज प्राइवेट लिमिटेड 20-3-620, हुसैनी आलम, हैदराबाद- 500 064, तेलंगाना	HY.FFMC/180/2021-2022	24.06.2021	04.07.2025	मौजूदा फेमा प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन, नवीकरण की शर्तों का पालन न करना तथा लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।
8.	डिजिटल फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड मालिक चेंबर्स, दुकान नंबर 3-6-290, हैदरगुडा, हैदराबाद - 500 029.	HYD-FFMC-0126-2023	03.04.2018	09.07.2025	मौजूदा फेमा प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन तथा लाइसेंस का स्वैच्छिक समर्पण।

निरस्ती के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनियां मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियाँ या लेनदेन का कार्य नहीं करेंगी।

हस्ता/-
(मेघना सिंह)
उप महाप्रबंधक

स्थान : हैदराबाद
दिनांक : अगस्त 01, 2025

UNION BANK OF INDIA
यूनियन बैंक Union Bank of India
Regional Office, Union Bank Building, 1st Floor, Seethammadhara, Visakhapatnam-13. Ph : 0891-2735465 / 2546717. E-mail id : operations.vizag@unionbankofindia.bank

PREMISES REQUIRED FOR LEASE

Premises required on rent / lease for Offices / Branch at Yendada admeasuring minimum carpet area 1700 sft (plus or minus 10%) preferably on ground floor in ready possession with adequate parking space. Interested parties are requested to contact the above address for details and submit their offers in envelope in the proforma containing Technical bid & Financial bid kept in a single sealed cover marked Bank Premises to the above address. Last date for receipt of application is 21.08.2025 by 4.00 PM. BANK RESERVES THE RIGHT TO REJECT ANY / ALL OFFERS WITHOUT ASSIGNING ANY REASON. No brokerage will be paid by the Bank.

Sd/- Regional Head

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.